ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

येदियुरप्पा सुनवाई में शामिल हों तो अच्छा होगा, नहीं तो पुलिस उन्हें ले आएगी:परमेश्वर @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शनिवार, 15 जून, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु.| वर्ष-6 | अंक-166

फिर उजागर हुआ सुप्रीम कोर्ट का दोहरा रवैया

'हमारे बारह' फिल्म की रिलीज रोकी, 'पीके' पर नहीं थी आपत्ति

- मुस्लिम महिलाओं की व्यथा दिखाना अपराध है
- हिंदू देवी-देवताओं का मजाक उड़ाना मनोरंजन है

नई दिल्ली, 14 जून (एजेंसियां)।

एक फिल्म आ रही है 'हमारे बारह'। जनसंख्या नियंत्रण की समस्या और इस्लाम में महिलाओं के अपमान पर बन रही अन्नू कपूर अभिनीत इस फिल्म की रिलीज पर देश के सर्वोच्च न्यायालय ने रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने इसकी स्क्रीनिंग पर रोक लगाते हुए कहा कि उन्होंने इसका ट्रेलर देखा तो काफी आपत्तिजनक है। इसके डायलॉग्स पर भी आपत्ति जताई गई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आपत्तिजनक चीजें भरी पड़ी हैं। न्याय का दिलचस्प पहलू यह है कि इससे पहले बॉम्बे हाईकोर्ट ने फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले पर आपत्ति जताते हुए कहा कि उच्च न्यायालय को ये आदेश देना चाहिए था कि सीबीएफसी (सेंसर बोर्ड) एक समिति बना कर इस मामले की जांच करे। अजहर बाशा तम्बोली ने इस फिल्म के पक्ष में याचिका दायर की थी। जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की वैकेशन बेंच ने इस पर सुनवाई की। याचिकाकर्ता की तरफ से फौजिया शकील बतौर अधिवक्ता पेश हुईं। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पहले ही हमारे-बारह फिल्म को प्रतिबंधित कर चुकी है।

आखिर हमारे-बारह फिल्म में ऐसा क्या दिखाया गया है जो सुप्रीम कोर्ट को सब कुछ आपत्तिजनक लग रहा है। ट्रेलर में मौलवी का किरदार निभाने वाले अभिमन्यु सिंह कहते हैं, औरतें सलवार के नाड़े की तरह होनी चाहिए। जब तक अंदर रहेंगी, बेहतर रहेंगी। तुम्हारी औरतें तुम्हारी खेती हैं, अपनी मर्जी से खेती करो। ट्रेलर में दिखाया गया है कि कैसे मुस्लिम महिलाओं को मुल्ले-मौलवियों की इस सोच के कारण समस्या का सामना करना पड़ता है, प्रताड़ना झेलनी पड़ती है।

क्या इस्लाम में महिलाओं को बुर्के और हिजाब में रहने के लिए बाध्य नहीं किया जाता है? उन्हें भी तो आखिर स्वच्छंद हवा में सांस लेने का अधिकार है। हलाला जैसी कुप्रथा के तहत शादीशुदा महिलाओं के साथ रात गुजारने के लिए ये मौलवी हजारों-लाखों रुपए वसूल करते हैं। ये मौलवी खुद एक से अधिक महिलाओं से निकाह करते हैं, फिर दूसरी महिलाओं से हलाला भी करते हैं। मौलवियों का दाम तय है। हलाला के बहाने मदरसों के लिए फंडिंग भी ले ली जाती है।

क्या ये मौलवी जन्नत की 72 हूरों का विवरण देते समय महिलाओं का अपमान नहीं करते? इस समस्या को दिखा देने पर सुप्रीम कोर्ट नाराज हो जाता है। कोई मौलाना इन हूरों की देह-यष्टि का बखान करते हैं और अपनी पत्नियों को मैली-कुचली कह कर संबोधित करते हैं। इसी समस्या को दिखाया गया है हमारे-बारह फिल्म में।

फिर सुप्रीम कोर्ट ऐसी फिल्म को आपत्तिजनक क्यों बता रहा है, जिसमें इस्लाम की कुरीति पर बात की गई है? वहीं फिल्म पीके में जब हिंदू देवी-देवताओं का मजाक बनाया जाता है तो यही सुप्रीम कोर्ट ऐसी कोई कार्रवाई नहीं करता। आज से एक दशक पीछे चलते हैं, आमिर खान की फिल्म पीके सबको याद होगी। दिसंबर 2014 में आई इस फिल्म को लेकर काफी विवाद हुआ था, लेकिन चूंकि पीड़ित पक्ष हिंदू थे इसीलिए उन्हें ▶10 पर

जी-7 आउटरीच सम्मेलन में पीएम मोदी का प्रभावशाली संबोधन

तकनीक को संहारक नहीं सृजनात्मक बनाना होगा

- रोम पहुंचने पर इटली की पीएम मेलोनी ने मोदी का किया भव्य स्वागत
- ब्रिटेन, फ्रांस, युक्रेन के राष्ट्र-प्रमुखों और पोप फ्रांसिस से मिले मोदी

अपुलिया (इटली) 14 जून (एजेंसियां)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रौद्योगिकी के मानव केंद्रित विकास पर बल देते हुए कहा कि टेक्नोलॉजी में एकाधिकार को सर्वाधिकार में बदलना होगा। हमें टेक्नोलॉजी को संहारक नहीं सृजनात्मक रूप देना होगा। पीएम मोदी ने कहा, हमारी कोशिश होनी चाहिए कि टेक्नोलॉजी का लाभ सभी वर्गों तक पहुंचे, समाज के हर व्यक्ति के सामर्थ्य को उजागर करे, सामाजिक असमानताओं को दूर करने में मदद करे और मानवीय शक्तियों को सीमित करने के बजाय उनका विस्तार करे। पीएम मोदी ने यहां जी-7 आउटरीच शिखर सम्मेलन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऊर्जा, अफ्रीका और भूमध्य सागर जैसे मसलों पर प्रभावशाली संबोधन दिया। उन्होंने जी-7 समूह को उसकी 50वीं वर्षगांठ पर बधाई भी दी। इसके पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोम पहुंचने पर इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी ने उनका जोरदार स्वागत किया। पीएम मोदी आज ब्रिटेन, फ्रांस, यूक्रेन के राष्ट्र-प्रमुखों के साथ-साथ ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस से भी मिले।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि मानव जाति के इतिहास की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक प्रक्रिया में तिबारा चुने जाने के बाद शिखर सम्मेलन में भाग लेना उनके लिए बहुत संतुष्टि की बात है। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी को सफल बनाने के लिए इसे मानव-केंद्रित दृष्टिकोण पर आधारित होना होगा। इक्कीसवीं सदी टेक्नोलॉजी की सदी है। मानव जीवन का शायद ही कोई ऐसा पहलू होगा जो टेक्नोलॉजी के प्रभाव से वंचित ▶10 पर

हिंदुस्तान के प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता

रोम, 14 जून (एजेंसियां)।

जी-7 उन्नत अर्थव्यवस्था वाले देशों का समूह है। भारत, दुनिया भर में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। इस साल इटली ने जी-7 शिखर सम्मेलन में भारत को बतौर अतिथि देश आमंत्रित किया है। 2019 से भारत को हर साल जी-7 में आमंत्रित किया जा रहा है।

इटली में इस वक्त इटली में जी-7 शिखर सम्मेलन का आयोजन हो रहा है। इस कार्यक्रम में आमंत्रित देश भारत की तरफ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल हुए हैं। ग्रुप ऑफ सेवन (जी-7) नाम के इस अनौपचारिक वैश्विक मंच की अध्यक्षता इटली कर रहा है। सम्मेलन में अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, ▶10 पर

आतंकी हमलों से चिंतित प्रधानमंत्री मोदी 20 को कश्मीर जाएंगे

महत्वपूर्ण और निर्णायक होगा पीएम का श्रीनगर दौरा

- उपराज्यपाल और आला नौकरशाहों से करेंगे मंत्रणा
- योग दिवस कार्यक्रम में भी शामिल होंगे प्रधानमंत्री

जम्मू, 14 जून (ब्यूरो)।

जम्मू कश्मीर में हाल में हुई आतंकी वारदातों से चिंतित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 जून को श्रीनगर पहुंच रहे हैं। ऐसी स्थिति में प्रधानमंत्री का कश्मीर पहुंचना काफी महत्वपूर्ण और निर्णायक माना जा रहा है। हालांकि आधिकारिक तौर पर कहा जा रहा है कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री मोदी श्रीनगर पहुंच रहे हैं। प्रधानमंत्री के श्रीनगर दौरे की चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था में सुरक्षाबल लग गए हैं।

प्रशासन की तरफ से बताया गया कि 20 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की श्रीनगर यात्रा से पहले एहतियात के तौर पर श्रीनगर और कश्मीर के अन्य हिस्सों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। प्रधानमंत्री मोदी की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर श्रीनगर में एक उच्च स्तरीय बैठक भी हुई, जिसमें विभिन्न एजेंसियों के प्रमुख शामिल थे। जानकार बताते हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का श्रीनगर दौरा खास मंतव्य के तहत निर्धारित किया गया है। संभावना जताई गई है कि प्रधानमंत्री योग दिवस कार्यक्रम में शरीक होने के पहले उप राज्यपाल मनोज सिन्हा के साथ-साथ आला प्रशासनिक अधिकारियों, सेनाधिकारियों और खुफिया एजेंसियों के अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श करेंगे। संभावना जताई जा रही है कि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल भी प्रधानमंत्री के साथ श्रीनगर जाएंगे।

सुरक्षा व्यवस्था के लिए कुछ दिशा-निर्देश निर्धारित किए गए हैं, जिन्हें 20 जून के पहले लागू किया जाएगा। एयरपोर्ट रोड से शेरे कश्मीर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर (एसकेआईसीसी) तक के संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस और अर्धसैनिक बलों को तैनात किया गया है। सतर्क निगरानी के लिए सीसीटीवी ▶10 पर

केंद्र सरकार से फिर शुरू हुई केंद्रीय कर्मचारियों की मांग

पुरानी पेंशन बहाली और 8वें वेतन आयोग का गठन हो

नई दिल्ली, 14 जून (एजेंसियां)।

केंद्र में नई सरकार के गठन के साथ ही कर्मचारी संगठन, अपनी लंबित पड़ी मांगों को लेकर सक्रिय हो गए हैं। पुरानी पेंशन बहाली के लिए गठित, नेशनल ज्वाइंट काउंसिल ऑफ एक्शन (एनजेसीए) के संयोजक और एआईआरएफ के महासचिव शिवगोपाल मिश्रा ने 11 जून को प्रधानमंत्री मोदी को लिखे अपने पत्र में आग्रह किया है कि एक जनवरी 2004 के बाद सरकारी सेवा में आए कर्मियों की पुरानी पेंशन बहाली पर गंभीरता से विचार किया जाए। इसके साथ ही केंद्र सरकार आठवें वेतन आयोग के गठन की घोषणा भी जल्द से जल्द करे। दूसरी तरफ स्टाफ साइड की राष्ट्रीय परिषद (जेसीएम) के सदस्य और ▶10 पर

राष्ट्रपति ने अधिसूचना जारी की

लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव 26 जून को

भाजपा प्रत्याशी को जेडीयू देगा समर्थन : त्यागी

नई दिल्ली, 14 जून (एजेंसियां)।

18वीं लोकसभा का अध्यक्ष कौन होगा, इस सवाल का जवाब 26 जून को मिल जाएगा। 26 जून को लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इसे लेकर अधिसूचना भी जारी कर दी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तीसरी बार सरकार गठित होने के साथ ही मंत्रियों को उनके मंत्रालय भी सौंप दिए गए हैं। अब सभी की निगाहें लोकसभा अध्यक्ष पर टिकी हैं। शीर्ष सियासी गलियारे में चर्चा है कि राजस्थान की कोटा लोकसभा सीट से लगातार तीसरी बार चुनाव जीतने वाले ओम बिड़ला को एक बार फिर लोकसभा अध्यक्ष की कमान सौंपी जा सकती है। इसके अलावा आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की रिश्तेदार डी पुरुंदेश्वरी के नाम की भी चर्चा चल रही है।

उधर, एनडीए के घटक दल जेडीयू के वरिष्ठ नेता और राष्ट्रीय प्रवक्ता केसी त्यागी ने कह दिया है कि लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव में जेडीयू भाजपा का समर्थन करेगा। जेडीयू नेता केसी त्यागी ने कहा, जेडीयू उस प्रत्याशी का समर्थन करेगा जो भाजपा द्वारा उतारा जाएगा। अब यह बयान साफ बताता है कि आगामी अध्यक्ष चुनाव में भाजपा अपना प्रत्याशी उतार सकती है, अध्यक्ष पद शायद सहयोगी दलों के पास नहीं जाने वाला है। बड़ी बात यह है कि इससे पहले खबर थी कि दोनों टीडीपी और जेडीयू ही अध्यक्ष पद अपने पास रखना चाहते थे, लेकिन भाजपा उसके लिए राजी नहीं हुई।

अगर भाजपा के अलावा एनडीए के सहयोगी अध्यक्ष पद को ▶10 पर

हिन्द प्रशांत क्षेत्र में ताकत के बल पर किसी का भी एकाधिकार स्वीकार्य नहीं

नई दिल्ली 14 जून (एजेंसियां)।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि भारत हिन्द महासागर क्षेत्र में मुक्त नौवहन तथा नियम आधारित विश्व व्यवस्था का पक्षधर है और इसी कड़ी में नौसेना हिंद-प्रशांत क्षेत्र में आर्थिक ताकत या सैन्य शक्ति के आधार पर किसी भी देश के एकाधिकार के खिलाफ है।

श्री सिंह ने नौसेना की संचालन तैयारियों की समीक्षा के लिए आज आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में नौसेना की पूर्वी कमान का दौरा किया और युद्धपोत आईएनएस जलाश्व पर सवार होकर समुद्र में एक दिन कार्यक्रम में शामिल हुए। लगातार दूसरी बार रक्षा मंत्री का कार्यभार संभालने के बाद यह श्री सिंह की किसी सैन्य बेस की पहली यात्रा थी।

इस कार्यक्रम के दौरान रक्षा मंत्री ने नौसेना की युद्ध क्षमता और तैयारियों की समीक्षा के लिए कमान के विभिन्न युद्धपोतों, पनडुब्बी और विमानों के संचालन को देखा। उनके साथ नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी और पूर्वी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल राजेश पेंढारकर भी थे। पूर्वी बेड़े के अधिकारियों और नाविकों के साथ ▶10 पर

शेयर मार्केट

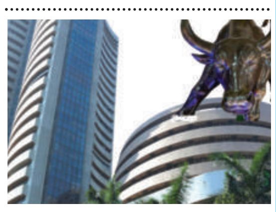

बीएसई : 76,992.77
+181.87 +0.24% ↑
एनएसई :23,465.60
66.70 (0.29%) ↑

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30^0
न्यूनतम : 22^0

34 साल से कश्मीर वापसी की दुआ मांग रहे कश्मीरी हिंदू

370 हटा पर कश्मीरी हिंदुओं की त्रासदी नहीं हटी

कश्मीरी मुसलमान कहते हैं, कश्मीर पंडितों के बिना हम अधूरे

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 14 जून।

करीब 34 सालों से, जबसे कश्मीरी हिंदुओं ने कश्मीर से पलायन किया है, सैंकड़ों कश्मीरी हिंदू परिवार क्षीर भवानी में एकत्र होकर वापसी की दुआ मांग रहे हैं पर अभी तक उनकी दुआ स्वीकार नहीं हुई है। केंद्र सरकार ने अनुच्छेद 370 तो हटा दिया, लेकिन कश्मीरी हिंदुओं की त्रासदी अब तक बरकरार है। सैकड़ों कश्मीरी हिंदुओं ने आज भी ज्येष्ठ अष्टमी पर तुलमुला स्थित मां रागन्या के मंदिर में एकत्र होकर क्षीर भवानी को श्रद्धा के फूल चढ़ाए। इसी प्रकार विस्थापित कश्मीरी हिंदुओं ने जम्मू में बनाए गए क्षीर भवानी मंदिर में भी हाजिरी लगाई। क्षीर ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

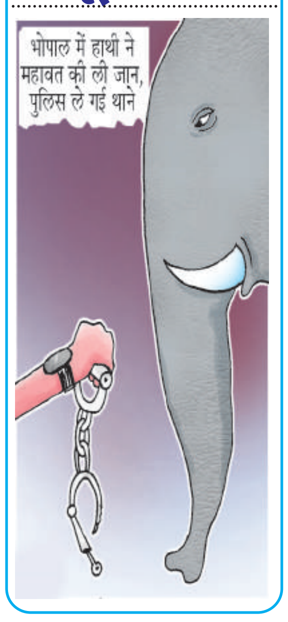

अस्तित्व मेरी पहचान कार्यक्रम का आयोजन

सभी को इस कला को सीखकर एक सुंदर अस्तित्व का करना चाहिए निर्माण: सुनीता गाँधी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतों महिला विंग बेंगलूरु साउथ द्वारा अस्तित्व मेरी पहचान कार्यक्रम का आयोजन इ आई एम आर बसवनगुडी में किया गया। जिसमे 51 सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ नवकार महामंत्र एवं दीप प्रज्वलन द्वारा किया गया। जीतो महिला विंग चेयरपर्सन सुनीता गाँधी ने सभी सदस्यों एवं उपस्थित कार्यकर्ताओं का स्वागत करते हुए कहा कि महिलाओं को अपने अस्तित्व की पहचान बनाने की कला को सीखने हेतु इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है तथा हम सभी को इस कला को सीखकर एक सुंदर अस्तित्व का निर्माण करना है। जीतो बेंगलूरु साउथ के चेयरमैन दिनेश बोहरा ने जीतो ग्रोथ समिट की सफलता में जीतो महिला विंग कमेटी का योगदान एवं जीतो गॉट टैलेंट के आयोजन हेतु आभार व्यक्त किया। साथ ही भविष्य में इसी प्रकार के अनेक

कार्यक्रमों को करने हेतु प्रेरित किया। महामंत्री एवं कार्यक्रम स्थल के स्पॉन्सर दीपक श्रीश्रीमाल ने सभी सदस्यों का उत्साहवर्धन करते हुए, उनका मनोबल बढ़ाते हुए, एक सुंदर कविता के माध्यम से महिलाओं को प्रेरणा दी। जीतो महिला विंग कन्वीनर संजय भंडारी ने जीतो महिला विंग द्वारा किये जाने वाले कार्यों की सरहाना करते हुए, उनका हौसला बढ़ाया। जीतो महिला विंग महामंत्री मोनिका पिरगल ने सभी सदस्यों को शुभकामनाएँ प्रेषित की। कार्यक्रम के पाइलट फेकल्टी अरविंद माण्डोत एवं को-पायलट फेकल्टी एवं उपाध्यक्ष बबीता रायसोनी ने सभी महिलाओं को अपने अस्तित्व की पहचान बनाने के अनेक गुर सिखाये। उन्होंने बताया कि व्यक्ति को अपनी भावनाओं को जागृत करने के लिए उसे, उजागर करना अत्यंत आवयश्क है। हमारी खुशी हमारे हाथो में है। प्रत्येक व्यक्ति की सोच अलग होती है। जरुरी नहीं कि जो सामने वाले की नजर में गलत है, वो हमारी नजर में सही हो। अतः अनेकान्तवाद के सिद्धांत को अपनाते हुए हमे आगे बढ़ते हुए हमारे जीवन की गाड़ी को चलाना होगा तभी हम एक खुशहाल जीवनयापन कर सकते है। सभी सदस्यों ने अपना परिचय दिया। प्रश्न उत्तर के माध्यम से सभी को उनके समस्या के समाधान बताये गये।

हमारा रिमोट कंट्रोल हमारे हाथो में होना चाहिये। हमको अगर हमारी पहचान बनानी है तो, सही समय पर सही कार्य करना, निर्णय लेनी की क्षमता, बुद्धि का विकास, रोजमर्रा के कार्यों को समय पर करना, स्वास्थ्य का ध्यान रखना, पारिवारिक कार्यों को समय पर करना, सोशल मीडिया का समय सीमित करना, गॉसिप से बचना, काम को विभाजित करना, अपने सामान को व्यवस्थित रखना तथा निगेटिव बातों से दूर रहना चाहिए।

सभी कार्यों को स्वयं पर लागू करना होगा

उपरोक्त सभी कार्यों को जरुरी व महत्वपूर्ण कार्यों में विभाजित करना आवश्यक है। अपनी पहचान तथा ब्रांड बनाने के लिए, सभी कार्यों को स्वयं पर लागू करना होगा, जो कुछ भी हम करेंगे व बोलेंगे, उसका पालन करके ही हम अपनी ब्रांड को कायम कर सकते है। अंत में सभी महिला सदस्यों द्वारा स्वयं में सुधार लाने का संकल्प लिया गया। अनेक ग्रुप कार्यों को अन्ताक्षरी व खेल के माध्यम से करवाया गया। इस हेतु सभी सदस्यों को 12 टीमों में बाँटा गया। अरविन्द माण्डोत का परिचय, कार्यक्रम संयोजिका तरुणा मेहता तथा बबीता रायसोनी का परिचय सह संयोजिका रेशमा बडोला ने दिया। इस अवसर पर जीतो महिला विंग उपाध्यक्ष प्रभा गुलेच्छा एवं सहमंत्री संगीता पारख तथा कार्यकारिणी सदस्य अस्मिता चौहान, उर्मिला बरडिया, नन्दा मेहता, बिन्दू मेहता, पुष्पा गु-लेच्छा, नीतू जैन एवं दीपमाला जैन उपस्थित रहे।

श्रद्धालुओं की बस पर आतंकवादी हमले की निंदा

राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल हुब्बल्ली ने जम्मू कश्मीर में वैष्णो देवी कटरा से शिव खोडी जाते समय गत 9 जून को हिन्दू श्रद्धालुओं की बस पर क्रूर पाकिस्तान पोषित इस्लामिक आतंकवादियों के कायराना हमले के विरोध में प्रदर्शन कर राष्ट्रपति के नाम तहसीलदार को ज्ञापन दिया।

साथ ही हत्या कांड की कड़ी निंदा की। विहिप धारवाड़ विभाग कार्यदर्शी रमेश कदम ने कहा इन आंतकवादियों ने प्रधानमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह के दिन यह हत्याकांड कर देश की संप्रभुता को चुनौती दी है। उदारवाद, विचारों की स्वतंत्रता और धर्मनिरपेक्षता को चुनौती है, जिसे भारत की जनता, विश्व हिंदू परिषद और केंद्र सरकार स्वीकार नहीं करेगी।

इससे लड़ेगी और विजय प्राप्त करेगी। धारवाड़ विभाग बजरंग दल संयोजक शिवानंद सत्तीगेरी, विहिप हुब्बल्ली महानगर कार्यदर्शी रघु यलकनावर सहित अन्य वक्ताओं ने संबोधित किया। इस दौरान विहिप हुब्बल्ली महानगर सेवा प्रमुख सुभाष चंद्रा डंक, संपर्क प्रमुख विवेक मोकाशी, अरुण प्रभु, चेतन राव, केशव बी, षर्णेय हिरेमठ, सुनील, यलप्पा बगलकोटी सहित अन्य उपस्थित थे।

संस्कार सीबीएसई स्कूल में नए विद्यार्थियों को हुआ स्वागत

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। संस्कार सीबीएसई इंग्लिश मीडियम स्कूल हुब्बल्ली में फ्रेशर्स डे मनाया गया। इस कार्यक्रम में होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. मनाली कापसे, मुख्य अतिथि और देसाई एंड कंपनी की पार्टनर सुषमा ए देसाई विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थी। सुषमा देसाई ने कहा कि माता-पिता को बच्चों के बारे में चिंता नहीं करनी चाहिए, क्योंकि शिक्षक बहुत सहायक होते हैं। उन्हें अपने जीवन का भरपूर आनंद लेने दें। नन्हे-मुन्ने बच्चे बहुत साहस के साथ मंच पर प्रदर्शन करते है। डॉ. मनाली कापसे ने कहा कि संस्कार का संस्कृत अर्थ संस्कृति और शिष्टाचार है। संस्कार स्कूल अच्छे छात्र और अच्छे इंसान बनाता है। वह 12 साल से संस्कार का हिस्सा होने के लिए अपने आप को भाग्यशाली समझते हैं। माता-पिता के रूप में अपने बच्चों को आत्मविश्वास के साथ प्रदर्शन करते देखना गर्व का क्षण है। डॉ कापसे ने संस्कार स्कूल के लिए स्वयं द्वारा रचित एक हिंदी कविता सुनाकर अपना उद्बोधन समाप्त किया। कार्यक्रम की शुरुआत में स्कूल के एलकेजी से कनिष्का कटवे और रितिशा अग्रवाल ने प्रार्थना और स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। अतिथियों का परिचय शिक्षिका मैरी लीमा और नीलोफर धारवार ने कराया और उन्हें सम्मानित किया। स्कूल के पुराने और नए विद्यार्थियों द्वारा नृत्य प्रस्तुति दी गईं। कक्षा 4 की आग्या सकारिया और अदिति अमर शेट्टी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कक्षा 1 की छात्रा विनीशा जैन और गौतमी सीलम ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल के अध्यक्ष महावीर पी कुंदूर ने की। इस मौके पर संस्थापक अध्यक्ष महेंद्र एच. सिंघी, सपना एस वोरा - निदेशक, उप प्राचार्य, सीएओ, शिक्षक, अभिभावक और छात्र भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

हुब्बल्ली नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 75वीं बैठक संपन्न

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। हुब्बल्ली नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) की 75वीं बैठक शुक्रवार को क्षेत्रीय प्रधान कार्यालय, रेल सौधा, दक्षिण पश्चिम रेलवे, हुब्बल्ली में दपरे के महाप्रबंधक, अरविंद श्रीवास्तव की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में हुब्बल्ली नगर में स्थित केंद्रीय सरकारी कार्यालयों, राष्ट्रीयकृत बैंकों एवं सार्वजनिक उपक्रमों के कार्यालय प्रमुख एवं प्रतिनिधि उपस्थित हुए। बैठक के आरंभ में अरविन्द कुमार सिरोही, उपाध्यक्ष, हुब्बल्ली नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति एवं प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक सह मुख्य राजभाषा अधिकारी, दपरे ने समिति के अध्यक्ष एवं महाप्रबंधक/दपरे, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग से पधारे अनुसंधान अधिकारी, कार्यान्वयन तथा नराकास के सदस्य, कार्यालयों के प्रमुखों एवं प्रतिनिधियों का स्वागत किया और बैठक में उपस्थित सदस्यों को सम्बोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने हिंदी के साथ साथ स्थानीय भाषा कन्नड़ के प्रचलित शब्दों के प्रयोग करने की बात कही ताकि आम जन आसानी से समझ सकें। मो. नुरुद्दीन, सदस्य-सचिव, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति एवं राजभाषा अधिकारी, प्रधान कार्यालय, दपरे ने नराकास के सदस्य कार्यालयों से प्राप्त राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित रिपोर्टों के आधार पर एक समेकित समीक्षा रिपोर्ट समिति के समक्ष प्रस्तुत की जिस पर समिति द्वारा विस्तार पूर्वक चर्चा की गई।

इस अवसर पर हुब्बल्ली नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य कार्यालयों द्वारा राजभाषा के प्रयोग-प्रसार एवं कार्यान्वयन से संबंधित उनकी उपलब्धियों को प्रदर्शित करने वाली एक राजभाषा प्रदर्शनी भी लगाई गई थी। गृह मंत्रालय की ओर से प्रकाश राम, अनुसंधान अधिकारी कार्यान्वयन कार्यालय (दक्षिण), राजभाषा विभाग, बेंगलूरु भी बैठक में उपस्थित हुए और राजभाषा कार्यान्यवयन और इसके उत्तरोत्तर प्रयोग प्रसार हेतु अपना मार्गदर्शन भी दिया।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में अध्यक्ष ने कहा कि हिंदी हमारी राजभाषा है, जिसके साथ हमारा स्वाभिमान और राष्ट्रीय एकता भी जुड़ी हुई है। अतः भाषा प्रयोग के विभिन्न क्षेत्रों में गर्व के साथ इसे प्रतिष्ठित करने में हमें निरंतर प्रयत्नशील रहना होगा। उन्होंने राजभाषा हिंदी को मन से स्वीकारने और अपने कार्यालयों में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को अधिकाधिक कार्यान्वयित करने हेतु अपने भीतर दृढ़ संकल्प जगाने का आवाह्न किया।

दर्शन और उनकी फिल्मों पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए: एटी रामास्वामी

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व विधायक एटी रामास्वामी ने मांग की कि चित्रदुर्ग में रेणुका स्वामी की हत्या के मामले में आरोपी अभिनेता दर्शन की फिल्मों पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। उन्होंने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि जले हुए को राख में बदल देना चाहिए। अभिनेता दर्शन इस बात का स्पष्ट उदाहरण हैं कि जले हुए को एक न एक दिन नष्ट कर देना चाहिए। उन्होंने मांग की कि उनकी फिल्मों पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। हम सभी को अभिनेता दर्शन द्वारा किए गए जघन्य अपराधों की निंदा करनी चाहिए, जिन्होंने सिनेमाई शैली में चित्रदुर्ग के रेणुका स्वामी का

अपहरण कर लिया और उन्हें बेंगलूरु लाकर उनकी हत्या कर दी। एक अभिनेता को देश की कला संस्कृति परंपरा का उत्थान करना चाहिए था। ऐसे लोगों से समाज को नुकसान पहुंच रहा है, यह अपमान है कि उन्होंने पैसा और प्रसिद्धि पाने के लिए ऐसा घृणित कार्य किया है। पहले भी ऐसे मामलों में पैसे लेकर आरोपी बरी होते रहे हैं। क्या यह कानून की कमजोरी है? ये तो हमें नहीं पता, लेकिन अब जब दुखद हादसा हुआ है तो पुलिस विभाग को दर्शन के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। हमने ऐसे कई मामले देखे हैं जहां कई देशद्रोहियों को बरी कर दिया गया।

कानूनी कार्रवाई के साथ कितने लोगों को सजा हुई, इस पर भी ध्यान दें। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में त्वरित सजा होने से ही समाज में अच्छा संदेश जायेगा। उन्होंने मांग की कि सरकार रेणुकास्वामी हत्याकांड को गंभीरता से ले और दर्शन को कम से कम तीन महीने में सजा देने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट खोले। रामास्वामी ने मांग की कि वाल्मिकी निगम का पैसा लूटा गया है। इसके पीछे कोई बड़ी ताकत है और इसकी व्यापक जांच होनी चाहिए। जो लोग शासन करते हैं वे कहते हैं कि पारदर्शिता लाएंगे। लेकिन ऐसा प्रशासन संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि जिस तरह अच्छी फसल उगाने के लिए खरपतवार को उखाड़ना जरूरी है, उसी तरह सुशासन के लिए भ्रष्टाचार को खत्म करना होगा। अगर सरकार प्रतिबद्ध है तो ऐसे मामलों का जल्द निपटारा किया जाना चाहिए, जिससे लोगों में बड़ा संदेश जाए। उन्होंने मांग की कि इस तरह के भ्रष्टाचार को बढ़ने नहीं दिया जाना चाहिए और इस पर नियंत्रण कर तत्काल कार्रवाई की जानी चाहिए।

रक्तदान शिविर का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निर्देशानुसार तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर के तत्वावधान में राउंड ईयर ह्यूमैनिटी थीम रक्तदान 2024 एवं विश्व रक्तदाता दिवस के उपलक्ष में श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ श्रीरामपुरम के सहयोग से श्रीरामपुरम स्थानक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर की शुरुआत सामूहिक नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से हुई। शिविर में रक्तदान हेतु पधारे स्थानीय लोगों ने कहा कि मानव सेवा के क्षेत्र में रक्तदान शिविरों का आयोजन करना बहुत ही उपयोगी है और इस क्रम की खूब-खूब सराहना करते हुए तेयुप सदस्यों की प्रशंसा की। ब्लड बैंक के सहयोग से कुल 19 यूनिट रक्त का संग्रह हुआ।

ब्लड बैंक ने परिषद परिवार को सम्मानित करते हुए धन्यवाद व्यक्त किया। तेयुप राजाजीनगर अध्यक्ष कमलेश गन्ना ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

शिविर के सुव्यवस्थित आयोजन करने में एमबीडीडी प्रभारी सुनील मेहता, संयोजक चेतन मांडोत एवं अजीत गांधी, तेयुप से दीपक गीलुंडिया, हरीश पोरवाड़, जयंतीलाल गांधी, ललित मुणोत, शांतिलाल पितलिया, कमलेश चौरडिया का अथक श्रम नियोजित हुआ।

कांग्रेस पार्टी राज्य में दोहरे अंक को पार नहीं कर पाई : शोभा करंदलाजे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने कहा कि राज्य की जनता ने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले एनडीए को शानदार प्रतिक्रिया दी है। राज्य सरकार ने भले ही बहुत बदनामी की हो, लेकिन एनडीए में शामिल बीजेपी से 17 और जेडीएस से दो सीटें जीतकर हम 19 सीटें जीत चुके हैं। मल्लेश्वरम में भाजपा के राज्य कार्यालय, जगन्नाथ भवन में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी अभी तक राज्य में दोहरे अंक को पार नहीं कर पाई है।

उन्होंने बेंगलूरु उत्तर सीट पर जीत दिलाने वाले कार्यकर्ताओं, नेताओं और मतदाताओं को बधाई दी। येदियुरप्पा के खिलाफ मामले के बारे में एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि वह एक अच्छे राजनेता हैं। उन पर कभी भी यह आरोप नहीं लगा। अदालत देश के कानून को बरकरार रखेगी। हम इंतजार करेंगे और देखेंगे। कांग्रेस सरकार आने के बाद ऐसी स्थिति है कि किसी को कोई सुरक्षा नहीं है। लगातार हत्याएं हो रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इन सभी हत्याओं का कारण यह है कि सरकार हत्यारों का साथ दे रही है।

कोर्ट ने सीआईडी को दिया निर्देश

येदियुरप्पा को 17 जून तक पॉक्सो मामले में न करें गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को अपराध जांच विभाग (सीआईडी) को निर्देश दिया कि वह नाबालिग लड़की के यौन उत्पीड़न के मामले में पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा को गिरफ्तार न करे, क्योंकि उन्होंने 17 जून को जांच के लिए पेश होने की इच्छा जताई है। अगले सप्ताह होने वाली अगली सुनवाई तक गिरफ्तारी पर रोक रहेगी। उच्च न्यायालय ने कहा कि येदियुरप्पा राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री हैं, जो अपने जीवन के अंतिम पड़ाव पर हैं और बीमार हैं।

वरिष्ठ भाजपा नेता ने बुधवार को उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर कर इस साल मार्च में पॉक्सो अधिनियम के तहत उनके खिलाफ दर्ज मामले को रद्द करने की मांग की थी। गुरुवार को एक विशेष अदालत ने मामले में येदियुरप्पा के खिलाफ गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया था।

विशेष अदालत ने मामले की जांच कर रही सीआईडी के अनुरोध पर गिरफ्तारी वारंट जारी किया। 80 वर्षीय येदियुरप्पा को एजेंसी ने 12 जून को तलब किया था, लेकिन उन्होंने यह कहते हुए 18 जून तक पेश होने का समय मांगा कि वह नई दिल्ली में हैं।

येदियुरप्पा सुनवाई में शामिल हों तो अच्छा होगा, नहीं तो पुलिस उन्हें ले आएगी: परमेश्वर

दर्शन के मामले में विशेष रॉयल्टी नहीं दी जा रही

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने कहा कि पॉक्सो मामले में पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है। अच्छा होगा कि वे जल्द से जल्द आएं और खुद सुनवाई में शामिल हों, अन्यथा पुलिस उन्हें ले आएगी। उन्होंने कहा कि नोटिस का जवाब देते हुए येदियुरप्पा ने कहा है कि वह दिल्ली हैं और 17 तारीख को लौटेंगे। उन्होंने कहा कि पुलिस उन्हें लाने और जानकारी लेने के बाद कानून के मुताबिक आगे कदम उठाएगी। तीन महीने की चुप्पी के बाद कार्रवाई किये जाने की भाजपा की आलोचना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों को आलोचना ही करनी चाहिए, क्योंकि वे और कुछ नहीं कह सकते। वीवीआईपी होने के नाते किसी भी गलती के लिए पुलिस जिम्मेदार होगी। इसी वजह से एहतियाती कदम उठाए गए हैं। साक्ष्य एफएसएल को भेजे गए थे और रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा था। अब वो प्रक्रियाएं खत्म हो गई हैं। उन्होंने कहा कि वह नियमानुसार कदम उठा रहे हैं। राहुल गांधी के बेंगलूरु आने पर एयरपोर्ट पर निर्देश देने की आलोचना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए परमेश्वर ने कहा कि सिर्फ कहानी बनाना बेकार होगा। वे बिल्कुल भी हस्तक्षेप नहीं करते। इसमें कोई दबाव नहीं है। इस तथ्य पर टिप्पणी करते हुए कि अन्नपूर्णेश्वरी पुलिस स्टेशन ने अभिनेता दर्शन से पूछताछ के लिए सड़क पर बैरिकेडिंग कर दी है, मंत्री ने कहा कि जनता को परेशानी न हो इसका ध्यान रखा जाएगा। दर्शन के मामले में विशेष रॉयल्टी नहीं दी जाती है। सभी सामान्य कैदियों के साथ कानून के मुताबिक व्यवहार किया जाएगा। बिरयानी नहीं परोसी जा रही है। उन्होंने कहा कि इस बारे में उन्होंने पुलिस कमिश्नर से पूछताछ की तो उन्होंने कहा कि वह रॉयल्टी नहीं दे रहे हैं और न ही देने वाले हैं। इसकी कोई संभावना नहीं है। उन्होंने कहा कि पुलिस को खुली जांच के लिए समय दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया जाएगा कि वे स्टेशन पर आने वाली जनता को परेशान न करें। तुमकुरु जिले के मधुगिरी तालुक के चेन्नेनहल्ली गांव में प्रदूषित पानी के मामले में तत्काल प्रतिक्रिया ली गई है। दो की मौत हो चुकी है। कई लोग बीमार हैं और उनका इलाज चल रहा है। उन्होंने कहा कि मामले में कुछ अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। मेला होने के कारण पहाड़ी से पानी लाकर पकाया गया। ग्रामीण कह रहे हैं कि इसे खाने के बाद वे बीमार हो गये। उन्होंने कहा कि हम हर हाल में जांच करेंगे। ज्ञातव्य है कि फर्स्ट फास्ट ट्रैक कोर्ट (पॉक्सो कोर्ट) ने पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा के खिलाफ 14 मार्च को यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम, 2012 के तहत दर्ज मामले में गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। अस्सी वर्षीय येदियुरप्पा पर 17 वर्षीय लड़की का यौन उत्पीड़न करने का आरोप है, जो 2 फरवरी को अपनी मां के साथ उनसे मदद मांगने आई थी। गिरफ्तारी वारंट जारी होने के साथ ही मामले की जांच कर रहा आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) अब भाजपा नेता को गिरफ्तार करने की दिशा में कदम उठाएगा। सूत्रों ने बताया कि सीआईडी की टीमें उनकी तलाश में जुट गई हैं।

12 जून को पूछताछ के लिए उपस्थित होने के लिए समन जारी किया था

येदियुरप्पा भाजपा संसदीय बोर्ड और केंद्रीय चुनाव समिति के सदस्य हैं। उनके कार्यालय द्वारा जारी यात्रा योजना के अनुसार येदियुरप्पा नई दिल्ली में हैं। मामले में पीड़ित द्वारा कर्नाटक उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका दायर करने के बाद, जिसमें पूछा गया था कि आरोपी को अभी तक क्यों गिरफ्तार नहीं किया गया है, सीआईडी ने पूर्व मुख्यमंत्री को 12 जून को पूछताछ के लिए उपस्थित होने के लिए समन जारी किया। येदियुरप्पा ने जवाब दिया कि वह नई दिल्ली में हैं और 17 जून को पूछताछ के लिए उपस्थित होंगे। इसने सीआईडी को बेंगलूरु के फास्ट ट्रैक कोर्ट 1 में पूर्व मुख्यमंत्री के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट की मांग करते हुए एक आवेदन दायर करने के लिए प्रेरित किया। अदालत ने गुरुवार की शाम को येदियुरप्पा के खिलाफ गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया।

राज्य की कांग्रेस सरकार येदियुरप्पा के खिलाफ मामले को राजनीतिक कारणों से देख रही: सीटी रवि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधान परिषद सदस्य सीटी रवि ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा के खिलाफ मामले में उस तरह का कुछ भी नहीं हुआ, जो बी रिपोर्ट तैयार होने के दौरान अचानक मामले में प्रवेश कर गया। मल्लेश्वरम में भाजपा के राज्य कार्यालय जगन्नाथ भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने संदेह व्यक्त किया कि इस मामले का इस्तेमाल राजनीतिक कारणों से किया जा रहा है। यदि नहीं तो जो तीन माह तक नहीं था वह अब क्यों आया? इस मामले में गलत प्रविष्टि किसने की है? यह बताया गया कि गृह मंत्री ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि शिकायतकर्ता ने 50 से अधिक गणमान्य व्यक्तियों के खिलाफ शिकायत की थी। उन्होंने कहा कि उन्होंने एक बयान देते हुए कहा था महिला थोड़ी मानसिक रूप से पीड़ित है। उन्होंने बताया कि सरकार के इस कदम से बीएस येदियुरप्पा के खिलाफ दायर शिकायत को लेकर कई संदेह पैदा हो गए हैं। उनके खिलाफ 14 मार्च को शिकायत दर्ज की गई थी। बताया जाता है कि ये मामला 2 फरवरी का है। उन्होंने कहा कि येदियुरप्पा 12 अप्रैल को सीआईडी के सामने पेश हुए और बयान दिया। अब गैर जमानती वारंट जारी किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की कांग्रेस सरकार येदियुरप्पा के खिलाफ मामले को राजनीतिक कारणों से देख रही है। गृह मंत्री के तब के बयान और आज के बयान में काफी अंतर है। उन्होंने शिकायतकर्ता की पहचान उजागर की थी। सरकार के रुख में बदलाव की वजह क्या है? क्या इसकी वजह लोकसभा चुनाव की हार है? क्या रुख में इस बदलाव की वजह उपमुख्यमंत्री के भाई की हार का सदमा है? क्या सरेंडर की गई गारंटी इसका कारण बनी? महर्षि वाल्मिकी विकास निगम में 187 करोड़ का घोटाला, उससे हुई फजीहत, लूट पर पर्दा डालने की साजिश, भाजपा द्वारा इसे उजागर करना और मंत्री के इस्तीफे की वजह - क्या वह हताशा में ऐसा कर रहे हैं?

40 फीसदी लेने का आरोप साबित करना नामुमकिन

उन्होंने पूछा कि क्या इसके पीछे राहुल गांधी और सुरजेवाला का दबाव था। हमारे खिलाफ झूठे आरोप से जुड़े मामले में सीएम, डीसीएम, राहुल गांधी को कोर्ट में आकर खड़ा होना पड़ा। उनके लिए 40 फीसदी कमीशन लेने का आरोप साबित करना नामुमकिन रहा। उन्हें भी सजा मिलने की संभावना है। शायद इसी कारण उन्होंने येदियुरप्पा से राजनीतिक द्वेष का बदला लेने या उन्हें मानसिक रूप से कमजोर करने के लिए यह साजिश रची है।

अधिकारियों के माध्यम से यह भी जानकारी मिली है कि इस मामले के लिए एक प्रभावशाली मंत्री जिम्मेदार हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि आप राजनीतिक द्वेष से ऐसा करेंगे तो इसका परिणाम आप पर ही पड़ेगा। इससे कोई राजनीतिक लाभ नहीं होगा, बल्कि राजनीतिक नुकसान होगा। गलती हो तो डरना चाहिए। अगर गलत नहीं है तो डर क्यों? दर्शन के मामले में थाने के चारों ओर पर्दा लगाने और धारा 144 लगाने से जनता को परेशानी होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि इससे पुलिस विभाग पर जनता का भरोसा कम हुआ है।

कल्याण कर्नाटक के विकास पर 5,000 करोड़ किए जाएंगे खर्च: सीएम सिद्धरामैया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने सुझाव दिया है कि कल्याण कर्नाटक क्षेत्र में 5,000 करोड़ रुपये की लागत वाली परियोजनाओं को लागू करने के लिए 15 जून तक एक कार्य योजना तैयार की जानी चाहिए। उन्होंने गृह कार्यालय कृष्णा में कल्याण कर्नाटक क्षेत्रीय विकास बोर्ड की प्रगति की समीक्षा की।

चुनावी घोषणापत्र और बजट में प्रति वर्ष 5 हजार करोड़ उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। इस राशि को खर्च करने के लिए उन्होंने 15 जून के अंदर कार्ययोजना तैयार करने का सुझाव दिया। उन्होंने आदेश दिया कि जिन कार्यों के लिए स्वीकृत निविदाएं नहीं बुलाई गई हैं, उनके लिए तत्काल निविदाएं बुलाई जाएं और कार्यों का मूल्यांकन किया जाए। कुल अनुदान 14,228 करोड़ में से 10,342.90 करोड़ खर्च हो चुके हैं। 2885.90 करोड़ बाकी है। उन्होंने कहा कि लंबित कार्यों की नियमित प्रगति समीक्षा की जाए और कार्यान्वयन की बाधाओं को दूर किया जाए। 3528 लंबित कार्यों को जुलाई के अंत तक शुरू किया जाए। यह सुझाव दिया गया कि शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार सृजन पर अधिक जोर दिया जाना चाहिए। स्वास्थ्य क्षेत्र में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की मांग है और बैठक में इस पर जोर देने का निर्णय लिया गया। मुख्यमंत्री ने निर्धारित मापदण्ड के अनुरूप प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों की स्थापना हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। घोषणापत्र में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में 41 महिला डिग्री कॉलेज शुरू करने की घोषणा की गयी है। उन्होंने इसे शुरू करने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का सुझाव दिया। उन्होंने वनीकरण और स्वच्छ पेयजल, जलाशयों की जांच को प्राथमिकता देकर भूजल स्तर बढ़ाने के लिए आवश्यक कदम उठाने और कार्यक्रम बनाने के निर्देश दिए। बैठक में मंत्री डॉ. शरणप्रकाश पाटिल, रहीम खान, ईश्वर खंड्रे, जमीर अहमद खान, शरणबसप्पा दर्शनपुरा, एन.एस. भोसराजू, शिवराज तंगदागी, कल्याण कर्नाटक क्षेत्रीय विकास बोर्ड के अध्यक्ष डी. सुधाकर, अजय सिंह, मुख्यमंत्री के आर्थिक सलाहकार बसवराज रायरेड्डी और अन्य ने भाग लिया।

रक्तदान को लेकर जागरूकता रैली में हुए शामिल

रक्तदान कई लोगों के जीवन में ला सकता है बदलाव: दिनेश गुंडूराव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विश्व रक्तदाता दिवस के हिस्से के रूप में, स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडूराव ने शुक्रवार को शहर के विधान सौधा से कांतिरवा स्टेडियम तक रक्तदान पर जागरूकता मार्च में हिस्सा लिया। मंत्री दिनेश गुंडूराव ने कहा कि किसी की जान बचाने के लिए आपको डॉक्टर होने की जरूरत नहीं है। रक्तदान करने से किसी की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि रक्तदान कई लोगों के जीवन में बदलाव ला सकता है। देश में रक्त की मांग को ध्यान में रखते हुए हम सभी को रक्तदान के लिए आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि अधिक रक्तदान की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग और कर्नाटक राज्य एड्स रोकथाम सोसायटी द्वारा आयोजित इस तरह के जत्था कार्यक्रम लोगों में रक्तदान के बारे में अधिक जागरूकता पैदा करने के लिए अच्छे हैं। विश्व रक्तदाता दिवस 2004 से हर साल 14 जून को दुनिया भर में मनाया जाता है। हर साल की तरह इस साल भी रक्तदान के महत्व के बारे में जनता को जागरूक करने के लिए राज्य स्तर पर जत्थों के माध्यम से विश्व रक्तदाता दिवस मनाया गया। समय पर रक्त मिलने से जान बचाई जा सकती है। इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग और केएसएपीएस संगठन द्वारा बिना किसी प्रतिदान के स्वेच्छा से रक्तदान करने वाले दाताओं को सम्मानित करने और दूसरों को रक्तदान करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए एक जत्था का आयोजन किया गया, जिसमें शामिल हजारों स्वयंसेवकों ने रक्तदान करने की शपथ ली।

विधानसभा अध्यक्ष यू टी खादर ने मेंगलूरु निर्वाचन क्षेत्र के लिए नई परियोजनाओं की घोषणा की

70 लाख लीटर की पानी की टंकी भी स्थापित

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक विधानसभा के अध्यक्ष यू टी खादर ने मेंगलूरु (उल्लाल) निर्वाचन क्षेत्र में पेयजल सुविधाओं, विद्युतीकरण और सड़क विस्तार पर केंद्रित नई परियोजनाओं पर चर्चा की। सर्किट हाउस में शुक्रवार को मीडिया को संबोधित करते हुए खादर ने कहा चुनावों के दौरान, मैंने लोगों से वादा किया था कि मेरी प्राथमिकता उल्लाल निर्वाचन क्षेत्र में सभी के लिए पेयजल सुविधाएं उपलब्ध कराना होगी। पानी मानव जीवन के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन है, और इस मुद्दे को संबोधित किया जाना चाहिए, चाहे सत्ता में कोई भी हो। पहले, हमें थुम्बे बांध से पानी लाना पड़ता था और बाद में पाइपलाइनें जोड़ी गईं, लेकिन ये पाइपलाइनें अपर्याप्त थीं। इसलिए, हमने साजिपा और कोनाजे की सेवा के लिए एक अलग जल स्रोत की योजना बनाई। इस कार्य का पहला चरण पूरा हो चुका है, और हमने 70 लाख लीटर की पानी की टंकी भी स्थापित की है। इस कार्य को पूरा करने के लिए, हमें आवश्यक धनराशि मिल गई है। अभी तक हमने 249 करोड़ रुपये निवेश करने की योजना बनाई है।

कोनाजे से मुदिपु तक पाइपलाइन कनेक्शन के लिए हमने 180 करोड़ रुपये निवेश किए हैं और उल्लाल, कोटेकर और सोमेश्वर के लिए 193 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इसके अलावा, थोकोट्टू से मुदिपु तक की सड़कों को अनुदान मिला है और हम 25 करोड़ रुपये की लागत से छह लेन का मार्ग बनाएंगे। यह काम जल्द से जल्द शुरू होगा। अन्य आपातकालीन उद्देश्यों के लिए कुल 50 करोड़ रुपये अलग रखे गए हैं। बिजली के संबंध में, हमने कई उपखंड बनाए हैं। जब लोड अधिक होगा, तो हम वैकल्पिक विकल्पों की तलाश करेंगे। 33 केवी उपखंडों को 110 केवी उपखंडों में मिला दिया जाएगा। हम बहुत जल्द अब्बाका भवन और ब्यारी भवन का निर्माण भी करेंगे। बाढ़-ग्रस्त क्षेत्रों में समस्याओं के समाधान के बारे में खादर ने कहा समुद्र हर क्षेत्र में अलग-अलग होता है, जिससे संरचनाओं का निर्माण करना आसान होता है, लेकिन उनका रखरखाव करना मुश्किल होता है। हमें हमेशा रखरखाव को ध्यान में रखते हुए योजना बनानी चाहिए। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि रखरखाव के लिए हर दो साल में कम से कम एक बार धन उपलब्ध कराया जाए।

मेंगलूरु में लहरें अप्रत्याशित

मेंगलूरु में लहरें अप्रत्याशित हैं, और यहां तक कि मुंबई के मरीन ड्राइव को भी लहरों को रोकने के लिए पत्थर लगाकर सालाना रखरखाव की आवश्यकता होती है। बाढ़ राहत निधि के बारे में पूछे जाने पर खादर ने कहा खतरनाक क्षेत्रों का निरीक्षण किया जाना चाहिए, और लोगों को तुरंत स्थानांतरित किया जाना चाहिए। हालांकि, मेंगलूरु में कोई खतरा क्षेत्र नहीं है, और समुद्री लहरें बहुत अप्रत्याशित हैं, जिससे कोई फर्क नहीं पड़ता। आपातकालीन निधि जिला आयुक्त के पास है, जिन्हें बंदरगाह विभाग के साथ सहयोग करना चाहिए। वे अक्सर लोगों की मदद करने के बजाय कानूनी पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जिससे सभी के लिए समस्याएँ पैदा होती हैं।

येदियुरप्पा की गिरफ्तारी वारंट के मुद्दे पर नहीं किया जा रहा राजनीति: एमबी पाटिल

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के उद्योग मंत्री एमबी पाटिल ने कहा कि पॉक्सो मामला बेहद संवेदनशील और गंभीर है और केंद्र सरकार द्वारा लागू कानून में कोई राजनीति शामिल नहीं है। शहर में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अगर किसी नाबालिग लड़की के साथ कोई अप्रिय घटना होती है तो यह पॉक्सो एक्ट के दायरे में आएगा। इसमें कोई भी सरकार या पार्टी हस्तक्षेप नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि पुलिस अपनी जांच करेगी।

मुझे पता है कि जब चित्रदुर्ग मुरुगशरण को पॉक्सो अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया था तो क्या हुआ था। इसलिए कोर्ट ने पॉक्सो एक्ट के तहत गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। कोर्ट के निर्देश पर पुलिस ने शिकायत दर्ज कर ली है।

उन्होंने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है। अभिनेता दर्शन की गिरफ्तारी के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि दर्शन आरोपी हैं। मंत्री केएन राजन्ना के तीन उपमुख्यमंत्री बनाये जाने के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि यह पार्टी का आंतरिक मामला है और इस पर पार्टी मंच पर चर्चा की जायेगी। उन्होंने इस बात पर भी बात की कि क्या राज्य सरकार को उखाड़ फेंकना चाहिए और कहा कि पहले उन्हें महाराष्ट्र सरकार को बचाना चाहिए। एमबी पाटिल ने कहा कि हम बड़े उद्योग मंत्री हैं और कुछ मांगें जल्द ही प्रस्तुत की जाएंगी।

कांग्रेस किसी के खिलाफ नफरत की राजनीति नहीं करती: शिवकुमार

कब्बन पार्क में आयोजित पर्यावरण दिवस कार्यक्रम में हुए शामिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केपीसीसी अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शुक्रवार को पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस किसी के खिलाफ नफरत की राजनीति नहीं करती। भाजपा ने नफरत की राजनीति के कारण हमारे खिलाफ मामला दर्ज किया है और हमें अदालत में जाने के लिए मजबूर किया है। बीबीएमपी द्वारा कब्बन पार्क में आयोजित पर्यावरण दिवस कार्यक्रम में उन्होंने कहा अगर मैं नफरत की राजनीति के बारे में बात करना शुरू कर दूं तो यह हर जगह जाएगी। मैं इसका दर्द जानता हूं। उन्होंने कहा कि मैंने अनुभव किया है। भाजपा नफरत की राजनीति कर रही है। पिछली सरकार के भ्रष्टाचार का विज्ञापन करने के लिए हमारे खिलाफ मुकदमा दायर किया गया।

हम इसका सामना करेंगे। लेकिन क्या राहुल गांधी को बीच में लाना सही था। क्या बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र के पास सामान्य ज्ञान नहीं था? उनकी पार्टी के एमएलसी ने क्यों दर्ज कराया केस? कांग्रेस नफरत की राजनीति नहीं करती। राहुल गांधी की अपनी समस्याएं हैं। उन्हें येदियुरप्पा के मामले में अपनी नाक घुस-ाने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नफरत पैदा करने की ओछी राजनीति नहीं करेगी, मैं 2028 में होने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी को दोबारा सत्ता में लाऊंगा। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों ने कहा कि वे इसके लिए दिन-रात काम करेंगे। हमारे वैश्विक होने के लिए समाज की राय महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि गुरुवार रात ओक्कालिगा नेताओं की बैठक में लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी के पिछड़ने और वोटिंग का ऐसा हाल क्यों हुआ, इस पर बड़ी चर्चा हुई। कांग्रेस पार्टी हार गई है। हम हार स्वीकार करते हैं। राजनीति में हार-जीत सामान्य बात है। चेलुवरायस्वामी, बालकृष्ण, बंदी सिद्दाना गौड़ा और कई अन्य लोग 50 हजार वोटों के अंतर से हार गए थे। इसके बाद उन्होंने चुनाव जीत लिया। लोकतंत्र में ये सब सामान्य बात है। छह माह में स्थिति बदल रही है। लोगों की भावनाएँ, कार्य गतिविधियाँ बदल जाती हैं। कुछ भी स्थायी नहीं है। इससे पहले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को एक सीट से जीत मिली थी। अब हम 9 सीटें जीत चुके हैं। चार या पांच और निर्वाचन क्षेत्रों में जीत की उम्मीद थी। लेकिन एक झटका लगा है। कार्यकर्ताओं को चिंता करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार सत्ता में आएगी।

राज्य के लोगों की समस्या का समाधान होना चाहिए, राजनीति नहीं: कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि राज्य के लोगों की समस्या का समाधान होना चाहिए, राजनीति नहीं। केंद्रीय मंत्री बनने के बाद पहली बार पहुंचे कुमारस्वामी का सदरहल्ली गेट के पास जेडीएस पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अभिनंदन किया। उन्होंने बधाई स्वीकार करते हुए कहा कि वह कृषि मंत्री के रूप में काम करना चाहते थे, लेकिन उद्योग मंत्री का पद मिला। नरेंद्र मोदी ने दो बड़े विभागों का प्रभार सौंपा है। मैं युवाओं के लिए रोजगार पैदा करूंगा। उन्होंने कहा कि हम सभी विभागों में अपने राज्य की समस्याओं का समाधान खोजने का काम करेंगे। जिन लोगों ने अहंकारपूर्वक कहा था कि जेडीएस की राजनीति खत्म हो रही है, उन्हें जवाब मिल गया है।

हालांकि उन्होंने कहा कि मैं राजनीति नहीं बल्कि राज्य की जनता की समस्याओं का समाधान चाहता हूं। हर कोई जानता है कि लोकसभा चुनाव के दौरान राज्य की राजनीति कैसी रही। मैं सब कुछ ठीक करने पर काम करूंगा। उन्होंने कहा कि वह किसानों की खेती को नुकसान पहुंचाए बिना फैक्ट्रियों को चलवाएंगे। मैं चार दिन दिल्ली में काम करूंगा। दो दिनों तक कर्नाटक में रहूंगा। उन्होंने कहा कि वह मांड्या में रहेंगे। केंद्रीय मंत्री बनने के बाद मैं अपनी कर्मभूमि पर आया हूं। उन्होंने कहा कि वह चुनाव जीतने के लिए भाजपा और जेडीएस कार्यकर्ताओं, खासकर रामनगर और मांड्या जिले के लोगों को बधाई देते हैं। इस अवसर पर जेडीएस कोर कमेटी के अध्यक्ष जीटी देवेगौड़ा, जेडीएस युवा इकाई के अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी, पूर्व विधायक निसर्ग नारायणस्वामी, रमेश गौड़ा, बेंगलूरु ग्रामीण जिला जेडीएस अध्यक्ष बी मुनेगौड़ा और अन्य उपस्थित थे।

चुनाव में हार की हताशा में येदियुरप्पा के खिलाफ साजिश: भाजपा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रदेश भाजपा इकाई ने आरोप लगाया है कि चुनाव में करारी हार से बौखलाए कांग्रेस नेता भाजपा के खिलाफ एक के बाद एक साजिश रचने में लगे हुए हैं। इस संबंध में भाजपा ने अपने एक्स अकाउंट में लिखते हुए शिकायत की है कि उनकी पार्टी के खिलाफ दुष्प्रचार करने वाले राहुल गांधी को कोर्ट में लाने के लिए नफरत की राजनीति करने वाली कांग्रेस सरकार उन्हें गिरफ्तार करना चाह रही है। महर्षि वाल्मिकी विकास निगम के भ्रष्टाचार मामले में मंत्री बी नागेंद्र और खुद सरकार पर आरोप लगे हैं और भ्रष्टाचार मामले की दिशा भटकाने के इरादे से येदियुरप्पा को बदनाम करने की साजिश रची जा रही है। यह सर्वविदित है कि गृह मंत्री डॉ. परमेश्वर ने स्वयं शिकायतकर्ता के मानसिक बीमारी की बात स्वीकार की थी और कहा था कि शिकायत दुर्भावनापूर्वक की गई थी। इस मामले में कोई दम नहीं था। यह विडम्बना है कि 3 महीने बाद यह मामला फिर से ताजा होने जा रहा है। केस दर्ज होने के 3 महीने बाद अचानक उन्हें गिरफ्तार करने की साजिश क्यों रची जा रही है? अगर कांग्रेस के दिल्ली नेताओं की घिनौनी नफरत राजनीति में बदल गई और येदियुरप्पा को बदनाम करने में लग गई तो इसमें कोई शक नहीं कि कर्नाटक में कांग्रेस का सफाया हो जाएगा।

वन विभाग येत्तिनाहोले परियोजना के लिए 500 एकड़ भूमि उपलब्ध कराएगा: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि वन विभाग 500 एकड़ भूमि सौंपने के लिए सहमत हो गया है, जिसके कारण महत्वाकांक्षी येत्तिनाहोले एकीकृत पेयजल आपूर्ति परियोजना के कार्यान्वयन में बाधा आ रही थी। इस परियोजना का उद्देश्य राज्य के चिक्कबल्लापुर, कोलार और हासन, चित्रदुर्ग, तुमकुरु, रामनगर और बेंगलूरु ग्रामीण जिलों के अन्य जरूरतमंद क्षेत्रों में पेयजल की गंभीर समस्या को कम करना है। उपमुख्यमंत्री शिवकुमार, जो सिंचाई मंत्री भी हैं, ने राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा, वन मंत्री ईश्वर खंड्रे, नई दिल्ली में कर्नाटक के विशेष प्रतिनिधि टी.बी. जयचंद्र और विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए यह बात कही। हमने वन मंत्री खंड्रे, जयचंद्र और संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ येत्तिनाहोले और अपर भद्रा परियोजनाओं में तेजी लाने पर चर्चा की है। वन विभाग येत्तिनाहोले परियोजना के लिए आवश्यक 500 एकड़ भूमि उपलब्ध करा रहा है। बदले में राजस्व विभाग 500 एकड़ भूमि वन विभाग को सौंप देगा। यह प्रक्रिया कानूनी ढांचे के भीतर पूरी की जाएगी। अधिकारियों ने इन परियोजनाओं के लिए बाधाओं की पहचान की है और बैठक के दौरान समाधान पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा 250 किलोमीटर तक फैले 20 स्थानों पर वन विभाग से संबंधित मुद्दे थे। वन अधिकारियों से मंजूरी की आवश्यकता थी, और इसलिए संबंधित मंत्रियों के साथ बैठक की गई। राजस्व, सिंचाई और वन विभाग संयुक्त सर्वेक्षण कर रहे हैं और काम में तेजी लाने का अनुरोध किया गया है। उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने कहा कि किसानों को बकाया 41 करोड़ रुपये का भुगतान किया जाना है।

केंद्रीय मंत्री वी. सोमन्ना ने सिद्धगंगा मठ का किया दौरा

तुमकुरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय मंत्री बनने के बाद सोमन्ना ने शुक्रवार सुबह सबसे पहले सिद्धगंगा मठ का दौरा किया और अपने आराध्य देव डॉ. शिवकुमार स्वामीजी की पूजा की और मठाधीश श्री सिद्धलिंग स्वामी का आशीर्वाद प्राप्त किया। फिर एलेरामपुरा मठ, सिद्दराबेट्टा मठ, बेलावी करादेश्वर मठ, गोडेकेरे मठ, टिपतुर मठ, रंगपुर मठ, नॉनविनाकेरे मठ गए और वहां भगवान का आशीर्वाद लिया।

इस मौके पर पूर्व सांसद जीएस बसवराजू, विधायक ज्योतिगणेश, भाजपा जिला अध्यक्ष रविशंकर, जिला जेडीएस अध्यक्ष आरसी अंजनप्पा, कार्यकारी अध्यक्ष टीआर नागराजू, जिला भाजपा महासचिव संदीप गौड़ा, उपाध्यक्ष नागरत्नम्मा, अनीता, सचिव केम्पेगौड़ा, ज्योति थिप्पेस्वामी, जेडीएस के विजय गौड़ा, प्रवक्ता मधु, जिला भाजपा मीडिया नेता जे.जगदीश उपस्थित थे। शहर के बाविकाटे कल्याण मंडप में रविवार को आयोजित होने वाले एक समारोह में मंत्री सोमन्ना शामिल होंगे और मतदाताओं और भाजपा, जेडीएस के नेताओं और कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देंगे।

वहीं, भाजपा और जेडीएस की ओर से वी. सोमन्ना का अभिनंदन किया जाएगा। कार्यक्रम के लिए मुन्ना नगर के एसआईटी बैक गेट से भव्य जुलूस निकाला जाएगा। मंत्री के स्वागत की तैयारी की जा रही है।

बेलगावी सांबरा हवाई अड्डे के विकास कार्यों का शेट्टर ने लिया जायजा

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। बेलगावी के नए सांसद जगदीश शेट्टर ने बेलगावी के सांबरा हवाई अड्डे का दौरा किया और हवाई अड्डे के विकास कार्यों के बारे में अधिकारियों से परामर्श किया। उन्होंने कहा कि वह बेलगावी एविएशन अथॉरिटी के विकास को लेकर राज्य और केंद्र सरकार से लंबित विकास कार्यों पर संबंधित विभाग के अधिकारियों से चर्चा करेंगे। उन्होंने 322 करोड़ रुपये के अनुदान से बन रहे घरेलू टर्मिनल-2 विकास कार्य स्थलों का दौरा किया और अधिकारियों से परियोजनाओं के बारे में जानकारी ली। इस मौके पर एयरपोर्ट निदेशक एस. त्यागराजन, डीजीएम पीएस देसाई और अन्य अधिकारी उप-स्थित थे। इससे पहले शेट्टर ने गुरुवार को कहा था कि लोकसभा चुनावों में अपने खराब प्रदर्शन के कारण कांग्रेस सरकार गारंटी योजनाओं को बंद कर सकती है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा लोकसभा चुनावों में अपने खराब अनुभव के कारण कांग्रेस नेताओं ने गारंटी को दोष देना शुरू कर दिया है और उनके खिलाफ अभियान चला रहे हैं। अधिकांश कांग्रेस नेता मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को सभी गारंटी योजनाओं को बंद करने के लिए मजबूर करेंगे। मुझे इस बात का पूरा भरोसा है। शेट्टर ने कहा कांग्रेस नेताओं ने सोचा था कि गारंटी योजनाओं के कारण वे आसानी से ये चुनाव जीत जाएंगे। वे भूल गए कि ये लोकसभा चुनाव हैं जो राष्ट्रवाद, सुरक्षा और देशभक्ति जैसे राष्ट्रीय मुद्दों पर लड़े जाते हैं। इससे कांग्रेस अति आत्मविश्वास में आ गई। इस देश के लोगों ने दिखा दिया है कि वे लोकसभा चुनावों के लिए अलग तरह से सोचते हैं। लोगों ने कांग्रेस को वास्तविकता का एहसास करा दिया है।

हार को पचा नहीं पा रही कांग्रेस, येदियुरप्पा को बना रही निशाना: प्रहलाद जोशी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रहलाद जोशी ने शुक्रवार को कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वह पूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा को इसलिए निशाना बना रही है, क्योंकि पार्टी लोकसभा चुनाव में हार को पचा नहीं पा रही है। सोशल मीडिया पर मंत्री जोशी ने दावा किया कि राज्य सरकार अपने कुशासन को छिपाने के लिए 81 वर्षीय पूर्व सीएम के खिलाफ झूठा मामला दर्ज करवाकर उनके खिलाफ साजिश कर रही है। जोशी ने कहा कांग्रेस पार्टी हाल ही में हुए आम चुनाव में हार गई। हार को स्वीकार न कर पाने के कारण वह अपनी मर्जी के मुताबिक प्रशासन का इस्तेमाल कर रही है। जोशी ने कहा, चार महीने पहले जब येदियुरप्पा के खिलाफ पॉक्सो मामला दर्ज किया गया था, तब गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा था कि शिकायतकर्ता ने दुर्भावनापूर्ण इरादे से मामला दर्ज करवाया था। हालांकि, चुनाव के बाद कांग्रेस नेताओं ने नया नाटक शुरू कर दिया है। जोशी ने आगे कहा कि गृह मंत्री परमेश्वर ने खुद उल्लेख किया है कि शिकायत दर्ज कराने वाली महिला ने विभिन्न आईएएस, आईपीएस अधिकारियों और राजनेताओं के खिलाफ 60 से अधिक मामले दर्ज कराए हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा अब, अपने कुशासन को छिपाने के एकमात्र इरादे से येदियुरप्पा को निशाना बनाया जा रहा है। येदियुरप्पा को झूठे मामले में घसीटना प्रतिशोध की राजनीति है। वे इस कृत्य से सबक सीखेंगे।

नियमों का उल्लंघन करने वाले नर्सिंग कॉलेजों को करें सील

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के चिकित्सा शिक्षा, कौशल विकास और आजीविका मंत्री डॉ शरण प्रकाश पाटिल ने अपने विभाग के अधिकारियों को निरीक्षण करने और उन नर्सिंग कॉलेजों को सील करने के कड़े निर्देश जारी किए जो सरकार से सभी सुविधाएं प्राप्त करने के बाद छात्रों को बुनियादी ढांचागत सुविधाएं प्रदान करने में विफल रहे हैं। विकास सौधा में नर्सिंग कॉलेज प्रबंधन के सदस्यों और चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की अध्यक्षता करते हुए मंत्री ने कहा कि उन्हें कई नर्सिंग कॉलेजों में बुनियादी सुविधाओं की कमी को लेकर कई शिकायतें मिली हैं। उन्होंने बैठक में मौजूद चिकित्सा शिक्षा निदेशक डॉ सुजाता राठौर को उन कॉलेजों का निरीक्षण करने और उन्हें सील करने का निर्देश दिया। निजी कॉलेजों के प्रबंधन के प्रति अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए डॉ पाटिल ने कहा कि सरकार ने निजी कॉलेजों के प्रबंधन के साथ नरमी से काम लिया। मंत्री ने सवाल उठाते हुए कहा कुछ को छोड़कर, ज्यादातर कॉलेजों में सुविधाओं की कमी है, जैसे अपर्याप्त शिक्षण और गैर-शिक्षण स्टाफ, लाइब्रेरी और प्रयोगशाला सुविधाओं की कमी, स्वच्छता और अन्य मुद्दे।

येदियुरप्पा की गिरफ्तारी के लिए सीआईडी पुलिस ने अपनी तलाश तेज की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। नाबालिग लड़की से यौन उत्पीड़न के मामले में पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा की गिरफ्तारी के लिए सीआईडी पुलिस ने अपनी तलाश तेज कर दी है और शुक्रवार को शिवमोग्गा और बेंगलूरु समेत कई जगहों पर येदियुरप्पा की तलाश की। येदियुरप्पा के दिल्ली में होने की पृष्ठभूमि पर सीआईडी अधिकारियों की एक टीम ने गुरुवार को कर्नाटक भवन, बीएसवाई के बेटे सांसद बी.वाई.राघवेंद्र के घर सहित कई स्थानों पर तलाशी ली, लेकिन येदियुरप्पा नहीं मिले। उनकी तलाश में जुटी सीआईडी टीम ने शिवमोग्गा सांसद के आवास, येदियुरप्पा के आवास और कार्यालय समेत कई जगहों पर तलाशी ली, लेकिन वह नहीं मिले। गिरफ्तारी के लिए जाल बिछाकर बेंगलूरु के सदाशिव नगर स्थित एक घर और दफ्तर की भी तलाशी ली गई है। लेकिन अभी तक येदियुरप्पा का पता नहीं चल सका है और उन्होंने हाई कोर्ट में न सिर्फ केस रद्द करने की मांग को लेकर अर्जी दाखिल की है, बल्कि अग्रिम जमानत देने की भी याचिका दायर की है। अगर येदियुरप्पा को अग्रिम जमानत मिलती है तो वह हिरासत से रिहा हो जायेंगे।

नीट-यूजी विवाद पर हाई कोर्ट में दायर याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट स्थानांतरित

नई दिल्ली, 14 जून (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने पांच मई को आयोजित की गई राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट यूजी), 2024 से संबंधित विवाद को लेकर विभिन्न उच्च न्यायालयों में लंबित याचिकाओं की जांच के लिए उन्हें अपने पास स्थानांतरित करने का शुक्रवार को फैसला किया।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की अवकाशकालीन पीठ ने परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की याचिका पर यह फैसला किया। पीठ ने परीक्षा में नकल समेत अन्य आरोपों से घिरे एनटीए के खिलाफ उच्च न्यायालयों में संबंधित याचिकाएं दायर करने वालों को नोटिस जारी करते हुए कहा कि वह उन याचिकाओं पर आठ जुलाई को सुनवाई करेगी।

एनटीए के खिलाफ दिल्ली, कलकत्ता, छत्तीसगढ़ और अन्य उच्च न्यायालयों में याचिकाएं दायर की गई थीं। शीर्ष अदालत में याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश कई अधिवक्ताओं ने बिहार में परीक्षा के दौरान प्रश्न पत्र सार्वजनिक होने का मुद्दा उठाते हुए नामांकन से संबंधित छह जुलाई से शुरू होने वाली काउंसलिंग को निलंबित करने का निर्देश देने की गुहार लगाई। इस पर शीर्ष अदालत ने कहा कि उसने पहले भी इस तरह के अनुरोध को खारिज कर दिया था।

पीठ ने सुनवाई के दौरान एनटीए को उन याचिकाओं में उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने की अनुमति दी, जिनमें शीर्ष अदालत के 13 जून के आदेश के साथ उन 1563 विद्यार्थियों के लिए एक नई परीक्षा को मंजूरी देने के साथ अनुग्रह या क्षतिपूर्ति अंक देने पर सवाल उठाया गया था। उनके अधिवक्ताओं ने दलील दी कि एनटीए ने महत्वपूर्ण तथ्यों को छिपाकर गुरुवार को शीर्ष अदालत का आदेश हासिल किया था। नीट में शामिल कई विद्यार्थियों ने अंकों में बढ़ोतरी का आरोप लगाया है, जिसके कारण रिकॉर्ड 67 उम्मीदवारों ने शीर्ष रैंक हासिल की है। इनमें एक ही परीक्षा केंद्र के छह उम्मीदवार शामिल हैं।

शीर्ष अदालत के समक्ष राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने किसी भी अनियमितता से इनकार किया और कहा कि एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकों में किए गए बदलाव और परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों के समय बर्बाद होने के बदले क्षतिपूर्ति अंक छात्रों के उच्च अंक प्राप्त करने की वजह हैं। शीर्ष अदालत ने देर से प्रश्नपत्र मिलने के बदले अतिरिक्त अंक (ग्रेस मार्क्स) पाने वाले 1563 विद्यार्थियों को 23 जून को दोबारा परीक्षा देने का विकल्प देने के केंद्र सरकार के प्रस्ताव को 13 जून को मंजूर किया था। पीठ ने शिक्षक अलख पांडे और अन्य की याचिकाओं पर पुनः परीक्षा कराने के फैसले से संबंधी केंद्र सरकार के हलफनामे पर विचार के बाद यह अनुमति दी थी।

शीर्ष अदालत के समक्ष एनटीए ने यह भी कहा था कि क्षतिपूर्ति अंक पाने वाले 1563 विद्यार्थियों में जो दोबारा परीक्षा में शामिल होने का विकल्प अपनाएंगे, उन्हें इस परीक्षा में प्राप्त अंक वाले अंक पत्र जारी किए जाएंगे। इसके साथ ही यह भी कहा था कि क्षतिपूर्ति अंक पाने वाले जो विद्यार्थी निर्धारित तारीख पर दोबारा होने वाली परीक्षा में शामिल नहीं होंगे, उन्हें पहले दिए गए 'क्षतिपूर्ति अंक' काटकर अंक पत्र जारी किए जाएंगे। इस प्रकार से नयी रैंकिंग के साथ परीक्षा परिणाम जारी किए जाएंगे। न्यायमूर्ति नाथ की अध्यक्षता वाली पीठ ने 13 जून को एनटीए की दलीलों पर विचार के बाद दोबारा परीक्षा आयोजित करके परिणाम घोषित करने की अनुमति दी थी, लेकिन स्पष्ट किया कि नामांकन से संबंधित काउंसलिंग प्रक्रिया जारी रहेगी। शीर्ष अदालत के समक्ष एनटीए ने कहा कि केवल 1563 उम्मीदवारों के लिए पुनः परीक्षा 23 जून और परिणाम 30 जून 2024 को घोषित किए जाएंगे। परिणाम के बाद काउंसलिंग छह जुलाई से शुरू की जाएगी। शीर्ष अदालत ने यह भी स्पष्ट किया था कि परीक्षा में नकल की शिकायतों से संबंधी याचिकाओं पर आठ जुलाई को सुनवाई की जाएगी। अवकाशकालीन पीठ ने पांच मई को आयोजित नीट में कदाचार के कारण पुन: परीक्षा की मांग करने वाली अन्य याचिकाओं पर एनटीए को नोटिस जारी किया था।

सिन्हा ने माता खीर भवानी मंदिर में यात्री भवन का किया शिलान्यास

श्रीनगर, 14 जून (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने ज्येष्ठ अष्टमी के पावन अवसर पर गंदेरबल के तुलमुल्ला स्थित माता खीर भवानी मंदिर में यात्री भवन का शिलान्यास किया।

श्री सिन्हा ने माता खीर भवानी के दर्शन किए और सभी के लिए शांति, समृद्धि, खुशी तथा कल्याण की प्रार्थना की। उन्होंने श्रद्धालुओं से बातचीत की और पावन अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

श्री सिन्हा ने मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए माता खीर भवानी के भक्तों के लिए सुविधाओं को बढ़ाने के लिए यूटी प्रशासन की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि 3.85 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यात्री भवन आरामदायक आवास और स्वच्छता सुविधाएं प्रदान करके तीर्थयात्रा के अनुभव को बढ़ाएगा। उन्होंने कहा कि हम अगले आठ महीनों में भवन पूरा होने की उम्मीद कर रहे हैं और इसमें 1000 तीर्थयात्रियों के ठहरने की व्यवस्था होगी।

उपराज्यपाल ने मेले के सुचारू संचालन के लिए जिला प्रशासन, राहत आयुक्त कार्यालय, पुलिस और सुरक्षा बलों और सभी हितधारकों के प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि इस साल 30,000 से अधिक भक्तों ने मेला खीर भवानी में पूजा-अर्चना की। श्री सिन्हा ने कहा कि जम्मू से लगभग 200 बसें आ चुकी हैं और प्रशासन और नागरिकों ने भक्तों के लिए सर्वोत्तम संभव सुविधाएं सुनिश्चित की हैं। गंदेरबल के तुलमुल्ला में पवित्र मंदिर की अपनी यात्रा के दौरान उपराज्यपाल ने कश्मीरी पंडित समुदाय के सदस्यों के साथ भी बातचीत की और विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। इस अवसर पर कश्मीर के संभागीय आयुक्त श्री विजय कुमार बिधूड़ी, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के सचिव डॉ. शाहिद इकबाल चौधरी, गंदेरबल के उपायुक्त श्री श्यामबीर, नागरिक एवं पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी तथा बड़ी संख्या में तीर्थयात्री उपस्थित थे।

संस्कृत भारतीय संस्कृति की आत्मा है: प्रो. लाल

जम्मू, 14 जून (एजेंसियां)। क्लस्टर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बेचन लाल ने शुक्रवार को छोटे बच्चों को संस्कृत भाषा सीखाने की वकालत करते हुए कहा कि संस्कृत केवल एक भाषा ही नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा है।

प्रो. लाल ने कहा कि अभिभावकों को अपने बच्चों को संस्कृत अनिवार्य रूप से पढ़ाने की जरूरत है। जम्मू विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर श्री काश्मी विद्वत परिषद के सहयोग से एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसके उद्घाटन सत्र के दौरान विभागाध्यक्ष प्रोफेसर राम बहादुर शुक्ला ने प्रो. लाल की मौजूदगी में परिसर में रुद्राक्ष का पौधा लगाया। सारस्वत अतिथि के रूप में उपस्थित जेकेबीओएसई के चेयरमैन प्रोफेसर परीक्षित सिंह मन्हास ने कहा कि संस्कृत भाषा राज्य की सबसे प्राचीन भाषा है। इसके ज्ञान का महत्व बच्चों को पढ़ाई में सकारात्मक दिशा देता है।

वहीं, इस दौरान श्री काशी विद्वत परिषद के अध्यक्ष पद्मश्री प्रोफेसर विश्वमूर्ति शास्त्री ने राज्य में संस्कृत की स्थिति पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, ''हमारा राज्य संस्कृत भाषा के साथ-साथ ज्ञान और विज्ञान का केंद्र था, लेकिन आज यहां की स्थिति निराशाजनक है।'' कला संकाय अध्यक्ष प्रो. सुचेता पठानिया ने कहा कि संस्कृत के उत्थान के लिए समाज को एकजुट होकर काम करना होगा और भारतीय संस्कृति को संरक्षित करना होगा। दूसरे सत्र में जम्मू के नोडल प्रिंसिपल एसपी सारस्वत ने कहा कि भारतीय परंपरा का ज्ञान संस्कृत में निहित है। उन्होंने कहा कि भारतीयों को जापान, भूटान, तिब्बत जैसे देशों से परंपरा को संरक्षित करने का सबक सीखने की जरूरत है। कार्यक्रम में कॉलेज के 54 प्रोफेसरों के साथ-साथ 100 शोधार्थियों ने भाग लिया।

मृतकों के शव लेकर कुवैत से भारत पहुंचा विशेष विमान, आग ने ले ली थी 45 भारतीयों की जान

कोच्चि, 14 जून (एजेंसियां)। कुवैत की एक बहुमंजिला इमारत में दो दिन पहले हुए अग्निकांड में जान गंवाने वाले कुल 45 भारतीयों में से 31 लोग दक्षिणी राज्यों से थे और उनके शवों को शुक्रवार को सुबह विमान से कोच्चि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लाया गया। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन सहित केंद्रीय और राज्य मंत्रियों ने यहां मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। कुवैत अग्निकांड में मारे गए भारतीयों के शव लेकर वहां से आया भारतीय वायुसेना का एक विमान शुक्रवार को करीब 10.30 बजे यहां अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा। भारतीय वायुसेना के सी-130जे परिवहन विमान से लाए गए 45 में से 31 भारतीयों के शवों को यहां उतारा गया। इसके बाद विमान अन्य भारतीयों के शवों को लेकर दिल्ली रवाना हो गया। अधिकारियों ने बताया कि कुवैत अग्निकांड में मारे गए दक्षिण राज्यों के

31 लोगों में केरल के 23, तमिलनाडु के सात और कर्नाटक का एक व्यक्ति शामिल है।

मुख्यमंत्री विजयन ने यहां हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से कहा कि प्रवासी भारतीय केरल की जीवन रेखा हैं और अग्निकांड में इतनी बड़ी संख्या में भारतीय प्रवासियों की मौत देश के लिए एक बड़ी आपदा के समान है। उन्होंने कहा कि यह घटना प्रवासी समुदाय के लिए भी बहुत बड़ी आपदा है। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कहा, यह मृतकों के परिजनों के लिए कभी पूरी न होने वाली क्षति है। कुवैत सरकार ने इस हादसे के बाद प्रभावी कार्रवाई की और भारत सरकार ने भी अच्छे तरीके से सहयोग किया। उन्होंने कहा, 'ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए उचित कदम उठाने की जरुरत है और मैं आशा करता हूं कि कुवैत सरकार इसके लिए अपेक्षित कार्रवाई करेगी। मुख्यमंत्री ने यह उम्मीद भी जताई कि कुवैत सरकार मृतकों के परिजनों को समुचित मुआवजा प्रदान करने का निर्णय लेगी। उन्होंने कहा, भारत सरकार को इसके लिए कुवैत सरकार से संपर्क कर कार्रवाई में तेजी लानी चाहिए क्योंकि वहां जिन लोगों की जान गई है वह वहां आजीविका कमाने गए थे। शोक संतप्त परिवारों को किसी भी तरह की मदद पर्याप्त नहीं हो सकती।

पर्यटन एवं पेट्रोलियम राज्य मंत्री सुरेश गोपी भी मृतकों को श्रद्धांजलि देने के लिए कोच्चि हवाई अड्डे पर मौजूद थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि विदेश में काम करते समय प्रवासियों द्वारा की गई कड़ी मेहनत के कारण राज्य और केंद्र द्वारा उनका बहुत सम्मान किया जाता है। उन्होंने कहा, यह त्रासदी बहुत दुखद है। मुख्यमंत्री विजयन ने मृतकों के ताबूतों पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। वहीं, सुरेश गोपी ने लाल गुलाब अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मृतकों के शवों को लाने वाले भारतीय वायुसेना के विमान में आए विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह और तमिलनाडु के अल्पसंख्यक कल्याण और अनिवासी तमिल कल्याण मंत्री के एस मस्थान ने भी मृतकों को श्रद्धांजलि दी। पुलिस ने मृतकों को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। हवाईअड्डे के प्राधिकारियों ने बताया कि 45 शवों के लिए सीमा शुल्क, आव्रजन और हवाईअड्डा स्वास्थ्य कार्यालय से संबंधित प्रक्रिया सीआईएएल में ही पूरी की गई। उन्होंने बताया कि हवाई अड्डे पर 31 भारतीयों के शवों को उतारने के बाद शेष 14 शवों को भारतीय वायुसेना के उसी विमान से दिल्ली भेज दिया गया। यूपी के मृतकों की पहचान वाराणसी के माधव सिंह, गोरखपुर के जयराम गुप्ता और अंगद गुप्ता के रूप में हुई है। वहीं, आंध्र प्रदेश के मृतकों में श्रीकाकुलम जिले के टी लोकानंदम, पश्चिम गोदावरी जिले के एम सत्यनारायण और एम ईश्वरुडु की पहचान की गई है।

नड्डा ने रसायन, उर्वरक उद्योग को सुविधाएं निर्यात प्रोत्साहन पर जोर दिया

नई दिल्ली, 14 जून (एजेंसियां)। रसायन और उर्वरक मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने शुक्रवार को मंत्रालय के अधिकारियों को इस क्षेत्र के उद्योगों को कारोबार के लिए सुविधा प्रदान करने, निर्यात को प्रोत्साहित करने तथा कौशल सुधार को प्रोत्साहित करने को कहा।

श्री नड्डा ने यहां अपने इस विभाग की समग्र समीक्षा के लिए अधिकारियों के साथ एक बैठक की और विभाग की 100 दिन की कार्ययोजना के लक्ष्यों को हासिल करने पर जोर दिया। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनसार समीक्षा बैठक में रसायन और उर्वरक राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल भी उपस्थित थीं। विज्ञप्ति के अनुसार श्री नड्डा ने विकसित भारत के लक्ष्यो के मद्देनजर रसायन और ऊर्वरक उद्योग को सुविधा प्रदान करने, निर्यात को बढ़ावा देने और कौशल प्रशिक्षण बढ़ाने पर भी ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया।

बैठक में रसायन और पेट्रो-रसायन विभाग की सचिव निवेदिता शुक्ला वर्मा ने मौजूदा व्यापार परिदृश्य और आगामी पांच वर्षों में रसायन क्षेत्र के अनुमानों के बारे में जानकारी दी। इसके अलावा उन्होंने विभाग की मौजूदा संचालित योजनाओं, विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) और स्वायत्त निकायों की स्थिति और कार्यप्रणाली के बारे में भी बताया।

बिहार के सरकारी कर्मियों का मकान किराया भत्ता चार प्रतिशत तक बढ़ा

पटना, 14 जून (एजेंसियां)। बिहार में सरकारी कर्मियों के मकान किराया भत्ता में चार प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की गई है। मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ ने बताया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में सरकारी कर्मियों के मकान किराया भत्ता में एक से चार प्रतिशत तक की बढ़ोतरी किए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है।

डॉ. सिद्धार्थ ने बताया राज्य वेतन आयोग की अनुशंसा के आलोक में मकान किराया भत्ता की मौजूदा दर में संशोधन किया गया। उन्होंने बताया कि वाई श्रेणी क्षेत्र पटना में सरकारी कर्मियों के मकान किराया भत्ता को मूल वेतन के 16 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत कर दिया गया है। इसी तरह ग्रामीण क्षेत्रों में यह चार प्रतिशत से बढ़कर पांच प्रतिशत हो गया है।

पुलिस की कार्यप्रणाली पर लग रहे आरोप दुर्भाग्यपूर्ण : जयराम

शिमला, 14 जून (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि प्रदेश में क़ानून व्यवस्था पूरी तरह से बर्बाद है। आए दिन अपराध के एक से बढ़कर एक मामले सामने आ रहे हैं। जो हिमाचल में पहले सुने तक नहीं गये थे। इन मामलों के पीड़ित परिवारों द्वारा पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए जा रहे हैं जो हिमाचल प्रदेश पुलिस की साख के लिए अच्छी बात नहीं हैं।

श्री ठाकुर ने कहा कि एक तरफ़ पुलिस के जाँच अधिकारी ही अपने वरिष्ठ अधिकारियों पर जाँच में ग़लत धाराएं जोड़ने का आरोप लगा रहे हैं तो दूसरी तरफ़ पुलिस पर भी हाल में हुई अपराध की घटनाओं में आरोपियों को बचाने के आरोप लग रहे हैं। इसी तरह से चंबा में आईबी के एएसआई की हत्या के मामले में परिवार द्वारा मामले की ढंग से जांच न करने के आरोप लग रहे हैं। इसके अलावा सुंदरनगर के पुलिस थाना में एक आरोपी के आत्महत्या का मामला भी दुःखद है। एक आरोपी की पुलिस अभिरक्षा में हत्या का मामला बेहद संगीन हैं। इस मामले की गंभीरता से जाँच किए जाने की आवश्यकता है। यह पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। यह घटना दुःखद है। इस तरह के आरोप से प्रदेश पुलिस की छवि पर असर पड़ा है।

श्री ठाकुर ने कहा कि हिमाचल की पुलिस अपने व्यवसायिक दक्षता और निष्पक्षता के साथ काम करने के लिए जानी जाती है। लेकिन सुक्खू सरकार में आए दिन इस तरह के मामले सामने आए हैं जब पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठे हैं। एक तरफ़ पुलिस प्रदेश में क़ानून व्यवस्था की स्थिति सम्भालने में नाकाम रही तो दूसरी तरफ़ आपराधिक मामलों में जाँच के दौरान भी परिजनों द्वारा पुलिस पर तरह-तरह के सवाल उठाए गए। तीन दिन पहले अपने सीनियर के ख़िलाफ़ जाँच में हस्तक्षेप करने वाला पुलिस कर्मी लापता हो गया है, उसके परिवार के लोग मुख्यमंत्री से उनकी मदद की गुहार लगा रहे हैं। लेकिन मुख्यमंत्री के पास उनकी बातें सुनने का समय ही नहीं हैं। वरिष्ठ अधिकारियों और उनके मातहतों के बीच सामंजस्य ही नहीं हैं, फ़ील्ड सुपरविजन अधिकारी तक अगर मातहतों की पहुंच होती तो पुलिस के अधिकारी और कर्मचारी के बीच की यह लड़ाई सोशल मीडिया पर आकर प्रदेश पुलिस की छवि को धूमिल नहीं कर रही होती। अगर सिरमौर के पुलिस कर्मी की बात को उच्च अधिकारियों ने सुनी होती तो इस समस्या का हल व्यवसायिक तरीक़े से निकला होता। सरकार और आलाधिकारी सब अपने आप में मस्त हैं। इस तरह के मामले देवभूमि की छवि के लिए भी नुक़सानदायक हैं और पुलिस के लिए भी। इसलिए प्रदेश के मुख्यमंत्री इस मामले में दखल दें। प्रदेश में इस तरह की अराजकता बर्दाश्त नहीं होगी।

दिल्ली को पानी देने के मामले में सुप्रीम कोर्ट में हिमाचल सरकार के यू टर्न पर नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि सरकार हिमाचल सरकार के द्वारा किए गए अनुबंधों के आधार पर काम करे। इस तरह से मीडिया में कुछ कहना, कोर्ट में पहले कुछ कहना और बाद में कुछ और कहना सरकार के लिए ठीक नहीं है। यह बताता है कि सुक्खू सरकार जनहित और प्रशासन के मुद्दे पर कितनी गंभीर है। उन्होंने कहा कि इस तरह की स्थितियां ठीक नहीं है। ऐसे मामलों में हर स्तर पर गंभीरता बरती जानी चाहिए। मुख्यमंत्री को प्रदेश से जुड़ी हुई हर स्थिति के बारे में जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री से प्रदेश में गहराते जल संकट पर भी गंभीरता से काम करने की माँग की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भी हर दिन पानी की कमी से जुड़ी खबरें आ रही हैं।

दिल्ली के एलजी ने अरुंधति रॉय के खिलाफ मुकदमा चलाने की दी मंजूरी

नई दिल्ली, 14 जून (एजेंसियां)। दिल्ली के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना ने मशहूर लेखिका अरुंधति रॉय और कश्मीर के एक पूर्व प्रोफेसर के खिलाफ वर्ष 2010 में यहां एक कार्यक्रम में कथित तौर पर भड़काऊ भाषण देने के मामले में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी है।

राज निवास से शुक्रवार को प्राप्त जानकारी के अनुसार अरुंधती रॉय और कश्मीर के केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर शेख शौकत हुसैन के खिलाफ यहां की एक अदालत के आदेश के बाद प्राथमिकी दर्ज की गई थी। श्री सक्सेना ने इस मामले में अरुंधति रॉय और शेख शौकत हुसैन के खिलाफ यूएपीए की धारा 45 (1) के तहत मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी है। उल्लेखनीय है कि 21 अक्टूबर 2010 को यहां एक सम्मेलन में कथित तौर पर भड़काऊ भाषण देने का दोनों के ऊपर आरोप है। इस मामले में कश्मीर के सामाजिक कार्यकर्ता सुशील पंडित ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद दिल्ली के मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट के आदेश के बाद रॉय और हुसैन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

सीएम योगी ने पीएम के काशी दौरे से पहले तैयारियों का जायजा लिया

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को जनपद वाराणसी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण करते हुए।

वाराणसी, 14 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दो दिवसीय दौरे पर शुक्रवार शाम वाराणसी पहुंचे। सीएम योगी ने यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वाराणसी आगमन की तैयारियों का जायजा लिया। सीएम योगी सबसे पहले मेंहदीगंज में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम स्थल का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके बाद मुख्यमंत्री ने सर्किट हाउस में अधिकारियों के संग मीटिंग करके वाराणसी और आस-पास के जनपदों में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने विकास की सभी परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

इससे पहले सीएम का हेलीकॉप्टर सेवापुरी के मेहंदीगंज स्थित पीएम मोदी के प्रस्तावित जनसभा स्थल पर उतारा। सीएम योगी ने यहां पीएम की सुरक्षा, जनसभा स्थल पर पार्किंग, जनता के आवागमन, नेताओं के रूट समेत प्रमुख बिंदुओं की जानकारी ली। इस दौरान मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा ने जनसभा स्थल का रूट मैप मुख्यमंत्री को दिखाया और हर प्वाइंट की जानकारी दी। पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने सुरक्षा दायरा, आंतरिक सुरक्षा डी और बाह्य सुरक्षा की जानकारी सीएम योगी को दी। वहीं लोक निर्माण विभाग के चीफ इंजीनियर को मूवमेंट से संबंधित सभी सड़कों को चेक करने और मरम्मत करने का निर्देश मुख्यमंत्री ने दिया। इसके अलावा जनसभा स्थल पर हेलीपैड को भी मुख्यमंत्री ने देखा और बैरिकेडिंग की उचित व्यवस्था करने के लिए अफसरों को निर्देशित किया। साथ ही डीएफओ को कार्मिकों की ड्यूटी लगाकर चिह्नित स्थल को पूरी तरह जन्तु-जानवरों से मुक्त रखने का निर्देश दिया। इस दौरान बीजेपी जिलाध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य और पूर्व विधायक सुरेन्द्र नारायण सिंह औढ़े मौजूद रहे। तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी का 18 जून को वाराणसी आगमन प्रस्तावित है। पीएम मेहदीगंज में जनसभा और किसान सम्मेलन को संबोधित करेंगे। इसके अलावा वह बाबा विश्वनाथ का दर्शन करेंगे व मां गंगा की आरती में भी शामिल होंगे। इसे लेकर भारतीय जनता पार्टी व प्रशासनिक अमला तैयारियों में जुटा हुआ है। इसी क्रम में सीएम योगी स्वयं वाराणसी पहुंचकर तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे हैं।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने तलब की लापरवाह अफसरों की रिपोर्ट

राजस्व मामलों के निपटारे में लापरवाही पर सीएम सख्त

लखनऊ, 14 जून (एजेंसियां)। आदर्श आचार संहिता खत्म होते ही एक बार फिर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं। उन्होंने हाल में ही एक उच्च स्तरीय बैठक कर विभिन्न विभागों के अधिकारियों को तलब कर समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को विभिन्न योजनाओं में प्रगति लाने के निर्देश दिये। साथ ही कार्यों में लापरवाही बरतने वालों की सूची प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। बैठक में सीएम योगी ने राजस्व संबंधी मामलों में लापरवाही पर खासी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने तत्काल लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ एक्शन लेने का आदेश दिया। साथ ही दो हफ्ते में रिपोर्ट मुख्यमंत्री कार्यालय को सौंपने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद राजस्व से जुड़े अधिकारी हरकत में आ गए हैं। इसी क्रम में राजस्व परिषद चेयरमैन रजनीश दुबे ने हाल ही में राजस्व से जुड़े मामलों की समीक्षा की। इसमें उन्होंने राजस्व संबंधी कार्यों में लापरवाही पर राजस्व अफसरों, एडीएम, एसडीएम, नायब तहसीलदार और तहसीलदार स्तर के अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया। उधर, मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने भी राजस्व संबंधी मामलों को लेकर बैठक की। इस दौरान उन्होंने प्रदेश के विभिन्न जिलों में राजस्व संबंधी मामलों के निपटारे में लापरवाह अधिकारियों को फटकार लगायी। साथ ही कार्यों में सुधार लाने के निर्देश दिए। इसके अलावा वह जल्द ही राजस्व संबंधी मामलों में अनियमितता बरतने वाले जिलों की रिपोर्ट मुख्यमंत्री कार्यालय को सौंपेंगे, जिसके बाद इन अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो सकती है।

मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र द्वारा राजस्व विभाग की बैठक में सामने आया कि राजस्व संबंधी मामलों के निपटारों में कई जिले फिसड्डी रहे हैं। इस पर उन्होंने अधिकारियों को फटकार लगाने के साथ इसमें सुधार लाने के निर्देश दिये। बैठक में मुख्य सचिव ने पाया कि रियल टाइम खतौनी में कानपुर नगर, प्रयागराज, वाराणसी, चित्रकूट और बलरामपुर का प्रदर्शन ठीक नहीं है। इसी तरह वाराणसी, सोनभद्र, बलिया, मैनपुरी और गोरखपुर में खतौनी पुनरीक्षण एवं अंश निर्धारण का प्रतिशत काफी कम रहा है। इन जिलों में करीब 50 प्रतिशत ही अंश निर्धारण का कार्य हुआ है। वहीं स्वामित्व योजना के तहत घरौनी तैयार करने में गोरखपुर, प्रयागराज, बाराबंकी, जौनपुर और गाजीपुर में काफी धीमी गति से कार्य हो रहा है। मुख्य सचिव ने इसमें तेजी लाने के निर्देश दिये। इसके अलावा राजस्व वादों के निस्तारण में महोबा, चित्रकूट, मुजफ्फरनगर, शामली और बागपत फिसड्डी रहे हैं। यहां आठ हजार से अधिक मामले लंबित हैं।

बैठक में सामने आया कि राजस्व वाद के तहत धारा-24 (पैमाइश) में लखनऊ, प्रयागराज, अमरोहा, फतेहपुर और सहारनपुर का प्रदर्शन ठीक नहीं है। इसके साथ ही धारा-34 (नामांतरण) में कुशीनगर, सोनभद्र, रायबरेली, बलिया और अमेठी में पहले से सुधार हुआ है, लेकिन निपटारे का प्रतिशत 95 प्रतिशत से कम है। इसी तरह धारा-80 (कृषि भूमि का गैर-कृषि भूमि में परिवर्तन) के अयोध्या में 34, प्रतापगढ़ में 21, गोरखपुर में 12, कानपुर नगर में 10 और बाराबंकी में 7 मामले लंबित हैं।

राम मंदिर उड़ाने की धमकी के बाद बढ़ाई गई अयोध्या की सुरक्षा

अयोध्या, 14 जून (एजेंसियां)। आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद की ओर से राम मंदिर को उड़ाने की धमकी दिए जाने के बाद अयोध्या अलर्ट मोड पर आ गई है। राम मंदिर में निगरानी बढ़ा दी गई है। राम मंदिर समेत महत्वपूर्ण स्थलों की सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट की भी सुरक्षा में इजाफा किया गया है।

अयोध्या के एसएसपी राजकरण नय्यर ने शुक्रवार को महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि अयोध्या धाम की सुरक्षा पहले से ही कड़ी है। यहां की सुरक्षा व्यवस्था को विभिन्न क्षेत्रों में विभाजित करते हुए सीनियर राजपत्रित अधिकारी के नेतृत्व में टीमों का गठन किया गया है। विभिन्न जोन में सुरक्षाकर्मी पहले से ही तैनात हैं।

जिला पुलिस के अलावा पीएसी की भी कई कंपनियां प्राप्त हुई हैं। पीएसी को लगाकर सुरक्षा की जा रही है। महत्वपूर्ण स्थलों की भी सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी 24 घंटे की जाती है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को वाराणसी में काल भैरव मंदिर एवं बाबा विश्वनाथ के दर्शन पूजन करते हुए व मंदिर के बाहर बच्चों को दुलारते हुए ।

लापरवाह चकबंदी अधिकारियों पर गिरने लगी गाज

जीरो टॉलरेंस नीति के तहत हो रही कार्रवाई

लखनऊ, 14 जून (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार और कार्य में लापरवाही के खिलाफ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जीरो टॉलरेंस की नीति के क्रम में चकबंदी विभाग ने दो जिलों के चकबंदी अधिकारियों के खिलाफ कड़ा एक्शन लिया है। शासन द्वारा मिर्जापुर और बांदा के चकबंदी अधिकारियों को सस्पेंड किया गया है।

वहीं मैनपुरी में भी चकबंदी से जुड़े आधा दर्जन अधिकारी और कर्मचारियों पर गाज गिरी है। प्रदेश के चकबंदी आयुक्त जीएस नवीन ने बांदा और मिर्जापुर के दोनों चंकबंदी अधिकारियों निलंबित करते हुए इनके खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिये हैं। वहीं मैनपुरी के अधिकारी और कर्मचारियों के खिलाफ विभागीय जांच और कारण बताओ नोटिस जारी की गई है।

बताया गया कि बांदा में वित्तीय वर्ष 2023-24 में धारा-27 व 52 के अंतर्गत लक्षित ग्राम उमरेंहडा का कार्य पूर्ण न करने, ग्राम बहिंगा में सहायक चकबन्दी अधिकारी स्तर पर सृजित चकों की त्रुटियों का निराकरण कर कार्य आगे बढ़ाने के बजाय ग्राम को सहायक चकबन्दी अधिकारी स्तर पर प्रत्यावर्तित करने, सीसीएमएस पोर्टल के माध्यम से न्यायालय न चलाने तथा ग्राम उमरेंहडा के गाटा संख्या-1331 का रकबा बन्दोबस्त से अधिक बढ़ाने आदि अनियमितताओं के लिये चकबंदी अधिकारी राणा प्रताप को निलम्बित करते हुए उनके विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं।

इसी प्रकार मिर्जापुर में ग्राम नवैया की चक संख्या-950 आदि से मृतक शेषनरायन सिंह की विरासत मनमाने तौर पर बिना जांच चार बार पृथक-पृथक आदेश पारित कर पद का दुरुपयोग किए जाने एवं बाद संख्या-174, धारा-12 में बिना दस्तावेज का सम्यक् परीक्षण और जांच के नामान्तरण आदेश दिनांक पारित करने के लिए चकबंदी अधिकारी राजेन्द्र राम को निलम्बित कर विभागीय कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं।

रेगुलर सेमेस्टर परीक्षाओं का होगा लाइव सीसीटीवी कवरेज

फेशियल बायोमेट्रिक से लगेगी लाइव अटेंडेंस

लखनऊ, 14 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने की दिशा में कार्यरत योगी सरकार प्रदेश में एजुकेशनल फ्रेमवर्क के उच्चीकरण और एडवांस्ड टेक्नोलॉजी युक्त बनाने की दिशा में हो रहे प्रयासों में तेजी लाई है। इसी का परिणाम है कि डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में बड़े टेक्नलॉजिकल अपडेशन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

इस टेक्नोलॉजिकल अपडेशन के अंतर्गत छात्र-छात्राओं की लाइव अटेंडेंस उनके फेशियल बायोमेट्रिक से लगेगी। साथ ही, रेगुलर सेमेस्टर परीक्षाओं को पूरी पारदर्शिता व शुचिता के साथ पूर्ण कराने के लिए लाइव सीसीटीवी कवरेज को लेकर कार्य प्रारंभ हो गया है। उल्लेखनीय है कि सीएम योगी की मंशा अनुरूप एक विस्तृत कार्ययोजना के जरिए डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में बड़े टेक्नोलॉजिकल अपडेशन के फ्रेमवर्क को तय किया गया था, जिसको क्रियान्वित करते हुए उत्तर प्रदेश डेवलपमेंट सिस्टम्स कारपोरेशन लिमिटेड (यूपीडेस्को) को यह कार्यभार सौंपा गया है।

यूपीडेस्को में पहले से इम्पैनल्ड कंपनियों को मिलेगा सर्विस व सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट प्रोवाइडर बनने का मौका मिलेगा जिसे कार्यावंटन के बाद 60 दिन के भीतर सीसीटीवी इंस्टॉलेशन, सीसीटीवी मॉनिटरिंग कमांड सेंटर की स्थापना तथा स्टूडेंट्स-स्टाफ के बायोमेट्रिक का संकलन कर मास्टर डाटाबेस तैयार कर उन्हें सॉफ्टवेयर के माध्यम से एक्सेस योग्य बनाने जैसे कार्यों को पूर्ण करना होगा।

शिक्षा की गुणवत्ता में वृद्धि के दृष्टिगत आधुनिक तकनीक अपनाना हमेशा से सीएम योगी की प्राथमिकताओं में शामिल रहा है। प्रदेश में परीक्षा प्रक्रिया निर्बाध रूप से पूर्ण पारदर्शिता व शुचिता पूर्वक पूरी हो, इसके लिए भी विभिन्न स्तरों पर प्रयास किए जा रहे हैं।

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में होने वाला टेक्नोलॉजिकल एडवांसमेंट इन दोनों ही बातों को आत्मसात करता है। स्टूडेंट्स-स्टाफ के बायोमीट्रिक्स का संकलन कर मास्टर डाटाबेस तैयार कर उन्हें सॉफ्टवेयर के माध्यम से एक्सेस करने के साथ ही यूनिवर्सिटी में इस बात की लगातार मॉनिटरिंग हो सकेगी कि संबंधित छात्र-छात्राएं क्लासेस सही से अटेंड कर रहे हैं या नहीं। डेटाबेस में उनके आधार कार्ड नंबर, चेहरा, आंखों की पुतली तथा हाथ के इंप्रेशंस के साथ कई अन्य अहम जानकारियों को भी संकलित किया जाएगा जिससे किसी अप्रिय स्थिति में तत्काल ही संबंधित स्टूडेंट या स्टाफ को चिह्नित किया जा सकेगा।

यूनिवर्सिटी में मास्टर डाटाबेस तो कई मायनों में निर्णायक साबित होगा ही, साथ ही यूनिवर्सिटी के क्लासेस की भी सीसीटीवी के जरिए लाइव मॉनिटरिंग हो सकेगी। इस प्रक्रिया को पूर्ण करने के लिए एक विशिष्ट सीसीटीवी कमांड सेंटर की भी स्थापना की जाएगी। इतना ही नहीं, निर्माणाधीन सिस्टम को यूनिवर्सिटी की जरूरतों के हिसाब से अपडेट करना तथा यूनिवर्सिटी के स्टाफ को संचालन, निगरानी और पर्यवेक्षण प्रक्रिया में दक्ष भी बनाया जाएगा।

इन कार्यों को पूर्ण करने के लिए बाकायदा निर्माणी एप्लीकेशन का सोर्स कोड और उपयोगकर्ता मैनुअल उपलब्ध कराएगा तथा कार्यावंटन के बाद सर्विस व सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट प्रोवाइडर प्रक्रियाओं के उचित क्रियान्वयन के लिए यूनिवर्सिटी द्वारा चिह्नित कर्मचारियों को प्रशिक्षण/पुनः प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, यूनिवर्सिटी की वेबसाइट व अन्य सॉफ्टवेयर के एनुअल मेंटेनेंस जैसी प्रक्रियाओं को भी पूर्ण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को वाराणसी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रस्तावित कार्यक्रम के संबंध में अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों के साथ सर्किट हाउस में बैठक करते एवं उचित दिशा निर्देश देते हुए।

इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया ने ईद के लिए जारी की गाइडलाइन

खुले में न करें कुर्बानी न सड़क पर पढ़े नमाज

कुर्बानी की तस्वीरें न खींचें और सोशल मीडिया पर न डालें

लखनऊ, 14 जून (एजेंसियां)। इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया ने ईद के लिए गाइडलाइन जारी करते हुए मुस्लिम धर्मावलंबियों से कहा है कि बकरीद के अवसर पर वे खुले में कुर्बानी न करें और न कुर्बानी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर जारी करें। मौलाना खालिद रशीद फिरंगी ने कहा, 17 जून को ईद-उल-अजहा के अवसर पर हमारे इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया ने 13 सूत्री गाइडलाइन जारी की है। मौलाना फिरंगी महली ने अपील की है कि कोई भी नमाज़ी ईद की नमाज़ सड़क पर न पढ़े और ईदगाह या जिस जगह इंतज़ाम किया गया है, वहीं जाकर नमाज पढ़ें। मौलाना ने कहा कि कुर्बानी खुले और आम इलाकों में नहीं की जाए, सिर्फ उन जगहों पर कुर्बानी की जाए जहां तय किया गया है। जो भी गंदगी या कचरा हो उसे सावधानी से उस जगह फेंका जाए जहां जगह निर्धारित है।

संपादकीय

भागवत की नसीहत या चेतावनी

आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत ने जो टिप्पणियां की हैं, वे संघ-भाजपा के अलगाव या संबंध-विच्छेद तक की नौबत नहीं हैं। उन्होंने जिनके संदर्भ में 'सेवक', 'मर्यादा' और 'अहंकार' सरीखे शब्दों का इस्तेमाल किया है, वे प्रत्यक्ष रूप से भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी से ही जुड़ते हों, सरसंघचालक की इतनी संकीर्ण सोच नहीं हो सकती। भाजपा और मोदी दोनों ही संघ के सृजन हैं। संघ-प्रमुख ने कार्यकर्ताओं के विकास वर्ग कार्यक्रम के समापन पर अभिभावकीय मुद्रा में संबोधित किया, तो वह पूरी राजनीतिक और सामाजिक संस्कृति को आगाह कर रहे थे। अहंकार छोड़ कर काम करना चाहिए और काम के बदले अहंकार नहीं करना चाहिए, वही 'सच्चा सेवक' होता है। चुनाव में एक पक्ष होता है, तो दूसरा वैचारिक प्रतिपक्ष होता है। वह दुश्मन नहीं होता, आपका सैद्धांतिक विरोधी है। देश की सत्ता और संसद के लिए भी दोनों पक्ष अनिवार्य हैं। इस बार लोकसभा चुनाव कड़वाहट भरा था। चुनाव युद्ध की तरह लड़ा गया। मर्यादा जरूरी है। चुनाव में जो कुछ हुआ, उस पर विचार करना होगा। देश ने विकास किया है, लेकिन चुनौतियों को भी न भूलें। सहमति से देश चलाने की परंपरा का स्मरण रखें। निश्चित है कि सरसंघचालक ने भाजपा को कुछ नसीहत दी है और चेताया भी है। उन्होंने मतदान के कुछ चरणों में बूथ और पन्ना-प्रमुख के चेहरों के गायब होने का मुद्दा भी उठाया। जो कार्यकर्ता घरों से भाजपा के समर्थक मतदाताओं को निकाल कर मतदान-केंद्रों तक ला सकते थे, आखिर वे कहां थे? सरसंघचालक ने प्रत्याशियों पर असहमति का सवाल भी उठाया कि ऐसे अवांछित चेहरों को चुनाव मैदान में क्यों उतारा गया? आरएसएस को लेकर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने जो बयान दिया था अथवा सार्वजनिक तौर पर जो निहितार्थ ग्रहण किया गया था, वह भी आत्मघाती साबित हुआ। उसी के बाद संघ के स्वयंसेवक और प्रचारक भाजपा के चुनाव-प्रचार से तटस्थ हुए थे। संघ-भाजपा की आपसी समन्वय बैठकें तक नहीं हो सकीं, नतीजतन दोनों में ही समन्वय और सामंजस्य के अभाव दिखे। मतदान के प्रतिशत कम होते रहे। सरसंघचालक ने पहले भी चेताया था कि अब हम सिर्फ प्रधानमंत्री मोदी की छवि और लोकप्रियता के सहारे ही चुनाव नहीं जीत सकते। इस बार ऐसा ही हुआ कि भाजपा 400 पार के नारे के 'बुलबुलों' में ही कैद रही। प्रधानमंत्री मोदी के व्यक्तित्व पर ही अति विश्वास किया जाता रहा, नतीजा सामने है। भाजपा 240 सीट ही जीत पाई, जबकि गुजरी लोकसभा में भाजपा के 303 सांसद जीत कर आए थे। यह नतीजा भी तभी सामने आया, जब अधिकांश क्षेत्रों में संघ के कुछ कार्यकर्ता काम करते रहे। यह हमारा आकलन है कि जिस दिन संघ पूरी तरह, घोषित तौर पर, खुद को भाजपा से अलग कर लेगा, उस स्थिति में भाजपा के लिए 150 लोकसभा सीटें जीतना भी मुश्किल हो सकता है। दरअसल संघ वैचारिक और सैद्धांतिक तौर पर प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा के खिलाफ नहीं है। भाजपा के 18 करोड़ से अधिक सदस्य हैं, जो संघ के अभियानों के ही प्रतिफल हैं। भाजपा आज भी आरएसएस का राजनीतिक मंच है। संघ मोदी सरकार के पतन या 'इंडिया' जैसे विपक्षी गठबंधन की संभावित सरकार के पक्ष में कभी सोच भी नहीं सकता। सरसंघचालक भागवत ने जलते, त्राहि-त्राहि करते मणिपुर का मुद्दा प्रसंगवश ही उठाया है और केंद्र सरकार को कत्तव्य-बोध कराया है। मणिपुर हिंसा में 220 से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं। 1100 से ज्यादा लोग घायल हैं। हिंसक घटनाओं का आंकड़ा 5000 से ज्यादा है, जबकि 70,000 से अधिक लोग विस्थापित हो चुके हैं। भागवत का सवाल है कि इस स्थिति पर ध्यान कौन देगा? प्राथमिकता के स्तर पर विचार करना किसका दायित्व है? करीब 50,000 लोग राहत-शिविरों में जीने को विवश हैं। यह संघ-प्रमुख का अभिभावकीय संबोधन है कि जो अपने कत्तव्यों का पालन करते हुए मर्यादा की सीमा में रहता है। जो अपने काम पर गर्व करता है, फिर भी अनासक्त रहता है, जो अहंकार से रहित होता है, ऐसा व्यक्ति ही वास्तव में 'सेवक' कहलाने का हकदार है।

भाजपा और मोदी दोनों ही संघ के सृजन हैं। संघ-प्रमुख ने कार्यकर्ताओं के विकास वर्ग कार्यक्रम के समापन पर अभिभावकीय मुद्रा में संबोधित किया, तो वह पूरी राजनीतिक और सामाजिक संस्कृति को आगाह कर रहे थे। अहंकार छोड़ कर काम करना चाहिए और काम के बदले अहंकार नहीं करना चाहिए, वही 'सच्चा सेवक' होता है। चुनाव में एक पक्ष होता है, तो दूसरा वैचारिक प्रतिपक्ष होता है। वह दुश्मन नहीं होता, आपका सैद्धांतिक विरोधी है। देश की सत्ता और संसद के लिए भी दोनों पक्ष अनिवार्य हैं। इस बार लोकसभा चुनाव कड़वाहट भरा था। चुनाव युद्ध की तरह लड़ा गया। मर्यादा जरूरी है। चुनाव में जो कुछ हुआ, उस पर विचार करना होगा। देश ने विकास किया है, लेकिन चुनौतियों को भी न भूलें। सहमति से देश चलाने की परंपरा का स्मरण रखें। निश्चित है कि सरसंघचालक ने भाजपा को कुछ नसीहत दी है और चेताया भी है। उन्होंने मतदान के कुछ चरणों में बूथ और पन्ना-प्रमुख के चेहरों के गायब होने का मुद्दा भी उठाया।

'मोदी है तो मुमकिन है' नारे पर इतना भरोसा हो गया था कि उन्होंने किसी की नहीं सुनी और आखिरकार मुंह की खानी पड़ी

संघ प्रमुख भागवत ने भाजपा और मोदी को खरी-खरी सुना कर क्या संदेश दिया है?

नीरज कुमार दुबे

नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार प्रधानमंत्री पद का कार्यभार संभाला तो देश-दुनिया से बधाई संदेश आने लगे लेकिन भारतीय जनता पार्टी के मातृ संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुखिया मोहन भागवत ने इसी बीच मोदी सरकार और भाजपा को जिस तरह खरी-खरी सुनाई उससे सब आश्चर्यचकित हैं। हालांकि विपक्ष ने भागवत की टिप्पणियों का स्वागत किया है। देखा जाये तो मणिपुर की अशांति को लेकर भाजपा की चुप्पी पर मोहन भागवत ने जो कुछ कहा है वह एनडीए सरकार के लिए बड़ी चेतावनी की तरह है। मणिपुर में अब भी जिस तरह से हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं उसको देखते हुए कहा जा सकता है कि वहां के मुद्दे हल करने में केंद्र और राज्य सरकार नाकाम रही हैं। इसके अलावा, आरएसएस प्रमुख ने अपने संबोधन के जरिये जिस तरह के तेवर दिखाये हैं उससे प्रदर्शित हो रहा है कि इस बार स्पष्ट बहुमत से दूर रही भाजपा को सिर्फ अपने गठबंधन सहयोगियों को ही साथ लेकर नहीं चलना होगा बल्कि संघ परिवार के लोगों को भी साथ लेकर चलना होगा। आरएसएस के कई पदाधिकारी इस बात को स्वीकार रहे हैं कि चुनावों से पहले भाजपा ने अति आत्मविश्वास के साथ 'अबकी बार 400 पार' का नारा लगाना शुरू किया था तब संघ परिवार के लोगों ने उन्हें जमीन पर रह कर काम करने की सलाह दी थी लेकिन पार्टी के नेताओं को 'मोदी है तो मुमकिन है' नारे पर इतना भरोसा हो गया था कि उन्होंने किसी की नहीं सुनी और आखिरकार मुंह की खानी पड़ी। देखा जाये तो लगभग ऐसी ही स्थिति साल 2004 के लोकसभा चुनावों के दौरान भी हुई थी जब भाजपा के नेता इंडिया शाइनिंग के नारे पर इतना भरोसा कर रहे थे कि उन्होंने जमीनी कार्यकर्ताओं की अनदेखी कर दी थी। रही सही कसर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के कथित तौर पर आरएसएस के बारे में दिये गये बयान से पूरी हो गयी थी। चुनावों के बीच ही आरएसएस कार्यकर्ताओं ने जिस तरह भाजपा से दूरी बना ली थी उससे पार्टी के चुनावी प्रदर्शन पर बुरा असर पड़ा। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने जिस तरह इशारों इशारों में भाजपा की कार्यशैली पर सवाल उठाये हैं उससे यह भी संकेत मिल रहे हैं कि भाजपा के नये अध्यक्ष के चयन में अब नागपुर की ज्यादा चलेगी। हम आपको याद दिला दें कि 2009 के लोकसभा चुनावों में भाजपा की हार के बाद भागवत की पहल पर ही नितिन गडकरी को नागपुर से दिल्ली भेजा गया था ताकि वह पार्टी को संभालें। उस समय भाजपा में लालकृष्ण आडवाणी, राजनाथ सिंह, सुषमा स्वराज और अनंत कुमार जैसे नेता दिल्ली की राजनीति में प्रभावी थे लेकिन सबको दरकिनार कर गडकरी को लाया गया था। जहां तक मोहन भागवत के संबोधन की बात है तो आपको बता दें कि एक तो उन्होंने मणिपुर में एक वर्ष बाद भी शांति स्थापित नहीं होने पर चिंता जताई है साथ ही देश के सभी समुदायों के बीच एकता पर जोर दिया है। आरएसएस प्रमुख ने साथ ही चुनावी बयानबाजी से बाहर आकर देश के सामने मौजूद समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत पर भी जोर दिया है। लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद अपनी पहली टिप्पणी में भागवत ने कहा है कि नतीजे आ चुके हैं और सरकार बन चुकी है, इसलिए क्या और कैसे हुआ आदि पर अनावश्यक चर्चा से बचना चाहिए। भाजपा की सीटें घटने की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि आरएसएस ''कैसे हुआ, क्या हुआ'' जैसी चर्चाओं में शामिल नहीं होता है। उन्होंने कहा कि संगठन केवल मतदान की आवश्यकता के बारे में जागरूकता उत्पन्न करने का अपना कर्तव्य निभाता है। इसके अलावा, सत्ता पक्ष और विपक्ष के संबंधों में जिस तरह की खटास हाल के वर्षों में देखने को मिली है उस ओर इशारा करते हुए भागवत ने सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच आम सहमति की आवश्यकता पर जोर दिया है ताकि आम जनता के लिए काम किया जा सके। भागवत ने स्पष्ट कहा है कि चुनाव बहुमत हासिल करने के लिए होते हैं और यह एक प्रतिस्पर्धा है, युद्ध नहीं। उन्होंने विपक्ष को विरोधी कहने की बजाय प्रतिपक्ष नाम से पुकारने का सुझाव भी दिया है। भागवत का यह कहना भी महत्वपूर्ण है कि राजनीतिक दल और नेता एक-दूसरे की बुराई कर रहे हैं, लेकिन वे इस बात पर ध्यान नहीं दे रहे हैं कि इससे समुदायों के बीच दरार पैदा हो सकती है। भागवत का इस बात पर अफसोस जताना भी स्वाभाविक ही था कि आरएसएस को बिना किसी कारण राजनीतिक विवादों में घसीटा जाता है। दूसरी ओर, भले इस बार का लोकसभा चुनाव बिना किसी विघ्न के संपन्न हुआ लेकिन इस बार के लोकसभा चुनावों में मिथ्या प्रचार और अफवाहों का बाजार खूब देखने को मिला। इस ओर भी इशारा करते हुए आरएसएस प्रमुख ने कहा है कि चुनाव में हमेशा दो पक्ष होते हैं, लेकिन जीतने के लिए झूठ का सहारा नहीं लिया जाना चाहिए। उन्होंने परोक्ष तौर पर डीपफेक आदि की ओर इशारा करते हुए यह भी कहा कि तकनीक का उपयोग करके झूठ फैलाया गया। हम आपको याद दिला दें कि चुनावों के बीच ही गृह मंत्री अमित शाह का आरक्षण के बारे में विवादित बयान वाला डीपफेक वीडियो जारी किया गया था जिसे कांग्रेस के कई बड़े नेताओं ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा भी कर दिया था। इसके अलावा, भागवत ने देश की विविधता का सम्मान करते हुए आगे बढ़ने की नसीहत देते हुए यह भी कहा कि एक दूसरे की उपासना पद्धति का सम्मान किया जाना चाहिए। भागवत का यह कहना भी महत्वपूर्ण है कि इस्लाम और ईसाई जैसे धर्मों की अच्छाई और मानवता को अपनाया जाना चाहिए और सभी धर्मों के अनुयायियों को एक-दूसरे का भाई-बहन के रूप में सम्मान करना चाहिए। देखा जाये तो भागवत की यह नसीहत उन लोगों के लिए खासतौर पर है जो टीवी की बहसों और सोशल मीडिया पर अपनी टिप्पणियों में धर्म विशेष को निशाना बनाते हैं। यकीनन ऐसे लोगों के चलते ही समुदायों के बीच अविश्वास बढ़ता है। इसके अलावा, जो लोग बात-बात पर दूसरों को देश छोड़कर कहीं ओर बस जाने की सलाह देते हैं, उनकी ओर इशारा करते हुए भागवत ने कहा है कि सभी को यह मानकर आगे बढ़ना चाहिए कि यह देश हमारा है और इस भूमि पर जन्म लेने वाले सभी लोग हमारे अपने हैं। आरएसएस प्रमुख ने इस बात पर जोर दिया है कि कुछ लोगों की यह सोच कि केवल विदेशी विचारधाराएं ही सत्य हैं, समाप्त होनी चाहिए। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने अतीत की बातों को भूलने और सबको अपनाने की सीख दी है। साथ ही उन्होंने जातिवाद को पूरी तरह से खत्म करने का आह्वान करते हुए अपने संगठन के पदाधिकारियों से समाज में सामाजिक सद्भाव की दिशा में काम करने के लिए कहा है। बहरहाल, संघ प्रमुख के नागपुर में दिये गये संबोधन को लेकर जिस तरह की राजनीतिक प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं वह दर्शा रही हैं कि प्रतिपक्ष को भाजपा पर वार करने के लिए नया हथियार मिल गया है। खैर...पहले ही चुनावी नतीजों से परेशान दिख रही भाजपा यदि भागवत की नसीहत पर तत्काल प्रभाव से अमल करे तो यकीनन वह जल्द ही निराशा के भंवर से उबर सकती है।

प्रधानमंत्री पद का कार्यभार संभाला तो देश-दुनिया से बधाई संदेश आने लगे लेकिन भारतीय जनता पार्टी के मातृ संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुखिया मोहन भागवत ने इसी बीच मोदी सरकार और भाजपा को जिस तरह खरी-खरी सुनाई उससे सब आश्चर्यचकित हैं। हालांकि विपक्ष ने भागवत की टिप्पणियों का स्वागत किया है। देखा जाये तो मणिपुर की अशांति को लेकर भाजपा की चुप्पी पर मोहन भागवत ने जो कुछ कहा है वह एनडीए सरकार के लिए बड़ी चेतावनी की तरह है।

दृष्टि कोण

कर्मचारियों के लिए सरल बने चुनावी प्रक्रिया

हिमाचल प्रदेश के चुनावी इतिहास में पिछले लोकसभा चुनावों में पहली बार चुनाव ड्यूटी में लगे 24 सरकारी कर्मचारियों को एक साथ सस्पेंड होने का दंश भोगना पड़ा था। इस बार भी लोकसभा चुनावों में अत्यधिक गर्मी की वजह से जहां कुछ चुनाव कर्मियों की मौतों की खबरें हैं तो वहीं कुछ कर्मचारियों को निलंबित भी किया गया है। भारतीय चुनाव आयोग द्वारा 18वीं लोकसभा के लिए जारी कार्यक्रम के अनुसार देश की 543 सीटों के लिए 19 अप्रैल से 1 जून, 2024 के बीच 7 चरणों में चुनाव सम्पन्न करवाने की घोषणा की गई थी। हिमाचल प्रदेश की चार लोकसभा सीटों के लिए आखिरी चरण यानी 01 जून को मतदान संपन्न हुआ। लोकसभा चुनाव में इस बार कुल 98.8 करोड़ मतदाताओं में से 64 करोड़ 20 लाख से ज्यादा मतदाताओं ने वोट डाले, जिसे चुनाव आयोग ने एक बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि हमने एक विश्व रिकॉर्ड बनाया है। कुल 10.5 लाख ईवीएम मशीनों का प्रयोग किया गया। मशीनों पर प्रत्याशियों के चुनाव चिन्ह और नाम के साथ साथ उनके फोटो भी लगाए गए थे ताकि मतदाता अपनी पसंद के उम्मीदवार को आसानी से पहचान कर वोट डाल सकें। चुनाव आयोग द्वारा पहली बार सोशल मीडिया के जरिए चुनाव प्रचार को भी आचार संहिता के दायरे में लाया गया था। भारत में इतने लंबे समय तक चुनाव चलने की वजह से सभी विकास कार्य प्रभावित हुए हैं। लगभग पौने 3 महीने तक लागू रही आचार संहिता की वजह से बहुत सारे विकास कार्य ठप होकर रह गए और राष्ट्र को अप्रत्यक्ष हानि उठानी पड़ी। दूसरे भारी गर्मी में चल रही चुनावी प्रक्रिया में चुनावी ड्यूटी पर लगे कुछ कर्मचारियों की जानें भी गई हैं। इस वजह से मांग उठी है कि जब देश में तापमान लगभग 45 डिग्री से ऊपर चल रहा हो, तब चुनाव पहले करवा लिए जाने चाहिए थे। शायद इसी वजह से मतदान प्रतिशत भी कम रहा। मतदान केंद्र ऐसे स्कूल या पंचायत भवनों में बनाए गए थे, जहां पंखे तक नहीं थे। पोलिंग पार्टियों को वहां पहले से पहुंचकर लंबी ड्यूटी करनी पड़ी। हिमाचल में सबसे आखिरी चरण में मतदान हुआ, लिहाजा सभी प्रत्याशियों को अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में प्रचार करने के लिए पर्याप्त समय मिला। हिमाचल प्रदेश में 2024 के लिए हुए लोकसभा चुनाव में प्रदेश के चार संसदीय क्षेत्रों में मत प्रतिशतता लगभग 71 प्रतिशत रही। इसी बीच चुनाव आयोग द्वारा हिमाचल प्रदेश के तीन निर्दलीय विधायकों के इस्तीफे से रिक्त हुई तीन विधानसभा सीटों क्रमशः देहरा, नालागढ़ और हमीरपुर के लिए उपचुनावों की अधिसूचना जारी कर दी गई है, जिसके लिए 10 जुलाई को मतदान होगा और 13 जुलाई 2024 को मतगणना के बाद नतीजे घोषित किए जाएंगे। हिमाचल प्रदेश में चुनाव शांतिपूर्वक संपन्न हुए, लेकिन चुनावों को लेकर व्यवस्था संबंधी कुछ मुद्दों पर निर्वाचन आयोग को गौर फरमाने की आवश्यकता है। जहां तक चुनावी ड्यूटी में लगे कुछ कर्मचारियों के सस्पेंड किए जाने का सवाल है, तो इसमें कोई दो राय नहीं कि मतदान से पूर्व तैनात सभी कर्मचारियों को रिहर्सल द्वारा सभी विधानसभा क्षेत्रों में तैयारी करवाई जाती है। अज्ञानतावश, जल्दीबाजी अथवा डर के चलते कहीं न कहीं चुनावी प्रक्रिया में मानवीय चूक होने से इंकार भी नहीं किया जा सकता है। ऐसी भी सूचनाएं हैं कि कई मतदान केंद्रों में तैनात पीठासीन अधिकारियों ने अपनी टीम पर भरोसा ही नहीं किया। चुनाव आयोग द्वारा मतदान प्रक्रिया में हुई त्रुटियों का संज्ञान लेते हुए कुछ कर्मचारियों को सस्पेंड किया गया है। लोगों का ऐसा मानना है कि कोई भी कर्मचारी जानबूझकर गलती नहीं करता, लेकिन एकदम सस्पेंड होने का डर उसे भयाक्रांत करता है। आज के हालात में कोई भी कर्मचारी अपनी नौकरी से हाथ धोना नहीं चाहता और न ही सस्पेंड होने का कलंक अपने सिर पर ढोना चाहेगा। हिमाचल प्रदेश में चुनाव डयूटी का जिम्मा हजारों कर्मचारी उठाते आ रहे हैं और हर बार सफलतापूर्वक चुनावी प्रक्रिया को संपन्न करवाते हैं। प्रायः ऐसा भी देखने में आता है कि मतदान वाले दिन सुबह चार बजे से चुनावी ड्यूटी में लगे कर्मचारियों को मतदाताओं की लम्बी कतारों के चलते कई बार खाना खाने का समय भी नहीं मिलता है। हिमाचल प्रदेश एक पर्वतीय प्रदेश है, कई मतदान केंद्रों तक पैदल पहुंचना पड़ता है। कई जगहों पर रहने-खाने की व्यवस्था दुरुस्त नहीं होती है। चार-पांच दिनों तक मतदान प्रक्रिया को संपन्न करवाना किसी भी कर्मचारी के लिए किसी चुनौती से कम नहीं होता है। कई पोलिंग पार्टियों ने मतदान के बाद रात 2 और 3 बजे तक अपनी ईवीएम को जमा करवाया है। उनकी मानसिक स्थिति को समझा जा सकता है। कई कर्मचारी रिटायरमेंट के नजदीक होते हैं, स्वास्थ्य संबंधी कई परेशानियां होती हैं, लिहाजा चुनाव आयोग को चाहिए कि कर्मचारियों के प्रति सहानुभूतिपूर्ण रवैया अख्तियार करे और सस्पेंड हुए कर्मचारियों का पक्ष जल्दी सुनकर उन्हें शीघ्र बहाल किया जाए। इसके साथ ही 55 साल की उम्र पार कर चुके कर्मचारियों को निश्चित रूप से चुनावी ड्यूटी से मुक्त रखा जाना चाहिए। जहां तक संभव हो सके कर्मचारियों को दूरदराज के निर्वाचन क्षेत्रों में भेजने के बजाय बगल वाले विधानसभा क्षेत्रों में ड्यूटी करने के लिए भेजा जाना चाहिए। कर्मचारियों के लिए रहने-खाने की व्यवस्था भी स्कूलों के बजाय निर्वाचन आयोग द्वारा ही करवाई जानी चाहिए। कर्मचारियों को उनकी उल्लेखनीय सेवाओं के लिए तुरंत उचित एवं सम्मानजनक पारिश्रमिक दिए जाने की भी व्यवस्था होनी चाहिए। सबसे बड़ी जरूरत कर्मचारियों के दिलो-दिमाग से चुनावी ड्यूटी के भय को समाप्त करने के उपायों को लागू करने की होनी चाहिए ताकि उनका मनोबल ऊंचा बना रहे। इस मसले का अनिवार्य रूप से समाधान होना चाहिए ताकि कर्मचारी राहत महसूस करें।

कुछ अलग

समतावाद के पैरोकार

आदमी शाम के झुटपुटे को तो रात नहीं, तो रात का आगाज कह दें लेकिन चढ़ते सूरज की रौशनी को हम अंधेरे की आमद कैसे कह देते? नहीं कह सके न, अतः अब उनके उपहास का पात्र हो गए हैं या उनके द्वारा खिल्ली उड़ाने के सामान हो गए हैं। सबसे पहले उन्होंने कुर्सी सम्भालते ही हमें हमारे फटीचर दिनों की जगह अच्छे दिन लाकर देने का वायदा किया था। अब इस फटीचर और उपेक्षित जिंदगी का बोझ ढोते हुए हमें अपनी जिंदगी घसीटने की आदत हो गई है। वायदे की छोड़ो। जानते हैं काफी अवसादग्रस्त माहौल हमने रच दिया है। सीधा सादा यह भी तो कह सकते थे कि आधी रात तक बत्ती जला-जला किताबों में मगजपच्ची करके हासिल की हुई डिग्रियां हमारे किसी काम नहीं आईं। इनके बगैर भी बहुत से लोग बेकार घूम रहे थे, इन्हें हासिल करके उनकी श्रेणी में ही चले आए। भरपेट खाने को अन्न न पहले मिलता था, न अब मिलता है। फिर एक जून भोजन और दूसरे जून ठंडा पानी पीकर जीने वाले लोगों की गिनती गरीबी रेखा से नीचे जीने वाले लोगों में होती है। आंकड़े बताते हैं, देश निरंतर प्रगति कर रहा है। गरीबी रेखा से नीचे जीने वालों का आंकड़ा निरंतर कम होता जा रहा है। भूखों को गिना तो आंकड़ा पहले से कम निकला। बस फिर क्या था, अच्छे दिन जल्द लौट आने की घोषणा कर दी गई। घोषणा करने में जाता ही क्या है? किसी को मनरेगा दे, बरस में सौ दिन काम मिलने को नौकरी की रेल पेल दे, बेकारी का खात्मा कह दिया। भूख से हायतौबा मचाते लोगों को फ्री लंगर की कतार में खड़ा कर दिया। कोहराम और बढ़ा, तो इस कतार की जिंदगी को लम्बा करने की घोषणा कर दी। दरिया दिल हैं इस बस्ती के लोग। ऐसे फ्री लंगर बांट-बांट कर वे भुखमरी खत्म करते हैं, और परिवार के एक व्यक्ति को रोजगार दे कहते हैं. लो जी बेकारी पर प्रहार हो गया। अब भला अच्छे दिन आने में देर ही कितनी है? लेकिन घोषणाएं तो घोषणाएं ही होती हैं। मनरेगा कार्ड फर्जीवाड़े के धुरंधरों ने हथिया लिया, और फ्री लंगर या रियायती दरों पर बंटने वाला अनाज लक्ष्य तक पहुंचा ही नहीं। पहुंचा तो बंटा नहीं, क्योंकि किसे देना है और किसे नहीं, इसी पर मतैक्य नहीं हो सका। लो राजनीति के चतुर सुजान तो गरीबी हटाओ के इन दावों से भरे अभियान की सफलता से प्रसन्न हो अपने नाती-पोत्रों के लिए गद्दियां सुरक्षित करने में लग गए। आखिर इस देश को सोने की चिड़िया भी तो बनाना है और देश की सूखी धरा पर दूध और घी की नदियों को भी बहाना है। शार्टकट संस्कृति के मसीहा अपने सार्थक हो जाने के प्रमाण जुटा रहे हैं। सोने की चिड़िया चहचहाने तो लगीं, लेकिन उनके पिंजरे बहुमंजिली इमारतों के गलियारों में लग गए। धीरे-धीरे ये चिड़ियां धरा पर उतर आएंगी और आपके कानों में फुसफुसाएंगी, 'लो हम आपके लिए अच्छे दिन ले आईं।' लेकिन अच्छे कामों का आम जन तक आने में वक्त लगता है, क्योंकि सही वक्त आने का इंतजार कर लें। चिड़ियां तब तक ऊंची मंजिलों पर चहचहाती रहें तो आपको दिक्कत क्या है? अब दिक्कत न आपको समझ आती है और न उसे आप बता पाते हो, तो चोर गलियों के मसीहा आपका उपहास ही उड़ाएंगे न। खिल्ली उड़ाते हुए कहेंगे, 'अजी हमने पूरा देश कार्पोरेट कर दिया, और इन्हें कार्पोरेट संस्कृति की कुछ खबर ही नहीं। कहते हैं लोग भूख और गरीबी से तंग आकर आत्महत्या कर रहे हैं, अब इन्हें कैसे बताएं कि मरने वाले दुसाध्य रोगों का शिकार थे।' लो कर लो बात, धनाढ्यों की आमदन तो सौ प्रतिशत बढ़ गई और आप जितना खाते थे, उससे भी गए। चिंता नहीं। समाजवाद उसके बाद ही शुरू होता है।

देश दुनिया से

राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रमः जानलेवा तम्बाकू का एक उपयोगी पहलू भी

तम्बाकू सेवन को मौत का पिछला दरवाजा माना जाता है। राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अभिलेखों के अनुसार देश में तम्बाकू जनित बीमारियों से प्रतिदिन औसतन 3500 लोगों की मौतें होती हैं। विश्व स्वास्थ संगठन (डब्लुएचओ) की एक रिपोर्ट के अनुसार 35 से अधिक उम्र के लोगों के तम्बाकू जनित बीमारियों के इलाज पर प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से 1.77 लाख करोड़ रुपये खर्च हुये थे। डब्लुएचओ की रिपोर्ट के अनुसार भारत में वर्ष 2019 में 12 लाख से अधिक लोगों की मौत तम्बाकू जनित बीमारियों के कारण हुयीं थीं जिनमें 2.40 लाख लोग धूम्रपान करने वालों के आसपास रहते थे। तम्बाकू की महामारी पर नियंत्रण करने के लिये भारत में 11वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान वर्ष 2007-08 में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम (एनटीसीपी) शुरू किया गया था जिस पर हर साल एक बड़ी रकम खर्च होती। इसी कार्यक्रम के तहत 2025 तक तम्बाकू उपभोग में 30 प्रतिशत कमी लाने का लक्ष्य रखा गया है। लेकिन इस बेहद डरावने सच के पीछे एक सच और भी है जो कि अक्सर चर्चा में नहीं आ पाता है। यह दूसरा सच तम्बाकू उत्पादन और अर्थव्यवस्था में इसके योगदान का है। भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अधीन कार्यरत गुण्टूर स्थित राष्ट्रीय तम्बाकू बोर्ड के अनुसार तम्बाकू भारत में उगाई जाने वाली महत्वपूर्ण व्यावसायिक फसलों में से एक है। यह प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 4.57 करोड़ लोगों को रोजगार प्रदान करता है। तम्बाकू बोर्ड के अनुसार राष्ट्रीय खजाने में 9,739.06 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा अर्जित कराता है। तम्बाकू बार्ड के रिकार्ड के अनुसार वर्ष 2022-23 के दौरान दुनिया में तम्बाकू के उत्पादन में भारत का प्रमुख स्थान रहा। 2021 के दौरान, भारत उत्पादन में चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा देश (एफएओ स्टेट डेटा, 2021) और दुनिया में अनिर्मित तम्बाकू का चैथा सबसे बड़ा निर्यातक (आईटीसी ट्रेडमार्क डेटा 2021) रहा। भारत फ्लू क्योर्ड वर्जीनिया तम्बाकू के विभिन्न प्रकार के उत्पादों का उत्पादन करता है, जो उनकी भौतिक और रासायनिक विशेषताओं में भिन्न होती हैं। बोर्ड के अनुसार भारत ने 2020 में 766,000 टन से अधिक पत्ती का उत्पादन किया। यह वैश्विक उत्पादन का 9 प्रतिशत है। भारत में प्रमुख तम्बाकू उत्पादक राज्यों में गुजरात, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और बिहार शामिल हैं। गुजरात, आंध्र प्रदेश और उत्तर प्रदेश देश के कुल उत्पादन में क्रमशः लगभग 45, 20 और 15 प्रतिशत का योगदान करते हैं। आर्थिक रूप से सबसे महत्वपूर्ण कृषि फसलों में से एक वणिज्य मंत्रालय के अधीन केन्द्रीय तम्बाकू अनुसंधान संस्थान राजामुन्द्री (सीटीआरआइ) की वेबसाइट में दिये गये विवरण के अनुसार तम्बाकू दुनिया में आर्थिक रूप से सबसे महत्वपूर्ण कृषि फसलों में से एक है। यह सूखा सहने वाली, कठोर और कम अवधि वाली फसल है जिसे ऐसी मिट्टी पर उगाया जा सकता है जहाँ अन्य फसलों की खेती लाभप्रद रूप से नहीं की जा सकती। भारत में तम्बाकू की फसल 45 हजार हेक्टेयर (शुद्ध खेती वाले क्षेत्र का 0.27 प्रतिशत) क्षेत्र में उगाई जाती है,

जिससे 75 करोड़ किलोग्राम तम्बाकू पत्ती का उत्पादन होता है। चीन और ब्राजील के बाद भारत क्रमशः दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातक है। फ्लू-क्योर्ड वर्जीनिया(एफसीवी)तम्बाकू का उत्पादन 20 हजार हेक्टेयर क्षेत्र से लगभग 30 करोड़ किलोग्राम है, जबकि 25 हजार हेक्टेयर क्षेत्र से 45 करोड़ किलोग्राम गैर तम्बाकू का उत्पादन होता है। वैश्विक परिदृश्य में, भारतीय तम्बाकू का क्षेत्रफल 10 प्रतिशत और कुल उत्पादन का 9 प्रतिशत है। भारत में तम्बाकू उत्पादन की अनूठी विशेषता यह है कि पूरे देश में फैली विविध कृषि-पारिस्थितिक स्थितियों के तहत फ्लू-क्योर्ड वर्जीनिया और विभिन्न प्रकार के गैर फ्ल्यू क्योर्ड वर्जीनिया तम्बाकू का उत्पादन किया जाता है। देश के लगभग 15 राज्यों में तम्बाकू की खेती की जाती है, जो कृषि समुदाय की अर्थव्यवस्था और समृद्धि को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करता है। भारत में प्रमुख तम्बाकू उत्पादक राज्यों में गुजरात, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और बिहार शामिल हैं। गुजरात, आंध्र प्रदेश और उत्तर प्रदेश देश के कुल तम्बाकू उत्पादन में क्रमशः लगभग 45, 20 और 15 प्रतिशत का योगदान करते हैं। कर्नाटक लगभग 8 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि शेष राज्य सामूहिक रूप से देश के कुल तम्बाकू उत्पादन का लगभग 2-3 प्रतिशत हिस्सा बनाते हैं। एफसीवी, बीड़ी, हुक्का, च्यूइंग, सिगार-रैपर, चेरूट, बर्ली, ओरिएंटल, एचडीबीआरजी, लंका, पिक्का, नाटू, मोतिहारी, जटी आदि देश में उगाए जाने वाले तम्बाकू के विभिन्न प्रकार हैं। एफसीवी, बर्ली और ओरिएंटल तम्बाकू प्रमुख निर्यात योग्य प्रकार हैं। राजामुन्द्री स्थित सीटीआरआइ के अनुसार 60 लाख किसान और तम्बाकू की खेती में जुड़े 2 करोड़ खेत मजदूर शामिल हैं। इसके अलावा 1 करोड़ लोग प्रसंस्करण, विनिर्माण और निर्यात में कार्यरत हैं। अकेले बीड़ी बनाने से 44 लाख लोगों को रोजगार मिलता है और 22 लाख आदिवासी तेंदू पत्ता संग्रह में शामिल हैं। मुख्य लाभार्थी छोटे और सीमांत किसान, ग्रामीण महिलाएं, आदिवासी युवा और समाज के कमजोर वर्ग हैं। तम्बाकू से प्रतिवर्ष 4,400 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा प्राप्त होती है, जो देश के कुल कृषि-निर्यात का 4 प्रतिशत है, तथा 14,000 करोड़ रुपये उत्पाद शुल्क राजस्व के रूप में प्राप्त होते हैं, जो सभी स्रोतों से प्राप्त कुल उत्पाद शुल्क राजस्व का 10 प्रतिशत से अधिक है। भारतीय तम्बाकू को 'पैसे के लिए मूल्य' माना जाता है। भारत तम्बाकू के प्रमुख निर्यातकों में से एक है, तथा ब्राजील के बाद दूसरे स्थान पर है। विश्व तम्बाकू व्यापार में देश की हिस्सेदारी मात्रा के हिसाब से 6 प्रतिशत तथा मूल्य के हिसाब से 0.7 प्रतिशत है तथा हमारे निर्यात का 80-85प्रतिशत हिस्सा अकेले फ्लू-क्योर्ड वर्जीनिया (एफसीवी) का है। पिछले पांच वर्षों के दौरान, तम्बाकू तथा तम्बाकू उत्पादों के निर्यात में क्रमशः मात्रा और मूल्य के हिसाब से 76 प्रतिशत तथा 209 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यू.के., जर्मनी, बेल्जियम, तत्कालीन सोवियत संघ, दक्षिण कोरिया तथा दक्षिण अफ्रीका भारतीय एफसीवी तम्बाकू के प्रमुख आयातक हैं, जो हमारे निर्यात का 60 प्रतिशत से अधिक हिस्सा हैं।

विश्व स्वास्थ संगठन (डब्लुएचओ) की एक रिपोर्ट के अनुसार 35 से अधिक उम्र के लोगों के तम्बाकू जनित बीमारियों के इलाज पर प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से 1.77 लाख करोड़ रुपये खर्च हुये थे। डब्लुएचओ की रिपोर्ट के अनुसार भारत में वर्ष 2019 में 12 लाख से अधिक लोगों की मौत तम्बाकू जनित बीमारियों के कारण हुयीं थीं जिनमें 2.40 लाख लोग धूम्रपान करने वालों के आसपास रहते थे। तम्बाकू की महामारी पर नियंत्रण करने के लिये भारत में 11वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान वर्ष 2007-08 में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम (एनटीसीपी) शुरू किया गया था जिस पर हर साल एक बड़ी रकम खर्च होती।

आप का नजरिया

नड्डा से मांगता है हिमाचल

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे जगत प्रकाश नड्डा के पास फिर से केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय लौट आया है। एक बड़ा विभाग जो जनता के करीब और स्वास्थ्य बीमा योजना के कारण अजीज भी है, फिर भी मोदी मंत्रिमंडल को अपने समीप पाने के लिए नड्डा का आरोहण याद दिलाता रहेगा कि केंद्र से संसाधनविहीन हिमाचल की झोली कितनी भरती है। एक तरह से वह हिमाचली आरजू बनकर उभरे हैं, भले ही राज्यसभा सदस्य के नाते उनसे गुजरात की भी आशाएं रहेंगी, लेकिन बतौर मंत्री उनके दायित्व से प्रदेश के सरोकार परिमार्जित होना चाहेंगे। बेशक बिलासपुर एम्स जैसा ड्रीम प्रोजेक्ट उनके राजनीतिक करियर का प्रतिष्ठित मंच रहा है और आइंदा भी इसके विस्तार में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की भुजाएं प्रयास करेंगी, लेकिन यहां केंद्र के पास बंधक हिमाचली अधिकारों, आशाओं और डबल इंजन सरकार के दौर का साम्राज्य चिन्हित होकर देख रहा है। इसमें दो राय नहीं कि बल्क ड्रग पार्क और मेडिकल डिवाइस पार्क जैसी परिकल्पनाओं में जयराम सरकार को मिली सफलता की एक बड़ी भूमिका जगत प्रकाश नड्डा की रही है। तब वह मंत्री नहीं सत्तारूढ़ दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे। राज्य से उनका नाता जयराम और उनकी सरकार को मजबूत करता रहा है, लेकिन अब वह मोदी सरकार में सरकार है। इसमें दो राय नहीं कि हमीरपुर संसदीय क्षेत्र इस समय अपने भाग्योदय में सबसे उत्तम स्थिति के ग्रह गोचर लिए हुए है। इस क्षेत्र से केंद्र में दो सांसद, एक मंत्री, राज्य के मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री संबंध रखते हैं यानी एक साथ केंद्र व राज्य की ऊर्जा अगर काम करे, तो कम से कम हमीरपुर संसदीय क्षेत्र तो अपनी योजनाओं-परियोजनाओं को बेहतर शक्ल दे सकता है। जाहिर तौर पर इसी भूखंड पर हिमाचल की सियासत का सबसे बड़ा बंटवारा भी हो रहा है। अगर भाजपा पूरी शिद्दत से लोकसभा की जमीन ले गई, तो मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने उपचुनावों में विपक्ष का सियासी असला छीन लिया है। अब पुनः निर्दलीयों के कारण चुनाव बगावती है, तो हमीरपुर संसदीय क्षेत्र में राजनीति फिर से इतिहास लिखेगी। बहरहाल केंद्रीय मंत्री के तौर पर मोदी सरकार की गोदी में हिमाचल को आर्थिक सुकून चाहिए। हैं फाइलें बहुत सी तेरे ही दामन में, हम तो सिर्फ नसीब वापस मांगते हैं। जाहिर है केंद्रीय मंत्री का किरदार हिमाचल को मिल जाए तो आत्मनिर्भरता के प्रश्नों को कहीं तो संबोधन मिलेगा। पर्यटन के रास्ते और पानी के वास्ते केंद्र सरकार के हुक्म की रत्तीभर तामील भी हमें राहत दे सकती है। जब शांता कुमार ने नरसिम्हा राव सरकार से जल विद्युत उत्पादन के बदले मुफ्त बिजली की रॉयलटी हासिल की थी, तो केंद्र के हुक्म की तामील हुई थी। जब प्रेम कुमार धूमल अटल सरकार से औद्योगिक पैकेज लाए थे तो भी हुक्म की तामील हुई थी। बेशक नड्डा व अनुराग भी सौगातें लाए, मगर इनके दायरे में पूरे हिमाचल का हिसाब अभी पूरा नहीं हुआ है। यह दीगर है कि केंद्र से विभिन्न सडक़ परियोजनाओं को गति मिलती है तो नड्डा का ड्रीम प्रोजेक्ट शिमला-धर्मशाला फोरलेन परियोजना के सुर तान छेड़ेंगे।

पापुआ न्यू गिनी ने राहत सहायता भेजने पर भारत का किया हार्दिक धन्यवाद

नई दिल्ली/पोर्ट मोरेस्बी, 14 जून (एजेंसियां)।

भूस्खलन प्रभावित पापुआ न्यू गिनी को भारत की ओर से भेजी गयी 10 लाख अमेरिकी डॉलर की राहत सहायता शुक्रवार को पोर्ट मोरेस्बी हवाई अड्डे पर पहुंची, जहां उपस्थित पापुआ न्यू गिनी के विदेश एवं रक्षा मंत्रियों सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने सहायता के लिए भारत का आभार व्यक्त किया।

पोर्ट मोरेस्बी में भारतीय उच्चायोग ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भारतीय उच्चायुक्त इनबासेकर एस ने विदेश मंत्री जस्टिन तकाचेंको को राहत सामग्री सौंपी। उसने कहा, एंगा प्रांत में भूस्खलन के पीड़ितों के लिए भारत से 10 लाख अमेरिकी डॉलर की एचएडीआर राहत सहायता पोर्ट मोरेस्बी हवाई अड्डे पर पहुंची, जिसे पापुआ न्यू गिनी के विदेश मंत्री तकाचेंको और रक्षा मंत्री बिली जोसेफ सहित कई गणमान्य अधिकारियों ने प्राप्त किया। उच्चायुक्त इनबासेकर एस. ने राहत सामग्री श्री तकाचेंको को सौंपी, जिन्होंने समय पर मदद के लिए भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर को बधाई दी। राहत सामग्री जल्द ही वाबाग भेजी जाएगी। विश्वबंधु सक्रिय हैं।

विदेश मंत्री जस्टिन तकाचेंको ने इस कदम के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, डॉ. जयशंकर और भारत के लोगों को धन्यवाद दिया। उन्होंने एक्स पर लिखा, श्री मोदी, डॉ. जयशंकर, पापुआ न्यू गिनी में भारतीय उच्चायोग और भारत के लोगों को धन्यवाद। हम सुनिश्चित करेंगे कि भूस्खलन से तबाह हुए मैप मुलीताका क्षेत्र, एंगा प्रांत के लिए भारत की 10 लाख अमेरिकी डॉलर की राहत सहायता हमारे लोगों तक पहुंचे। भारत को दिल की गहराइयों से धन्यवाद।

गुरुवार को भारत ने भूस्खलन प्रभावित पापुआ न्यू गिनी को टेंट, पानी के टैंक, स्वच्छता किट, खाने के लिए तैयार भोजन और दवाइयों सहित 19 टन राहत सामग्री भेजी। सहायता में आपातकालीन उपयोग की दवा, डेंगू और मलेरिया निदान किट सहित चिकित्सा उपकरण, शिशु आहार आदि भी शामिल हैं। पापुआ न्यू गिनी के एंगा क्षेत्र में 24 मई को भारी भूस्खलन हुआ, जिसमें 2,000 से अधिक लोग जिंदा दफन हो गए।

नेपाल में भूस्खलन से चार लोगों की मौत

काठमांडू, 14 जून (एजेंसियां)। पूर्वोत्तर नेपाल के तापलेजंग जिले में गुरुवार रात भूस्खलन से एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गयी। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक फाक्टांगलुंग ग्रामीण नगर पालिका में एक दंपति और उनकी जुड़वां बेटियों की घर के मलबे में दब जाने से मौत हो गई। ग्रामीण नगर पालिका के अध्यक्ष राजन लिम्बु ने बताया कि सभी चारों की मौके पर ही मौत हो गई। उनके शव शुक्रवार सुबह बरामद किए गए। रिपोर्ट के मुताबिक परिवार द्वारा पाली गई लगभग 50 बकरियां और 10 से अधिक मुर्गियां भी इस आपदा की शिकार हो गयीं। नेपाल में वर्षाजनित आपदाएं आम हैं और नेपाली अधिकारियों का अनुमान है कि इस वर्ष 10.8 लाख से अधिक लोग प्रभावित हो सकते हैं।

पहला कालम

नमस्ते इटली: जी7 में 'नमस्ते' से मेहमानों का वेलकम कर जार्जिया मेलोनी ने जीता दिल

रोम। इटली में इस समय जी-7 समिट चल रही है। समिटमें भाग लेने के लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत दुनिया के कई देशों के नेता इटली पहुंचे हुए हैं। इटली के अपुलिया में हो रहे जी-7 आउटरीच शिखर सम्मेलन में पहुंचे नेताओं का मेजबान इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी ने स्वागत किया। इस दौरान मेलोनी का नमस्ते करना भारतीयों का दिल जीत ले गया। इटली की पीएम प्रधान मंत्री ने कई देशों के प्रतिनिधियों और सरकार के प्रमुखों का नमस्ते करते हुए स्वागत किया। मेलोनी के शिखर सम्मेलन के उद्घाटन के दिन यूरोपीय संघ प्रमुख उसुर्ला वॉन डेर लेयेन का स्वागत हाथ जोड़कर करते देखा गया। जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज को भी मेलोनी नमस्ते करते हुए दिख रही हैं। मेलोनी के इस अंदाज ने उनके भारतीय पीएम के साथ अच्छे संबंधों को भी याद दिलाया है। जी-7 समिट में हिस्सा लेने के लिए भारतीय पीएम नरेंद्र मोदी भी इटली गए हुए हैं। पीएम मोदी ने कहा है कि सरकार भारत-इटली रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने और भारत-प्रशांत तथा भूमध्यसागरीय क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। पीएम मोदी ने कहा कि तीसरे कार्यकाल में उनकी पहली यात्रा जी-7 शिखर सम्मेलन के लिए हो रही है, इससे वह खुश हैं।। इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने पिछले साल भारत की दो यात्राएं की थीं, जिसने दोनों देशों के रिश्तों में बेहतरी आई। भारत जी-7 का सदस्य नहीं है लेकिनआमंत्रित सदस्य के तौर पर समिट में हिस्सा ले रहा है।

जी7 सम्मेलन में अजीबोगरीब हरकत करने लगे बाइडन, ऐक्शन में आई इटली की पीएम

रोम। इटली में इस समय जी-7 समिट चल रही है। इसमें भाग लेने के लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत दुनिया के कई देशों के नेता इटली पहुंचे हुए हैं। इटली के अपुलिया में हो रहे जी-7 आउटरीच शिखर सम्मेलन से नेताओं की मिलने जुलने की कई तरह की तस्वीरें सामने आ रही हैं लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के एक वीडियो ने खासतौर से लोगों का ध्यान खींचा है। इस वीडियो में बाइडन का बर्ताव कुछ ऐसा है कि इटली की पीएम जार्जिया मेलोनी को आगे बढ़कर उनको संभालना पड़ा। गुरुवार को जी7 शिखर सम्मेलन के लिए इटली पहुंचने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन को इतालवी पीएम जार्जिया मेलोनी को अजीब तरह से सैल्युट करते देखा गया। इसके बाद फोटो खिंचवाते हुए वह नेताओं के ग्रुप से अलग चल दिए। बाइडन के इटली से जो वीडियो सामने आए हैं। उनमें बाइडन मेलोनी से मिलने के लिए धीरे-धीरे मंच की ओर बढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। दोनों एक-दूसरे को गले लगाते हैं और कुछ क्षणों तक बात करते हैं, इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति अपने माथे की तरफ हाथ उठाते हुए उन्हें सेल्युट करते हुए चले जाते हैं। एक दूसरे वीडियो में 81 साल के बाइडन को तमाम दूसरे नेताओं के ग्रुप को छोड़कर दूसरी ओर जाते हुए दिख रहे हैं। बाइडन के एक अलग दिशा में चल देने पर जैसे ही इटली की पीएम मेलोनी का ध्यान जाता है तो वो उनके पास पहुंचती हैं और उनको पकड़ते हुए वापस ग्रुप में लाती हैं। जो बाइडन की सेहत पर अमेरिका की उनकी विरोधी पार्टी रिपब्लिकन की ओर से हाल के दिनों में लगातार सवाल उठाए हैं। रिपब्लिकन ने व्हाइट हाउस में एक संगीत प्रदर्शन के दौरान करीब एक मिनट तक उनके चुप खड़े रहने पर सवाल उठाया था। इटली से वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने बाइडन की सेहत पर सवाल किया है। यूजर्स ने जानना चाहा है कि क्या बाइडन दिमागी और शारीरिक तौर पर पूरी तरह से फिट हैं। समिट में हिस्सा लेने के लिए भारतीय पीएम नरेंद्र मोदी भी इटली पहुंच गए हैं। अपनी यात्रा पहले मोदी ने कहा कि सरकार भारत-इटली रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने और भारत-प्रशांत तथा भूमध्यसागरीय क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। पीएम मोदी ने कहा कि उन्हें खुशी है कि लगातार तीसरे कार्यकाल में उनकी पहली यात्रा जी-7 शिखर सम्मेलन के लिए हो रही है। इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी की पिछले साल भारत की दो यात्राएं द्विपक्षीय एजेंडे में गति और मजबूती लाने में सहायक रही हैं।

रूस ने अपने युद्धपोतों और पनडुब्बी के क्यूबा पहुंचने पर अमेरिकी चिंताओं को खारिज कर दिया है। रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा है कि कुछ देश कूटनीतिक संकेतों को नहीं समझते हैं।

क्यूबा में रूसी युद्धपोतों की मौजूदगी पर क्या बोला क्रेमलिन, अमेरिका का उड़ाया मजाक

मॉस्को, 14 जून (एजेंसियां)।

रूस ने कहा कि अमेरिका को क्यूबा में रूसी युद्धपोतों के बारे में चिंतित नहीं होना चाहिए। दरअसल, रूसी युद्धपोतों के क्यूबा पहुंचने से अमेरिका बेचैन है। पश्चिम समर्थिक मीडिया इसे दूसरा क्यूबा संकट करार दे रहा है। इस पर रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा कि पश्चिम रूस से किसी भी कूटनीतिक संकेत के प्रति बहरा दिखाई दिया और केवल तभी उसने ध्यान दिया जब सेना या नौसेना ने कार्रवाई की। बुधवार को हवाना बंदरगाह में रूसी नौसेना का एक फ्रिगेट और एक परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बी ने प्रवेश किया। अमेरिका और क्यूबा ने कहा कि इससे कोई खतरा नहीं है, लेकिन इसे व्यापक रूप से रूस के बल प्रदर्शन के रूप में देखा गया।

क्रेमलिन ने क्या कहा

अमेरिकी एनएसए जेक सुलिवन ने कहा कि रूस द्वारा क्यूबा को कोई मिसाइल हस्तांतरित करने का कोई सबूत नहीं है, लेकिन अमेरिका सतर्क रहेगा। रूस द्वारा क्यूबा में सैन्य कर्मियों को स्थानांतरित करने या यहां तक कि द्वीप पर एक सैन्य अड्डा बनाने के डर से वाशिंगटन में कथित घबराहट के बारे में पूछे जाने पर, क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि इस तरह की कवायद आम बात है। ''इसलिए हमें चिंता करने का कोई कारण नहीं दिखता।'' जब पूछा गया कि मास्को क्या संकेत भेज रहा है, तो विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता ने कहा: ''केवल हमारी सेना और नौसेना से संबंधित संकेत ही पश्चिम तक क्यों पहुंचते हैं?''

क्यूबा में कितने रूसी युद्धपोत ठहरे हैं

बुधवार को एक रूसी पनडुब्बी सहित चार रूसी जहाज क्यूबा पहुंचे हैं और फ्लोरिडा के तट से सिर्फ.200 मील की दूरी पर स्थित हैं। इन विशाल जहाजों को हवाना खाड़ी में आते देखा गया और क्यूबा के लोगों ने 21 तोपों की सलामी के साथ उनका स्वागत किया। नौसेना के बेड़े में एक फ्रिगेट, एक परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बी, एक तेल टैंकर और एक बचाव दल शामिल है। इन विशाल रूसी जहाजों की तस्वीरें लेने के लिए कतार में खड़े कई क्यूबाई लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका स्वागत किया। ये जहाज क्यूबा और रूस के बीच संयुक्त नौसैनिक अभ्यास का हिस्सा होंगे, जो दो दीर्घकालिक सहयोगी हैं।

क्यूबा पहुंची रूसी पनडुब्बी को जानें

पनडुब्बी की पहचान कजान के रूप में की गई है, जो याजेन क्लास की परमाणु ऊर्जा से चलने वाली क्रूज मिसाइल पनडुब्बी है। यह आम तौर पर जिरकॉन हाइपरसोनिक मिसाइलों से लैस होती है। रूसी सरकार की समाचार एजेंसी टीएएसएस ने बताया कि यह स्पष्ट नहीं है कि पनडुब्बी में वर्तमान में ये हथियार हैं या नहीं। हालांकि, अमेरिका और क्यूबा के अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि किसी भी जहाज पर कोई परमाणु हथियार नहीं है।

अमेरिका की चिंताएं क्या हैं

अमेरिका ने आधिकारिक तौर पर रूस के साथ इस मुद्दे को नहीं उठाया है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जैक सुलिवन ने बुधवार को पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि अमेरिका स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है और क्यूबा में किसी भी मिसाइल के हस्तांतरण का कोई सबूत नहीं है। कई विश्लेषकों ने बताया है कि यह क्षेत्र में रूस का 'शक्ति प्रदर्शन' हो सकता है और यह अमेरिका द्वारा यूक्रेन को रूस में अमेरिकी निर्मित हथियार लॉन्च करने की अनुमति देने के निर्णय से पहले हुआ है।

वेनेजुएला जा सकते हैं रूसी युद्धपोत

क्या यह पहली बार है कि रूसी क्यूबा में अपने जहाज डॉक कर रहे हैं? रूस 2008 से क्यूबा के साथ संयुक्त नौसैनिक अभ्यास कर रहा है। समाजवादी अर्थव्यवस्था वाले ये दोनों देश लंबे समय से सहयोगी रहे हैं। फिलहाल ऐसी कोई योजना नहीं है कि रूसी जहाज इस क्षेत्र में किसी दूसरे देश का दौरा करेंगे। हालांकि, अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि ये जहाज अपने घरेलू बेस पर वापस जाने से पहले वेनेजुएला का दौरा कर सकते हैं।

इमरान खान और शाह महमूद कुरैशी को बड़ी राहत, पाकिस्तानी कोर्ट ने तोड़फोड़ के मामले में किया बरी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की एक अदालत ने जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान, उनके सहयोगी शाह महमूद कुरैशी और पूर्व मंत्री शेख राशिद को तोड़फोड़ के एक मामले में बृहस्पतिवार को बरी कर दिया। यह मामला 2022 में तोड़फोड़ और पाकिस्तान दंड संहिता की धारा 144 के उल्लंघन में कथित संलिप्तता के आधार पर इस्लामाबाद के आई-9 थाने में दर्ज किया गया था। धारा 144 के तहत रैलियों पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

न्यायिक मजिस्ट्रेट मलिक मोहम्मद इमरान ने फैसला सुनाते हुए तीन वरिष्ठ नेताओं के साथ-साथ पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के दो और नेताओं - सदाकत अब्बासी और अली नवाज अवान को बरी कर दिया। यह फैसला पूर्व प्रधानमंत्री और उनके सहयोगियों के लिए राहत की बात है। उनके खिलाफ अप्रैल 2022 में अविश्वास प्रस्ताव के जरिए खान की सरकार गिराए जाने के बाद कई मामले दर्ज किए गए थे। पार्टी ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया और मई 2022 में एक बड़ी रैली निकाली, जिसका नेतृत्व खान ने किया और उनके हजारों कार्यकर्ता इसमें शामिल हुए। जैसे ही प्रदर्शनकारियों ने इस्लामाबाद में प्रवेश किया, छोटे पैमाने पर हिंसा भड़क उठी और संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया गया।

इस्लामाबाद पुलिस ने संघीय राजधानी में आगजनी और तोड़फोड़ के आरोपों को लेकर 27 मई 2022 को खान के साथ-साथ पार्टी के अन्य नेताओं सहित 150 लोगों के खिलाफ अलग-अलग मामले दर्ज किए। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के 71 वर्षीय संस्थापक मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद से पिछले साल अगस्त से जेल में हैं।

दोहा, 13 जून (एजेंसियां)।

शहर के दक्षिण में मंगफ में 196 प्रवासी श्रमिकों को रखने वाली इमारत में आग लगने से 50 अन्य घायल हो गए।

कुवैत अग्निकांड: खामियों से भरी थी कुवैत में 45 भारतीयों की जान लेने वाली बिल्डिंग, जांच में बड़ा खुलासा

कुवैत सिटी, 14 जून (एजेंसियां)। कुवैत में आग लगने की घटना में 45 भारतीयों की मौत हो गई। इसकी शुरूआती जांच में अब बड़ी खामियों का खुलासा हुआ है। सात मंजिला इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर दो दर्जन गैस सिलेंडर, कागज, कार्डबोर्ड और प्लास्टिक जैसी ज्वलनशील चीजें रखी हुई थीं। कमरों को बांटने के लिए इनका इस्तेमाल किया गया था। रिपोर्ट में कहा गया कि छत पर ताला लगा था, जिस कारण श्रमिक भाग नहीं सके। ये जानकारी तब सामने आई है जब दुर्घटना में जिंदा बचे लोगों से भारतीय दूतावास के अधिकारियों ने मुलाकात की और कुवैती जांचकताओं ने आग लगने की घटना की जांच शुरू की।

कुवैती अधिकारियों के मुताबिक 49 मृतकों में से 45 की पहचान भारतीय और तीन की फिलीपींस के नागरिक के रूप में की गई है। एक शव की पहचान अभी भी नहीं हो सकी है। कुवैत शहर के दक्षिण में मंगफ में 196 प्रवासी श्रमिकों को रखने वाली इमारत में आग लगने से 50 अन्य घायल हो गए। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने कुवैत में भारतीय राजदूत आदर्श स्वाइका के साथ जिंदा बचे लोगों और कुवैती सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की।

पूरे बिल्डिंग में फैल गई आग

रिपोट्र्स के मुताबिक आग लगने का संभावित कारण ग्राउंड फ्लोर पर शॉर्ट-सर्किट प्रतीत होता है, जो वहां रखे दो दर्जन गैस सिलेंडरों के कारण और भी ज्यादा बढ़ गया। आग तेजी से फैल गई, क्योंकि कमरे में पर्याप्त ज्वलनशील पदार्थ थे। कार्डबोर्ड, कागज और प्लास्टिक का इस्तेमाल भीड़भाड़ वाले कमरों को अलग करने के लिए किया गया था, जहां इमारत के हर कमरे में एक दर्जन से ज्यादा लोग रह रहे थे। आग तेजी से फैली और धुआं इमारत के भूतल और ऊपरी मंजिल के कमरों में भर गया। ऊपरी मंजिल पर मौजूद लोगों ने छत पर जाने की कोशिश की लेकिन दरवाजा बंद होने के कारण मजदूर आग में फंस गए। रिपोर्ट के मुताबिक ज्यादा जगह बनाने के लिए बिल्डिंग को अंदर से बदल दिया गया और कुवैत में बिल्डिंग कोड का उल्लंघन हुआ। इससे फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों को भी मुश्किल हुई। यह कुवैत के रिहायशी इमारतों में सबसे भयानक आग मानी जा रही थी। अधिकारियों ने बिल्डरों और भवन मालिकों के खिलाफ कार्रवाई करना शुरू कर दिया है।

विद्रोहियों की बढ़ती ताकत को देखते हुए अंदाजा लगाया जा रहा है कि जल्द ही रंगून और नेपीता जैसे शहरों पर भी उनका कब्जा हो जाएगा।

म्यांमार में विद्रोहियों की बल्ले-बल्ले, चीन सीमा पर आखिरी चौकी कब्जाई, भाग खड़ी हुई सेना

रंगून, 14 जून (एजेंसियां)।

म्यांमार के सैन्य शासन ने काचिन और उत्तरी शान राज्य में चीन के साथ सभी सीमा व्यापार मार्गों पर नियंत्रण खो दिया है। इन मार्गों पर अब काचिन इंडिपेंडेंस आर्मी (केआईए) ने कब्जा जमा लिया है। म्यांमार की जुंटा सि ́सदुंग शहर पर कब्जा जमाए हुए थी, जहां से विद्रोहियों ने उन्हें खदेड़ दिया है। सदुंग टेक्टिकल कमांड उन 10 सैन्य जुंटा ठिकानों में से एक है, जिन्हें केआईए ने मंगलवार को काचिन राज्य के वैनगमॉ टाउनशिफ में सीमा व्यापार कनपिकेटी की सड़क पर अपना आक्रमण शुरू करने के बाद से कब्जा कर लिया है। कनपिकेटी में जुंटा सैनिक अब चारों ओर से घिर गए हैं, क्योंकि आसपास के सभी मार्गों पर विद्रोही केआईए के लड़ाकों का सख्त पहरा है।

अप्रैल में, केआईए सैनिकों ने सड़क मार्ग से सदुंग से 310 किलोमीटर दक्षिण में काचिन सीमा व्यापार शहर ल्वेलगेल पर कब्जा कर लिया। इस सप्ताह एक सैन्य पर्यवेक्षक ने बताया था, ''अब यह कहना उचित है कि काचिन राज्य में सभी सीमा व्यापार द्वार केआईए के हाथों में आ गए हैं। न तो चीन और न ही म्यांमार पक्ष केआईए की मंजूरी के बिना सीमा व्यापार कर सकता है।'' इस सप्ताह केआईए बलों द्वारा जब्त की गई अन्य जुंटा चौकियों में वैनगमाव-सदुंग-कनपिकेटी और वैनगमाव-चिपवे-

सॉला सड़कों के जंक्शन पर एक चौकी और ब्वांग ताउंग हिल और लाफई गांव में स्थित चौकियां शामिल हैं।

सीमा चौकियों को छोड़कर भाग रहे म्यांमार के सैनिक

केआईए के प्रवक्ता कर्नल नॉ बु ने कहा कि जुंटा से जुड़े बॉर्डर गार्ड फोर्स के कर्मियों ने हमले के दौरान छह अन्य चौकियों को छोड़ दिया। उन्होंने कहा, ''हमने चार चौकियों पर कब्जा कर लिया और छह अन्य से कब्जाधारी भाग गए। हमने अब वैनगमाव से लाफई तक की सड़क पर नियंत्रण कर लिया है। हमने अभी तक लाफई से कनपिकेटी तक के क्षेत्र पर कब्जा नहीं किया है, लड़ाई जारी है और सड़क अभी भी यात्रा के लिए असुरक्षित है। लड़ाई बंद होने पर परिवहन फिर से शुरू हो सकता है। हम माल के प्रवाह को बाधित नहीं करेंगे।'' म्यांमार में चीनी हितों पर एक स्वतंत्र शोधकर्ता इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रैटेजी एंड पॉलिसी म्यांमार के अनुसार, कनपिकेटी के माध्यम से दैनिक सीमा व्यापार लगभग 400,000 अमेरिकी डॉलर और ल्वेलगेल के माध्यम से लगभग 350,000 डॉलर का है। 2021 के तख्तापलट के बाद दलबदल करने वाले पूर्व सेना कप्तान जिन याव ने कहा: ''केआईए चीन के साथ सीमा द्वारों को निशाना बना रहा है। इसने ल्वेलगेल पर कब्जा कर लिया है। जब कनपिकेटी गिरेगी तो सेना काचिन राज्य में सभी सीमा व्यापार द्वार खो देगी।''

कनपिकेटी शहर पर मंडराया खतरा

लाफई गांव पर कब्जा करने के बाद, केआईए सैनिकों को अभी भी कनपिकेटी की सड़क पर आगे बढ़ना है, जो कि सिर्फ. 16 किलोमीटर दूर है। कनपिकेटी की सुरक्षा सिन क्यांग गांव में बॉर्डर गार्ड फोर्स (बीजीएफ) बटालियन 1003 द्वारा की जाती है।

सूर्या ने दिखाया कि वे अलग शैली में भी खेल सकते है: रोहित

न्यूयॉर्क

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि सूर्यकुमार यादव ने अमेरिका के खिलाफ मुकाबले में अनुभवी खिलाड़ी की तरह एक अलग शैली का खेल दिखाया है। मैच के बाद रोहित ने सूर्यकुमार की बल्लेबाजी को लेकर कहा, ''उन्होंने दिखाया कि वह एक अलग तरह की शैली के साथ भी बल्लेबाजी कर सकते हैं। आप अनुभवी खिलाड़ियों से यही उम्मीद करते हैं। मैदान पर उतरने के बाद अक्सर आप परिस्थितियों के हिसाब से बल्लेबाजी करने का प्रयास करते हैं। सूर्यकुमार ने आज कुछ वैसा ही किया। सूर्यकुमार और शिवम दुबे के बीच हुई, 67 रनों की साझेदारी हमारे लिए अहम थी। अंत में वह हमें जीत तक लेकर गए और यह एक शानदार प्रयास था।''उन्होंने कहा, ''हम जानते थे कि ये 111 रन हमारे लिए मुश्किल चुनौती है, लेकिन इसका श्रेय हमें जाता है। अंत में हमनें संयम बरता और साझेदारी भी की। शुरुआत में हमने विकेट खोए लेकिन इसका श्रेय सूर्यकुमार और शिवम को जाता है जिन्होंने परिपक्वता दिखाई और हमें जीत तक लेकर गए।''

रोहित ने दुबे के ऑलराउंड प्रदर्शन पर कहा, ''हम चाहते हैं कि हमारे पास इसी तरह के विकल्प मौजूद हों। हालांकि एक बात यह भी है कि हमें पता होना चाहिए कि हमें कहां उनका प्रयोग कर सकते हैं। आज मुझे लगा कि हम उनका उपयोग कर सकते हैं, क्योंकि पिच उस तरह की ही थी।'' उन्होंने कहा, ''हम जानते थे कि गेंदबाजों को सामने से हमारी टीम को नेतृत्व करना होगा। हमें पता था कि इस पिच पर रन बनाना मुश्किल है। दोबारा कहूंगा कि हमारे गेंदबाजों ने शानदार काम किया। जिस तरह से उन्हें रन बनाने से रोका वह देखना शानदार था। यहां पर क्रिकेट खेलना आसान नहीं है। यह किसी भी मैच में किसी के साथ भी हो सकता है।'' उन्होंने कहा, ''तीनों ही मैचों में यहां पर हमें अंत तक डटे रहना था और खेल को गहराई तक लेकर जाना था। हम खुशकिस्मत रहे कि तीनों ही मैच जीते, जिससे हमें बहुत आत्मविश्वास मिला है।''

अमेरिका के खिलाफ मोहम्मद सिराज बने 'बेस्ट फील्डर'

न्यूयार्क

मोहम्मद सिराज ने यूएसए के खिलाफ सात विकेट की जीत में अपने शानदार प्रदर्शन के लिए 'फील्डर ऑफ द मैच' का पदक जीता। भारत ने बुधवार को टूर्नामेंट में जीत की हैट्रिक पूरी की। यूएसए के खिलाफ मैच के बाद सिराज को 'बेस्ट फील्डर' चुना गया। फील्डिंग कोच दिलीप ने ऋषभ पंत, मोहम्मद सिराज और सूर्यकुमार यादव को इस अवार्ड के लिए नामित किया। दरअसल, इन तीनों खिलाड़ियों ने इस मुकाबले में शानदार फील्डिंग की थी।इस मौके पर युवराज सिंह खास मेहमान के तौर पर ड्रेसिंग रूम में पहुंचे। उन्होंने सिराज को बेस्ट फील्डर के रूप में चुना।

स्टॉप क्लॉक पेनाल्टी का पहला शिकार बना संयुक्त राज्य अमेरिका

न्यूयॉर्क

टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में खेल की गति की बढ़ाने की मंशा से लाए गए स्टॉप क्लॉक नियम का पहला शिकार संयुक्त राज्य अमेरिका की टीम बनी है। न्यूयॉर्क में टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में भारत के खिलाफ़ खेले गए मैच में संयुक्त राज्य अमेरिका को पेनाल्टी के तौर पर पांच अतिरिक्त रन देने पड़ गए। यह पेनाल्टी तीन बार ओवर को समय पर शुरू ना करने की वजह से लगाई जाती है। जिस समय संयुक्त राज्य अमेरिका पर यह पेनाल्टी लगी, वह मैच का बेहद अहम मोड़ था। पिच बल्लेबाज़ी के लिए आसान नहीं थी और भारत को अंतिम पांच ओवर में जीत के लिए 35 रन बनाने थे। लेकिन पेनाल्टी लागू होने के बाद अब भारत को 30 रनों की ही ज़रूरत थी। स्टॉप क्लॉक का नियम 1 जून से ही पुरुष एकदिवसीय और टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में लागू किया जा चुका है।नियमों के मुताबिक पिछले ओवर की समाप्ति और नए ओवर की शुरुआत के बीच एक मिनट से अधिक समय बर्बाद नहीं होना चाहिए। अगर एक पारी में ऐसा तीसरी बार होता है तब गेंदबाज़ी टीम पर पांच रनों की पेनाल्टी लगाई जाएगी। इस नियम को लागू करने से पहले अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद

ने इसका प्रयोग भी किया था और वह इस नियम से काफ़ी संतुष्ट थी। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद का मानना था कि इस नियम के लागू होने से खेल समय पर पूरा हो सकेगा। जिस समय संयुक्त राज्य अमेरिका पर पेनाल्टी लगाई गई उस समय अंपायर संयुक्त राज्य अमेरिका के कप्तान ऐरन जोंस को इस नियम के बारे में समझाते हुए नज़र आ रहे थे। अंत में भारत ने यह मैच 10 गेंद शेष रहते सात विकेटों से जीत लिया। भारत तीन जीत के साथ अगले दौर में प्रवेश कर चुका है। संयुक्त राज्य अमेरिका के भाग्य का फैसला उसके अंतिम मैच में होगा। संयुक्त राज्य अमेरिका को यह उम्मीद करनी होगी वह अपना अंतिम मैच आयरलैंड से जीते। हालांकि अगर वो मैच बारिश की भेंट भी चढ़ जाता है तब भी पाकिस्तान के जीतने की स्थिति में भी संयुक्त राज्य अमेरिका अगले दौर में प्रवेश कर जाएगा।

अगर जानबूझ कर ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को विश्वकप से बाहर करना चाहा तो मार्श पर लगेगा बैन

न्यूयार्क

नीमीबिया के ख़िलाफ़ खेले गए मुक़ाबले के बाद जॉश हेज़लवुड के एक बयान के कारण ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिचेल मार्श की मुश्किलें बढ़ गई हैं। उन पर बैन भी लग सकता है। हेज़लवुड ने कहा था कि इंग्लैंड को टी-20 विश्व कप से बाहर करने के लिए उनकी टीम जीत की मार्जिन को कम-ज़्यादा कर सकती है। अगर ऑस्ट्रेलिया इस तरह का कोई भी प्रयास करता है और उसका दोषी पाया जाता है तो मार्श पर बैन लग सकता है। हालांकि एक बात यह भी है कि यह मामला तब तक स्पष्ट नहीं होगा, जब तक इंग्लैंड की टीम ओमान और नामीबिया के ख़िलाफ़ मैच नहीं खेल लेती। अगर इन दोनों मैचों में से इंग्लैंड एक भी मैच हारता है तो उन्हें स्वतः ही वतन वापसी का टिकट काट लेना होगा। इसके अलावा एक विकल्प यह भी है कि ऑस्ट्रेलिया अपने ग्रुप मैच में कम मार्जिन से मैच जीते ताकि नेट रनरेट के आधार पर स्कॉटलैंड सुपर आठ में जा सकता है। अगर इंग्लैंड अपने बाक़ी बचे दो मैच जीतता है तो वह पांच अंकों तक पहुंच सकता है। स्कॉटलैंड के पास भी पांच अंक हैं। अगर वह ऑस्ट्रेलिया को हरा दे तो उनका रास्ता साफ़ है। लेकिन अगर वह कम मार्जिन से हारता है तो उनका नेट रनरेट इंग्लैंड से बेहतर रह सकता है। हेज़लवुड ने कहा, ऐसा हो सकता है कि इस विश्व कप के किसी स्टेज में हमारा सामना दोबारा इंग्लैंड के साथ हो। वह उन टीमों में से हैं, जिनके ख़िलाफ़ टी-20 में हमारी टीम काफ़ी संघर्ष चुकी है। इसलिए यह अच्छा होगा कि हम उन्हें टूर्नामेंट से बाहर कर दें।

ऑस्ट्रेलियन ओपन बैडमिंटन प्रतियोगिता

एचएस प्रणय और समीर वर्मा क्वार्टरफाइनल में पहुंचे

सिडनी

भारत के स्टार शटलर एचएस प्रणय ने इजरायल के मिशा जिल्बरमैन और समीर वर्मा ने सिंगापुर के लोह कीन यू को हराकर गुरुवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया।

प्रणय ने बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 प्रतियोगिता के अपने राउंड ऑफ 16 में इजरायल के मिशा जिल्बरमैन को 46 मिनट तक चले मुकाबले में 21-17, 21-15 से हराया।एकल वर्ग में प्रणय का क्वार्टरफाइनल में मुकाबला जापान के कोडाई नाराओका से होगा। जनवरी में इंडिया ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद यह पहली बार है जब प्रणय दूसरे राउंड से आगे बढ़े हैं।

वहीं एक अन्य मुकाबले में भारत के समीर वर्मा ने सिंगापुर के लोह कीन यू को हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। समीर ने पूर्व विश्व चैंपियन पर 62 मिनट तक चले मुकाबले में 21-14, 14-21, 21-19 से जीत हासिल की। समीर अगले राउंड में चीनी ताइपे के लिन चुन-यी से मुकाबला करेंगे। 35वें नंबर के **मैड्रिड, 13 जून (एजेंसियां)।** में दुनिया के 11वें नंबर के खिलाड़ी जापान के केंटा निशिमोतो से हार गए। पहले गेम में कड़ी टक्कर देने के बावजूद जॉर्ज 49 मिनट में 20-22, 6-21 से हार गए।

महिला एकल में आठवीं वरीयता प्राप्त आकर्षी कश्यप ने ऑस्ट्रेलिया की काई क्यू तेओह को 21-16, 21-13 से हराकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। आकर्षी का सामना अंतिम आठ में तीसरी वरीयता प्राप्त चीनी ताइपे की पाई यू-पो से होगा। मालविका बंसोड़ को इंडोनेशिया की सातवीं वरीयता प्राप्त एस्टर नूरमी ट्राई वार्डोयो से 17-21, 21-23 से हार का सामना करना पड़ा, जबकि अनुपमा को इंडोनेशिया की पुत्री कुसुमा वर्दानी से 11-21, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा।

मिश्रित युगल वर्ग में, बी सुमीत रेड्डी और एन सिक्की रेड्डी ने काई चेन तेओह और काई क्यू तेओह की ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी को हराकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। सुमीत रेड्डी-सिक्की रेड्डी का सामना अंतिम आठ में चीन जियांग जेन बैंग और वेई या शिन की जोड़ी से होगा। रुतपर्णा पांडा और श्वेतपर्णा पांडा भी महिला युगल के दूसरे राउंड में बाहर हो गईं। वे मलेशिया की लाइ पेई जिंग और लिम चियू सिएन से 27 मिनट में 5-21, 9-21 से हार गईं।

टी-20 विश्वकप : ग्रुप सी के मुकाबले में वेस्टइंडीज ने न्यूजीलैंड को 13 रन से हराया

जोसेफ, रदरफोर्ड और गुडाकेश ने वेस्टइंडीज को सुपर-8 में पहुंचाया

टरूबा

शरफेन रदरफोर्ड नाबाद (68) की अर्धशतकीय पारी और उसके बाद अल्जारी जोसेफ चार विकेट तथा गुडाकेश मोटी तीन विकेट की शानदार गेंदबाजी के दम पर वेस्टइंडीज ने टी-20 विश्वकप के मुकाबले में न्यूजीलैंड को 13 रनों से हरा दिया है। इस तीसरी जीत के साथ ही वेस्टइंडीज की टीम सुपर आठ में पहुंच गई है।

वेस्टइंडीज के 149 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की भी शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने तीसरे ओवर में डेवन कॉन्वे (5) का विकेट गवां दिया। छठे ओवर में जोसेफ ने फिन ऐलन (26) को आउट कर वेस्टइंडीज को दूसरी सफलता दिलाई। कप्तान केन विलियम्सन (1), रचिन रविंद्र (10) को गुडाकेश मोटी ने आउट कर पवेलियन भेज दिया। 11वें ओवर में मोटी ने डैरिल मिचेल (12) को बोल्ड कर न्यूजीलैंड को पांचवां झटका दिया। जिमी नीशम (10), ट्रेंट बोल्ट 7 रन बनाकर आउट हुये। ग्लेन फिलिप्स ने 33 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के लगाते हुए सर्वाधिक (40) रन बनाये। मिचेल सैंटनर तीन छक्के लगाकर 21 रन बनाकर नाबाद रहे।

न्यूजीलैंड की टीम निर्धारित 20 ओवरों में नौ विकेट पर 136 रन ही बना सकी और 13 रन से मुकाबला हार गई। इस हार के साथ ही न्यूजीलैंड पर टूर्नामेंट से बाहर होने का खतरा मंडराने लगा है। वेस्टइंडीज के रदरफोर्ड को उनकी शानदार बल्लेबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच के खिताब से नवाजा गया।

वेस्टइंडीज की ओर से अल्जारी जोसेफ ने 19 रन देकर चार विकेट लिये। गुडाकेश मोटी ने 25 पर तीन विकेट चटकाये। अकील हुसैन और आंद्रे रसल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रहीं। पहले ओवर में जॉनसन चार्ल्स (शून्य) का विकेट गवांने के बाद 30 के स्कोर पर अपने पांच बल्लेबाजों के आउट होने से वेस्टइंडीज की टीम संकट पर में फंस गई थी। निकोलस पूरन (17), रॉस्टन चेज (शून्य) कप्तान रोवमन पॉवेल (1) और ब्रैंडन किंग 9 रन बनाकर आउट हुये। ऐसे समय में शेरफेन रदरफोर्ड ने शानदार बल्लेबाजी का मुजाहिरा करते हुए 39 गेंद में 68 नाबाद रन ठोक डाले। उन्होंने अपनी पारी में दो चौके और छह छक्के लगाये। अकील हुसैन (15), आंद्रे रसल (14) और रोमारियो शेफर्ड 13 रन बनाकर आउट हुये। वेस्टइंडीज ने निर्धारित 20 ओवर में नौ विकेट पर 149 का स्कोर खड़ा किया।

न्यूजीलैंड की ओर से ट्रेंट बोल्ट ने तीन विकेट लिये। टिम साउदी और लॉकी फर्ग्युसन को दो-दो विकेट मिले। जिमी नीशम और मिचेल सैंटनर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

टी-20 विश्वकप के 26वें मुकाबले का स्कोर बोर्ड

वेस्टइंडीज बल्लेबाजी: ब्रैंडन किंग कैच कॉन्वे बोल्ड नीशम 09, जॉनसन चार्ल्स बोल्ड बोल्ट 00,निकोलस पूरन कैच कॉन्वे बोल्ड साउदी 17,रॉस्टन चेज कैच रविंद्र बोल्ड फर्ग्युसन 00,रोवमन पॉवेल कैच कॉन्वे बोल्ड साउदी 01,शरफेन रदरफोर्ड नाबाद 68,अकील हुसैन कैच नीशम बोल्ड सैंटनर 15,आंद्रे रसल कैच फर्ग्युसन बोल्ड बोल्ट 14,रोमारियो शेफर्ड पगबाधा फर्ग्युसन 13,अल्जारी जोसेफ बोल्ड बोल्ट 06,गुडाकेश मोटी नाबाद 00,**अतिरिक्त:** 6 रन,**कुल:** 20 ओवर में नौ विकेट पर 149 रन,**विकेट पतन:** 1-1, 2-20, 3-21, 4-22, 5-30, 6-58, 7-76, 8-103, 9-112 ,**न्यूजीलैंड गेंदबाजी:** ट्रेंट बोल्ट 4-1-16-3,टिम साउदी 4-0-21-2,लॉकी फर्ग्युसन 4-0-27-2,जिमी नीशम 4-0-27-1,ग्लेन फिलिप्स 1-0-9-0 ,मिचेल सैंटनर 2-0-27-1,डैरिल मिचेल 1-0-19-0।

न्यूजीलैंड बल्लेबाजी: डेवन कॉन्वे कैच चेज बोल्ड हुसैन 05,फिन ऐलन कैच रसल बोल्ड जोसेफ 26,रचिन रविंद्र कैच रसल बोल्ड मोटी 10,केन विलियम्सन कैच पूरन बोल्ड मोटी 01,डैरिल मिचेल बोल्ड मोटी 12,ग्लेन फिलिप्स कैच पॉवेल बोल्ड जोसेफ 40,जिमी नीशम कैच किंग बोल्ड जोसेफ 10,मिचेल सैंटनर नाबाद 21,टिम साउदी कैच आउट जोसेफ 00,ट्रेंट बोल्ट कैच चेज बोल्ड रसल 07,लॉकी फर्ग्युसन नाबाद 00,**अतिरिक्त:** 4 रन,**कुल:** 20 ओवर में नौ विकेट 136,**विकेट पतन:** 1-20, 2-34, 3-39, 4-54, 5-63, 6-85, 7-108, 8-108, 9-117 ,**वेस्टइंडीज गेंदबाजी:** अकील हुसैन 4-0-21-1,रोमारियो शेफर्ड 3-0-36-0 ,आंद्रे रसल 4-0-30-1,अल्जारी जोसेफ 4-0-19-4,गुडाकेश मोटी 4-0-25-3,रॉस्टन चेज 1-0-4-0।

नडाल ने विंबलडन में नहीं खेलने का किया ऐलान

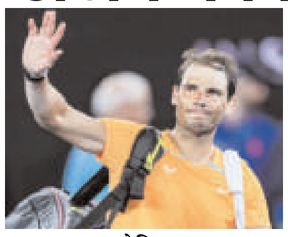

पेरिस

स्पेन के राफेल नडाल ने गुरुवार को बड़ा फैसला लेते हुए साल के तीसरे ग्रैंडस्लैम विंबलडन में नहीं खेलने का ऐलान किया है। 22 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन नडाल ने कहा कि वह ऑल इंग्लैंड क्लब के लिए घास के कोर्ट पर खेलने और फिर क्ले पर वापस आने की बजाय सिर्फ क्ले कोर्ट पर ही खेलना चाहते हैं।

नडाल के अनुसार, वह स्वीडन के बस्ताद में क्ले कोर्ट टूर्नामेंट में भाग लेकर पेरिस ओलंपिक की तैयारी करेंगे। नडाल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिये इस बात की घोषणा की।

विंबलडन एक जुलाई से होगा शुरू

विंबलडन एक से 14 जुलाई तक चलेगा। ओलंपिक के दौरान 27 जुलाई से रोलां गैरो पर टेनिस प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। यह फ्रेंच ओपन का आयोजन स्थल है जहां नडाल ने रिकॉर्ड 14 खिताब जीते हैं। नडाल ने एक बयान में कहा, हमारा मानना है कि मेरे शरीर के लिए सबसे अच्छा यही है कि मैं सतह नहीं बदलूं।

नेत्रवलकर पर एक बार फिर होगा यूएसए निर्भर

लॉडरहिल

टी-20 वर्ल्ड कप 2024 का 30वां मुक़ाबला यूएसए और आयरलैंड के बीच लॉडरहिल में खेला जाएगा। यह मैच भारतीय समयानुसार 13 जून को रात आठ बजे शुरू होगा। यूएसए को सुपर 8 में प्रवेश करने के लिए एक जीत की दरकार है तो वहीं आयरलैंड भी अभी इस टूर्नामेंट से बाहर नहीं हुई है। हालांकि पाकिस्तान यह उम्मीद करेगा कि आयरलैंड इस मैच में यूएसए को पटखनी दे दे। दोनों टीमों के बीच टी-20 वर्ल्ड कप में यह पहली भिड़ंत होगी। इससे पहले दो बार यह टीमें टी-20 में एक दूसरे के आमने-सामने आ चुकी हैं, जिसमें दोनों टीमों को एक दूसरे के खिलाफ़ एक जीत हासिल हुई है।

पेरिस ओलंपिक में नहीं खेलेंगे मेसी

नई दिल्ली

दुनिया के महान फुटबॉल खिलाड़ियों में शुमार लियोनल मेसी ने घोषणा की है कि वह पेरिस ओलंपिक 2024 में अर्जेंटीना की टीम का हिस्सा नहीं होंगे। 36 वर्षीय दिग्गज खिलाड़ी ने कहा कि उनकी उम्र और व्यस्त कार्यक्रम के चलते प्रत्येक टूर्नामेंट में खेलना मुश्किल है। फिलहाल, वह अर्जेंटीना की कोपा अमेरिका खिताब की रक्षा की तैयारी में जुटे हैं। इस टूर्नामेंट का आयोजन 20 जून से 14 जुलाई के बीच संयुक्त राज्य अमेरिका में होगा।

भारतीय घुड़सवार श्रुति वोरा ने दर्ज की ऐतिहासिक जीत

नई दिल्ली

भारत की अनुभवी घड़सवार श्रुति वोरा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऐतिहासिक जीत दर्ज की। श्रुति थ्री स्टार ग्रां प्री प्रतियोगिता जीतने वाली पहली भारतीय राइडर (घुड़सवार) बन गई हैं। भारतीय घुड़सवारी महासंघ (ईएफआई) ने गुरुवार को यह जानकारी दी। कोलकाता की रहने वाली श्रुति ने ड्रेसेज विश्व चैंपियनशिप (2022) और एशियाई खेलों (2010, 2014) में भारत का प्रतिनिधित्व किया है।

श्रुति ने मोलदोवा की प्रतिद्वंदी को पछाड़ा

श्रुति ने सात से नौ जून तक स्लोवेनिया के लिपिका में आयोजित सीडीआई-3 प्रतियोगिता

में 67.761 अंक हासिल किए। भारतीय खिलाड़ी मोलदोवा की तातियाना एंटोनेंको (आचेन) से आगे रहीं जिन्होंने 66.522 अंक हासिल किए। ऑस्ट्रिया की जूलियन जेरिच ने 66.087 अंकों के साथ शीर्ष तीन में जगह बनाई। श्रुति ने ग्रां प्री स्पेशल में भी सराहनीय प्रदर्शन किया जो इसी स्थान पर एक साथ आयोजित की गई। वह 66.085 अंकों के साथ एंटोनेंको के बाद दूसरे स्थान पर रहीं।

ग्रुप- ए के अंतिम तीन मैच बारिश से हो सकते हैं प्रभावित

दक्षिणी फ्लोरिडा में बाढ़ से आपातकालीन स्थिति

फ्लोरिडा

फ्लोरिडा में आने वाले दिनों में टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के कुछ मैच प्रभावित हो सकते हैं। अगले तीन दिनों में यहां ग्रुप ए के तीन मैच निर्धारित हैं। ट्रॉपिकल डिस्टर्बेंस ने दक्षिणी फ़्लोरिडा में बाढ़ की आपातकालीन स्थिति पैदा कर दी है और लॉडरहिल भी इससे अछूता नहीं है। इस वेन्यू पर खेले जाने वाला नेपाल और श्रीलंका के बीच पहला मैच भी बारिश की भेंट चढ़ गया था। इस मैदान पर संयुक्त राज्य अमेरिका बनाम आयरलैंड, कनाडा बनाम भारत और आयरलैंड बनाम पाकिस्तान मुक़ाबला खेला जाना है। यह तीनों ही मैच प्रभावित हो सकते हैं क्योंकि यहां भारी बारिश होने का अनुमान है। संयुक्त राज्य अमेरिका की राष्ट्रीय मौसम सेवा ने भी इस दौरान भारी बारिश से बाढ़ की आपातकालीन स्थिति उत्पन्न होने की आशंका जताई है। ग्रुप ए में अभी की स्थिति के अनुसार गणितीय तौर पर अन्य सभी चार टीमों के पास सुपर 8 में प्रवेश करने का मौक़ा है। भारत पहले ही अगले दौर में प्रवेश कर चुका है जबकि दूसरे स्थान के लिए अमेरिका, आयरलैंड, कनाडा और पाकिस्तान के बीच भिड़ंत होनी है।पाकिस्तान ने अब तक सिर्फ़ एक मैच जीता है लेकिन अगर वह अगले मैच में आयरलैंड को हरा देते हैं और आयरलैंड ,अमेरिका को हरा देती है तब पाकिस्तान अगले दौर में प्रवेश कर सकता है। अगर इन दोनों में से कोई भी मैच बारिश की भेंट चढ़ गया तो अब तक दो मैच जीत चुकी अमेरिका अपने आप अगले दौर में प्रवेश कर जाएगी।श्रीलंका और नेपाल के बीच मैच रद्द होने से दोनों ही टीमें टूर्नामेंट से बाहर होने की कगार पर पहुंच गईं।

ग्रुप मैचों के लिए कोई रिज़र्व डे भी नहीं रखा गया है। पहले सेमीफ़ाइनल और फ़ाइनल के लिए रिज़र्व डे है लेकिन दूसरे सेमीफ़ाइनल के लिए रिज़र्व डे नहीं रखा गया है।

बांग्लादेश ने नीदरलैंड को 25 रन से हराकर सुपर-8 की ओर बढ़ाए कदम

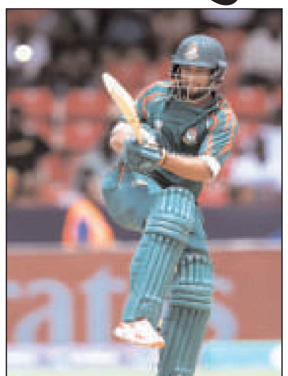

किंग्सटाउन

शाकिब अल हसन नाबाद (64) की अर्धशतकीय और तंजिद हसन (35) रनों की पारियों और उसके बाद आखिरी ओवरों में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर बांग्लादेश ने गुरुवार टी-20 विश्वकप के 27वें मुकाबले में नीदरलैंड को 26 रनों से हरा दिया है। इस जीत के साथ ही बांग्लादेश ने सुपर आठ की ओर एक कदम और बढ़ा दिया है।आज यहां नीदरलैंड के कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही और दूसरे ओवर में कप्तान नजमुल शान्तो (1) को आर्यन दत्ता ने विक्रमजीत के हाथों कैच आउट करा दिया। चौथे ओवर में लिटन कुमार दास भी (1) रन बनाकर पवेलियन लौट गये। ऐसे संकट के समय शाकिब अल हसन और तंजिद हसन ने पारी को संभाला। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिये 48 रनों की साझेदारी हुई। नौवें ओवर में पॉल वैन मीकरेन ने तंजिद हसन को आउट कर बांग्लादेश को तीसरा झटका दिया। तंजिद ने 25 गेंदों में पांच चौके और एक छक्का लगाते हुए 35 रन बनाये। मो. तौहीद हृदोय (9) और महमुदउल्लाह (25) रन बनाकर आउट हुये। शाकिब अल हसन ने 46 गेंदों में नौ चौके लगाते हुये नाबाद 64 रनों की पारी खेली। जाकेर अली 14 रन बनाकर नाबाद रहे। बांग्लादेश ने निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 159 रन का स्कोर खड़ा किया। नीदरलैंड की ओर से आर्यन दत्त और पॉल वैन मीकरेन ने दो-दो विकेट लिये। टिम प्रिंगल ने एक बल्लेबाज को आउट किया। 160रनों के लक्ष्य के सामने नीदरलैंड की टीम निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट पर 134 रन ही बना सकी और 25 रन से मुकाबला हार गई। दिया। विक्रमजीत सिंह ने 26रन और साइब्रैंड एंजेलब्रेक्ट ने 22 गेदों में सर्वाधिक 33 रन बनाये।

टी-20 विश्वकप के 27वें मैच का स्कोर बोर्ड

बांग्लादेश बल्लेबाजी: तंजिद हसन कैच डलीडे बोल्ड मीकरेन 35,नजमुल शान्तो कैच विक्रमजीत बोल्ड दत्त 01,लिटन कुमार दास कैच एंजेलब्रेक्ट बोल्ड दत्त 01,शाकिब अल हसन नाबाद 64,मो. तौहीद हृदोय बोल्ड प्रिंगल 09,महमुदउल्लाह कैच एंजेलब्रेक्ट बोल्ड मीकरेन 25,जाकेर अली नाबाद 14,**अतिरिक्त:** 10 रन,**कुल:** 20 ओवर में पांच विकेट पर 159 रन,**विकेट पतन:** 1-3, 2-23, 3-71, 4-89, 5-130,**नीदरलैंड गेंदबाजी:** विवियन किंगमा 2-0-20-0,आर्यन दत्त 4-0-17-2,पॉल वैन मीकरेन 4-0-15-2,लोगन वैन बीक 4-0-43-0,बास डलीड 3-0-31-0,टिम प्रिंगल 3-0-26-1।

नीदरलैंड बल्लेबाजी: माइकल लेविट कैच हृदोय बोल्ड तस्किन 18,मैक्स ओडाउड कैच आउट तनजीम 12,विक्रमजीत सिंह स्टंप लिटन बोल्ड महमुदउल्लाह 26,साइब्रैंड एंजेलब्रेक्ट कैच तनजीम बोल्ड रिशाद हुसैन 33,स्कॉट एडवर्ड्स कैच जाकेर बोल्ड मुस्तफिजुर 25,बास डलीडे स्टंप लिटन बोल्ड रिशाद हुसैन 00,लोगन वैन बीक कैच आउट रिशाद हुसैन 02,टिम प्रिंगल बोल्ड तस्किन 01,आर्यन दत्त नाबाद 15,**अतिरिक्त :** 2 रन,**कुल :** 20 ओवर में आठ विकेट पर 134 रन, **विकेट पतन:** 1-22, 2-32, 3-69, 4-111, 5-111, 6-117, 7-117, 8-134,**बांग्लादेश गेंदबाजी:** मुस्तफिजुर रहमान 4-0-12-1,तनजीम हसन साकिब 3-0-23-1,तस्किन अहमद 4-0-0-2,शाकिब अल हसन 4-0-29-0,रिशाद हुसैन 4-0-33-3,महमुदउल्लाह 1-0-6-1।

पेरिस ओलंपिक 2024

एआईटीए ने युगल के लिए बोपन्ना और बालाजी को चुना

नई दिल्ली

अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) ने गुरुवार को ऐलान किया कि रोहन बोपन्ना और एन श्रीराम बालाजी पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए पुरुष युगल स्पर्धा के लिए भारत की पसंदीदा जोड़ी होंगी। विश्व में चौथे स्थान पर काबिज बोपन्ना को अपनी जोड़ी चुनने की अनुमति दी गई और अनुभवी ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने श्रीराम बालाजी को चुना। श्रीराम इस समय विश्व में 67वें स्थान पर हैं। एआईटीए ने गुरुवार को इस निर्णय की जानकारी दी। दोनों के साथ कोच बालचंद्रन मणिकथ और फिजियो रेबेका वी. ओरशेगेन भी होंगे। पुरुष युगल स्पर्धा में भारत के

पास ओलंपिक में टेनिस पदक जीतने का यह सबसे अच्छा मौका है। अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, हमें यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि रोहन बोपन्ना और एन. श्रीराम बालाजी ने पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए क्वालीफाई कर लिया है! हम विश्व मंच पर अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार हैं।

मंगोलिया को हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंची भारतीय पुरुष टीम, अब पाकिस्तान से होगा सामना

नई दिल्ली

भारतीय पुरुष टीम ने एशियाई टीम स्क्वाश चैंपियन में शानदार प्रदर्शन जारी रखा और मंगोलिया को 3-0 के हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। पूर्व चैंपियन भारत शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में पाकिस्तान से भिड़ेगा। जापान पहले ही पूल डी से अंतिम आठ चरण के लिए क्वालीफाई कर चुका है। भारत की महिला टीम ने चीनी ताइपे को 3-0 से हराया, लेकिन मलेशिया से समान अंतर से हार गई। टीम को अब सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए ग्रुप-ए के अंतिम लीग मैच में दक्षिण कोरिया को हराना होगा।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

ईपीएफओ ने तत्काल प्रभाव से बंद की यह सुविधा, सात करोड़ सब्सक्राइबर्स अब नहीं उठा पाएंगे फायदा

नई दिल्ली,14 जून (एजेंसियां) ।

प्राइवेट सेक्टर में काम करने वाले लोगों के लिए जरूरी खबर है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने कोविड-19 एडवांस फैसिलिटी को तत्काल प्रभाव से बंद करने की घोषणा की है। कोरोना महामारी की पहली लहर के दौरान ईपीएफ सदस्यों को नॉन-रिफंडेबल एडवां की सुविधा दी गई थी। इसके बाद महामारी की दूसरी लहर के मद्देनजर 31 मई, 2021 से एक और एडवांस की अनुमति भी दी गई थी। ईपीएफओ ने 12 जून, 2024 को जारी एक सर्कुलर में इस सुविधा को बंद करने की घोषणा की है। उसका कहना है कि अब कोविड-19 महामारी नहीं रह गई है, इसलिए तत्काल प्रभाव से एडवांस फैसिलिटी को बंद करने का निर्णय लिया है। यह फैसला छूट प्राप्त ट्रस्टों पर भी लागू होगा। निजी क्षेत्र में काम करने वाले वर्कर्स की बेसिक सैलरी पर 12% की कटौती ईपीएफ अकाउंट के लिए की जाती है। साथ ही कंपनी भी इतना ही पैसा कर्मचारी के पीएफ खाते में जमा करती है।

ईपीएफ खातों से पैसे निकालने का प्रावधान पहली बार मार्च 2020 में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना (पीएमजीकेवाई) के तहत घोषित किया गया था। जून 2021 में श्रम मंत्रालय ने घोषणा की कि ईपीएफ सदस्य अपने ईपीएफ अकाउंट्स से दूसरा नॉन-रिफंडेबल एडवांस प्राप्त कर सकते हैं। इससे पहले ईपीएफ सदस्यों के लिए केवल वन-टाइम एडवांस की सुविधा थी। ईपीएफओ अपने सदस्यों को तीन महीने के मूल वेतन और महंगाई भत्ते या ईपीएफ खाते में उपलब्ध राशि का 75%, जो भी कम हो, नॉन-रिफंडेबल विड्रॉल की अनुमति देता है। हालांकि, सदस्य कम राशि के लिए भी आवेदन कर सकते हैं। मकान, विवाह और शिक्षा से संबंधित एडवांस क्लेम के लिए ईपीएफओ ने ऑटो-मोड सेटलमेंट लागू किया है।

कोविड एडवांस फैसिलिटी

कोविड एडवांस के रूप में ईपीएफ सब्सक्राइबर तीन महीने के मूल वेतन और महंगाई भत्ते के बराबर या अकाउंट में शेष राशि का 75 प्रतिशत तक, जो भी कम हो, नॉन-रिफंडेबल विड्रॉल कर सकते थे। इसके लिए सदस्य या एम्प्लॉयर को कोई प्रमाण पत्र या दस्तावेज जमा करने की आवश्यकता नहीं थी। यदि कोई कर्मचारी, उसके माता-पिता, जीवनसाथी या बच्चे कोविड के कारण बीमार हो जाते तो सदस्य को पैसा निकालने की सुविधा थी। इस प्रकार की ईपीएफ निकासी में कोई लॉक-इन अवधि या न्यूनतम सेवा आवश्यकता नहीं थी। आंकड़ों के मुताबिक कुल 2.2 करोड़ सब्सक्राइबर्स ने कोरोना एडवांस सुविधा का लाभ उठाया जो ईपीएफओ के कुल सदस्यों की संख्या का एक तिहाई से ज्यादा है। यह सुविधा 2020-21 में शुरू हुई थी और तीन साल तक रही। इस दौरान पीएफ सब्सक्राइबर्स ने कोरोना एडवांस के रूप में 48,075.75 करोड़ रुपये निकाले। ईपीएफओ की ड्राफ्ट एन्युअल रिपोर्ट 2022-23 में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक ईपीएफओ ने 2020-21 में 17,106.17 करोड़ रुपये वितरित किए जिससे 69.2 लाख सब्सक्राइबर्स को फायदा हुआ। साल 2021-22 में 91.6 लाख सब्सक्राइबर्स ने इस सुविधा का लाभ उठाया और 19,126.29 लाख करोड़ रुपये निकाले।

आसमान पर पहुंचे सोने-चांदी के भाव

:नई दिल्ली, 14 जून (एजेंसियां) ।

कल सोने की कीमतों में गिरावट देखने को मिली थी। चांदी के भी कल सस्ती हुई थी। सोने की कीमतें एक समय पर बढ़त के साथ 73 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब पहुंच गई थी। इसके बाद गोल्ड में गिरावट आई थी। लेकिन आज दोबारा सोने के दाम बढ़ गए हैं।

एमसीएक्स एक्सचेंज पर आज यानी शुक्रवार को 5 अगस्त 2024 की डिलीवरी वाला सोना करीब 550 रुपये की तेजी के साथ 71,688 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर पहुंच गया है। सोने में सुबह से ही तेजी देखी जा रही है। सोना आज सुबह तेजी के साथ खुला है। वहीं 5 अक्टूबर 2024 की डिलीवरी वाला सोना उछलकर 71,972 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

एमसीएक्स एक्सचेंज पर आज यानी शुक्रवार को 5 जुलाई 2024 की डिलीवरी वाली चांदी 478 रुपये बढ़कर 88,461 रुपये प्रति किलोग्राम पर ट्रेड कर रही है। वहीं 5 सितंबर 2024 को डिलीवरी वाली चांदी 497 रुपये उछलकर 90,462 रुपये के स्तर पर पहुंच गई है।

सोने के वैश्विक भाव

सोने की वैश्विक कीमतों में भी आज तेजी देखी जा रही है। कॉमेक्स पर सोने का वैश्विक वायदा भाव 0.80 फीसदी या 18.60 डॉलर की तेजी के साथ 2,336.60 डॉलर प्रति औंस पर हैं। वहीं, सोने का वैश्विक हाजिर भाव 2,324.99 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच चुके हैं।

चांदी की वैश्विक कीमत

चांदी के वैश्विक भाव में आज तेजी आई है। कॉमेक्स पर चांदी का वायदा भाव 0.39 फीसदी या 0.11 डॉलर की तेजी के साथ 29.18 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गए हैं। वहीं, चांदी का वैश्विक हाजिर भाव 29.16 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया है।

न्यूज ब्रीफ.....

टाटा मोटर्स को पछाड़कर महिंद्रा एंड महिंद्रा बनी दूसरी बड़ी वैल्यूबल ऑटो कंपनी

नई दिल्ली। थार और स्कॉर्पियो जैसी पॉपुलर गाड़ियां बनाने वाली महिंद्रा एंड महिंद्रा देश की दूसरी सबसे वैल्यूएबल ऑटो कंपनी बन गई है। उसने टाटा मोटर्स को पछाड़कर यह उपलब्धि हासिल की है। महिंद्रा एंड महिंद्रा का मार्केट कैप 3,65,193 करोड़ रुपये पहुंच गया है जबकि टाटा मोटर्स की बाजार वैल्यू 3,29,041 करोड़ रुपये है। महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर की कीमत आज 3% बढ़कर 52-सप्ताह के नए उच्च स्तर 2,946 रुपये पर पहुंच गई। पिछले एक साल में कंपनी के शेयरों में 112% की बढ़ोतरी हुई है। तीन बजे कंपनी का शेयर 1.96 फीसदी तेजी के साथ 2920.15 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। मारुति सुजुकी 4,04,436.47 करोड़ रुपये के मार्केट कैप के साथ देश की सबसे मूल्यवान ऑटो कंपनी है। महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में इस साल सेक्टोरल इंडेक्स और निफ्टी 50 दोनों से बेहतर प्रदर्शन करते हुए 72% का प्रभावशाली रिटर्न दिया है। निफ्टी ऑटो इंडेक्स में पिछले एक साल में 75% और इस साल 38% तेजी आई है। पिछले फाइनेंशियल ईयर की चौथी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 2,038 करोड़ रुपये रहा। यह पिछले साल की समान तिमाही की तुलना में 32 फीसदी अधिक है। इसी तरह चौथी तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 11 फीसदी तेजी के साथ 25,109 करोड़ रुपये रहा। इस बीच हुंडई मोटर की भारतीय यूनिट आईपीओ लाने की तैयारी में है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी इसके जरिए 17.5 फीसदी तक हिस्सेदारी बेच सकती है। इस आईपीओ में कोई नए शेयर जारी नहीं किए जाएंगे बल्कि साउथ कोरियन पेरेंट कंपनी अपनी हिस्सेदारी कम करेगी। यदि यह आईपीओ सफल रहा तो यह भारत में किसी ऑटो कंपनी का दो दशक से अधिक समय में पहला आईपीओ होगा। इससे पहले देश की सबसे बड़ी कार निमार्ता कंपनी मारुति सुजुकी साल 2003 में आईपीओ लाई थी। सेबी के पास डीआरएचपी दाखिल करने के बाद हुंडई मोटर इंडिया का मैनेजमेंट अगले महीने से भारत और विदेशों में इन्वेस्टर्स रोड शो शुरू कर सकता है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा, इस वजह से लगातार दूसरे सप्ताह आया बड़ा उछाल

नई दिल्ली। देश के विदेशी मुद्रा भंडार में बड़ा उछाल आया है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार सात जून को समाप्त सप्ताह में 4.307 अरब डॉलर बढ़कर 655.817 अरब डॉलर की नयी सर्वकालिक ऊंचाई को छू गया। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इससे पूर्व के सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 4.837 अरब डॉलर के उछाल के साथ 651.51 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया था। इससे पहले, विदेशी मुद्रा भंडार का उच्चतम स्तर 10 मई को 648.87 अरब डॉलर था। पिछले कुछ सप्ताहों में विदेशी मुद्रा भंडार में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक, सात जून को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 3.773 अरब डॉलर बढ़कर 576.337 अरब डॉलर हो गई। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। रिजर्व बैंक ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान स्वर्ण आरक्षित भंडार का मूल्य 48.1 करोड़ डॉलर बढ़कर 56.982 अरब डॉलर हो गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 4.3 करोड़

डॉलर बढ़कर 18.161 अरब डॉलर हो गया। रिजर्व बैंक ने कहा कि आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत की आरक्षित जमा भी एक करोड़ डॉलर बढ़कर 4.336 अरब डॉलर हो गई। इराक से भारत का आयात मई में 58.68 प्रतिशत बढ़कर 3.76 अरब डॉलर हो गया, जबकि यूएई से आयात इस महीने लगभग 50 प्रतिशत बढ़ा है। वाणिज्य मंत्रालय ने आंकड़े जारी कर यह जानकारी दी।इसी तरह रूस से आयात मई में 18 प्रतिशत बढ़कर 7.1 अरब डॉलर हो गया है। तेल आयात के कारण यह वृद्धि हुई। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, मई में चीन से आयात 2.82 प्रतिशत बढ़कर 8.48 अरब डॉलर हो गया। भारत के शीर्ष 20 आयात स्रोत देशों में सऊदी अरब, स्विट्जरलैंड, जापान, जर्मनी, हांगकांग, ऑस्ट्रेलिया और मलेशिया से आयात मई में घट गया।वहीं, भारत से दक्षिण अफ्रीका, इटली, नेपाल, बेल्जियम और ऑस्ट्रेलिया को निर्यात में मई माह के दौरान नकारात्मक वृद्धि हुई है। हालांकि, अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), नीदरलैंड, ब्रिटेन, सिंगापुर और सऊदी अरब को निर्यात में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई है। मई में चीन को निर्यात 3.35 प्रतिशत बढ़कर 1.32 अरब डॉलर हो गया। भारत का कुल वस्तु निर्यात मई में नौ प्रतिशत बढ़कर 38.13 अरब डॉलर हो गया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

'हमारे बारह' फिल्म ..

हर जगह झटका मिला।पीके फिल्म में भगवान शिव को सड़क पर भागते हुए और बाथरूम में छिपते हुए दिखाया गया था। पाकिस्तानी सरफराज़ को हिंदू लड़की को गर्लफ्रेंड बनाते हुए दिखाया गया था। हिंदू संत को लोगों

को झांसा देते हुए दिखाया गया था। यहां तक कि सरफराज धोखा देगा वाला बयान एक हिंदू संत से कहलवा कर अंत में दिखाया गया था कि सरफराज एक सच्चा पाकिस्तानी मुस्लिम है। फिल्म में हिंदुओं को अंधविश्वासी दिखाया गया था। सबको वह दृश्य भी याद होगा जब आमिर खान मंदिर में भगवान शिव की वेशभूषा वाले कलाकार को खदेड़ता हैं। महादेव को फूहड़ कॉमेडी का विषय बना दिया गया था।

अगर आपको पसंद नहीं है तो मत देखिए... पीके को लेकर जब सुप्रीम कोर्ट में याचिका पहुंची थी तो कुछ ऐसी ही टिप्पणी देश की सर्वोच्च न्यायालय से सुनने को मिली थी। सुप्रीम कोर्ट ने इसे कला और मनोरंजन बताते हुए कहा था कि आपको नहीं पसंद है तो मत देखिए, दूसरों को तो देखने दीजिए। 3 जजों (आरएम लोढ़ा, कुरियन जोसेफ, आरएफ नरीमन) की बेंच ने ह्यूमन राइट्स एंड सोशल जस्टिस नामक एनजीओ से ऐसा कहा था। पूछा गया था कि आपका संवैधानिक या कानूनी अधिकार इससे कैसे बाधित होते हैं, क्या इसे सेंसर बोर्ड ने पास नहीं किया?

सुप्रीम कोर्ट ने तब आजकल के युवाओं को बहुत स्मार्ट बताते हुए पूछा था कि आप क्या-क्या छिपाओगे, ये इंटरनेट का जमाना है। क्या अब ये सब चीजें सुप्रीम कोर्ट भूल चुका है? 10 वर्ष बाद इंटरनेट का और भी तेजी से प्रसार हुआ है और युवा तो और अधिक स्मार्ट हुए हैं। फिर जो बातें पीके पर लागू होती हैं वही हमारे-बारह फिल्म पर क्यों नहीं लागू होतीं? क्या मुस्लिम महिलाओं की व्यथा दिखाना पाप है? और अन्नू कपूर तो खुद को नास्तिक भी बताते हैं। फिल्म की टीम को सिर तन से जुदा की धमकियां भी मिल रही हैं।

इसी तरह जानबूझकर 2017 में एक मलयालम हॉरर फिल्म का नाम सेक्सी दुर्गा रखा गया था। विवाद हुआ तो इसे ङ्मएस-दुर्गा कर दिया गया। भारत में मां दुर्गा का क्या सम्मान और महत्व है, यह बताने की जरूरत नहीं है। उन्हें ईश्वर की ऊर्जा कहा गया है। साल में 4 बार नवरात्रि आती है। शाक्त संप्रदाय भी हिंदू धर्म का एक अंग है। केरल के हाईकोर्ट ने इसे गोवा में आयोजित इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल तक में दिखाने का आदेश दिया, जबकि केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण ने इसे सूची से हटा दिया था।

इसी तरह स्टूडेंट ऑफ द ईयर (2012) में राधा के लिए सेक्सी शब्द का प्रयोग किया जाता है, लेकिन कोर्ट को कोई आपत्ति नहीं होती। भगवान श्रीकृष्ण को मानने वाला हर एक व्यक्ति राधा को मां कहता है और सम्मान की दृष्टि से देखता है। उनकी भावनाओं का क्या? वेब सीरीज पाताल लोक (2020) में मंदिर प्रांगण में ब्राह्मण को मांस खाते हुए और गंदी गालियां बकते हुए दिखाया जाता है। इसी तरह मिर्जापुर (2018) वेब सीरीज में मुन्ना भैया को एक पंडित को डांटते हुए दिखाया जाता है।सैफ अली खान वाली सीरीज तांडव (2021) में हिंदू देवी-देवताओं का मजाक बनाया गया। ऐसा एक बार नहीं, कई बार, बार-बार हो चुका है और हो रहा है। इसे इतना सामान्य बना दिया गया है कि सुप्रीम कोर्ट तो दूर की बात, स्थानीय प्रशासन तक हिंदुओं की आपत्तियां नहीं सुनता। जबकि बात जब इस्लाम या ईसाईयत की आती है तो पूछिए मत। बाइबिल के एक शब्द का मजाक बनाने पर फराह खान, रवीना टंडन और भारती सिंह जैसी बॉलीवुड की हस्तियों को वेटिकन सिटी के प्रतिनिधि पादरी से मिल कर हस्तलिखित माफीनामा सौंपना पड़ा था। लेकिन हिंदू देवी-देवताओं को गालियां देने, हिंदू देवी-देवताओं के अस्तित्व पर सवाल उठाने, हिंदू देवी-देवताओं को गालियां देने पर उसका तथ्यात्मक जवाब देने पर एक महिला को जान से मारने की धमकियां दी जाती हैं और उस महिला का समर्थन करने वालों की जेहादी हत्याएं की जाती हैं, यह क्या सुप्रीम कोर्ट को नहीं दिखता? अगर सुप्रीम कोर्ट का यही रवैया रहा तो वह दिन दूर नहीं जब सुप्रीम कोर्ट का मान-कवज ढह जाएगा और लोग अवमानना पर उतर आएंगे।

तकनीक को ...

हो। एक तरफ जहां टेक्नोलॉजी मनुष्य को चांद तक ले जाने का साहस देती है, वहीं दूसरी ओर साइबर सुरक्षा जैसी चुनौतियां भी पैदा करती है। हमें मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि टेक्नोलॉजी का लाभ सभी वर्गों तक पहुंचे, समाज के हर व्यक्ति के सामर्थ्य को उजागर करे, सामाजिक असमानताओं को दूर करने में मदद करे और मानवीय शक्तियों को सीमित करने के बजाय उनका विस्तार करे। यह केवल हमारी अभिलाषा नहीं, हमारा दायित्व होना चाहिए। हमें टेक्नोलॉजी में एकाधिकार को सर्वाधिकार में बदलना होगा। हमें टेक्नोलॉजी को संहारक नहीं सृजनात्मक रूप देना होगा। तभी हम एक समावेशी समाज की नींव रख सकेंगे। भारत अपनी इस मानव केंद्रित भावना के जरिए एक बेहतर भविष्य के लिए प्रयास कर रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि 2047 तक विकसित भारत का निर्माण हमारा संकल्प है। हमारी प्रतिबद्धता है कि समाज का कोई भी वर्ग देश की विकास यात्रा में पीछे न छूटे। यह अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के संदर्भ में भी महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) में भारत राष्ट्रीय रणनीति बनाने वाले पहले कुछ देशों में शामिल है। इसी रणनीति के आधार पर हमने इस वर्ष ए-आई मिशन लॉन्च किया है, जिसका मूल मंत्र है एआई फॉर ऑल। एआई के लिए वैश्विक साझीदारी के संस्थापक सदस्य और नेतृत्वकर्ता के रूप में हम सभी देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा दे रहे हैं। पिछले वर्ष भारत की मेज़बानी में की गई जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान हमने एआई के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय व्यवस्थापन के महत्व पर बल दिया। भविष्य में भी एआई को पारदर्शी, निष्पक्ष, सुरक्षित, सुलभ और जिम्मेदाराना बनाने के लिए हम सभी देशों के साथ मिलकर काम करते रहेंगे।

प्रधानमंत्री ने भारत के ऊर्जा परिवर्तन मार्ग के बारे में विस्तार से बताया कि इसका दृष्टिकोण उपलब्धता, पहुंच, सामर्थ्य और स्वीकार्यता पर आधारित था। उन्होंने कहा कि ऊर्जा के क्षेत्र में भी भारत का रुख चार सिद्धांतों पर आधारित है, उपलब्धता, पहुंच, किफायत एवं स्वीकार्यता। भारत सीओपी के अंतर्गत लिए गए सभी संकल्पों को समय से पहले पूरा करने वाला पहला देश है। हम 2070 तक नेट जीरो के तय लक्ष्य को पाने के अपने संकल्प को पूरा करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। हमें मिलकर आने वाले समय को हरित युग बनाने का प्रयास करना चाहिए। इसके लिए भारत ने मिशन लाइफ यानि पर्यावरण के लिए जीवनशैली की शुरुआत की है। इस मिशन पर आगे बढ़ते हुए, 5 जून, पर्यावरण दिवस पर एक अभियान शुरू किया गया है, एक पेड़ मां के नाम। अपनी मां से सभी प्यार करते हैं। इसी भाव से हम वृक्षारोपण को एक व्यक्तिगत जुड़ाव और वैश्विक दायित्व वाला जनांदोलन बनाना चाहते हैं।

प्रधानमंत्री ने वैश्विक दक्षिण, विशेष रूप से अफ्रीका की चिंताओं को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। उन्होंने याद दिलाया कि यह भारत के लिए सम्मान की बात थी कि एयू को उसकी अध्यक्षता में जी-20 के स्थायी सदस्य के रूप में शामिल किया गया था। उन्होंने कहा, वैश्विक अनिश्चितताओं और तनाव में वैश्विक दक्षिण के देशों को सबसे बड़ा खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। भारत ने वैश्विक दक्षिण के देशों की प्राथमिकताओं और चिंताओं को विश्व पटल पर रखना अपना दायित्व समझा है। इन प्रयासों में हमने अफ्रीका को उच्च प्राथमिकता दी है। हमें गर्व है कि भारत की अध्यक्षता में जी-20 ने अफ्रीकी संघ को स्थायी सदस्य बनाया। अफ्रीका के सभी देशों के आर्थिक और सामाजिक विकास, स्थिरता और सुरक्षा में भारत योगदान देता आया है, और आगे भी देता रहेगा।

जी-7 शिखर सम्मेलन के आउटरीच सत्र में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इटली पहुंचे। मेजबान देश इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने प्रधानमंत्री मोदी का भव्य स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी जॉर्जिया मेलोनी के अलावा फ्रांस, ब्रिटेन और यूक्रेन के राष्ट्राध्यक्षों से भी मिले। सम्मेलन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ऊर्जा, अफ्रीका और भूमध्यसागरीय क्षेत्रों से जुड़े विषयों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इटली में जी-7 शिखर सम्मेलन के आउटरीच सत्र में पोप फ्रांसिस से भी मुलाकात की। प्रधानमंत्री मोदी अपने एक दिन के दौरे में इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी द्वारा आयोजित कृत्रिम मेधा यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ऊर्जा, अफ्रीका और भूमध्यसागरीय क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने वाले एक सत्र में हिस्सा ले रहे हैं। इस सत्र में पोप फ्रांसिस भी शामिल हुए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी-7 शिखर सम्मेलन से अलग अपुलिया में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान पीएम मोदी ने भारत-ब्रिटेन के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इटली में जी-7 शिखर सम्मेलन के बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमिर जेलेंस्की से भी मुलाकात की। मुलाकात के बाद पीएम मोदी ने कहा कि भारत, यूक्रेन के साथ द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए उत्सुक है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ बैठक बहुत सार्थक रही।प्रधानमंत्री मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से भी मुलाकात की। दोनों राष्ट्राध्यक्षों ने रक्षा, एआई (कृत्रिम मेधा), महत्वपूर्ण तकनीक और अंतरिक्ष जैसे प्रमुख क्षेत्रों में साझेदारी बढ़ाने जैसे मुद्दों पर चर्चा की। पीएम मोदी ने आगामी पेरिस ओलंपिक 2024 की मेजबानी के लिए राष्ट्रपति मैक्रों को शुभकामनाएं दीं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी-7 शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए इटली के ब्रिंडिसी हवाई अड्डे पहुंचे। उनका शुक्रवार का दिन बेहद व्यस्त रहा। एक के बाद एक कई वैश्विक नेताओं से साथ द्विपक्षीय बैठकें हुई। प्रधानमंत्री ने जी-7 शिखर सम्मेलन के आउटरीच सत्र को भी संबोधित किया। भारत के अलावा इटली ने अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका और हिंद-प्रशांत क्षेत्र के 11 विकासशील देशों के नेता शिखर सम्मेलन में भाग ले रहे हैं।

जी-7 में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, इटली, जर्मनी, कनाडा और जापान शामिल हैं। इटली जी-7 (सात देशों के समूह) शिखर सम्मेलन की वर्तमान में अध्यक्षता और मेजबानी कर रहा है। रूस को इस समूह में शामिल करने के साथ 1997 और 2013 के बीच इसका विस्तार जी-8 के रूप में हुआ। हालांकि, क्रीमिया पर कब्जा करने के बाद 2014 में रूस की भागीदारी निलंबित कर दी गई थी।

हिंदुस्तान के प्रभाव....

जापान और यूरोपीय संघ अमेरिका के नेताओं के साथ-साथ कई राष्ट्रों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं।जी-7 सम्मेलन में शामिल होने के लिए पीएम मोदी इटली गए हैं। यह प्रधानमंत्री मोदी के तीसरे कार्यकाल की पहली विदेश यात्रा है। इटली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी के साथ द्विपक्षीय वार्ता का कार्यक्रम है। पीएम मोदी ने जी-7 से इतर कुछ राष्ट्राध्यक्षों से भी मुलाकात की है।

जी-7 एक अनौपचारिक वैश्विक मंच है जिसका पूरा नाम ग्रुप ऑफ सेवन (जी-7) है। यह समूह इटली, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, जापान, यूनाइटेड किंगडम और अमेरिका को एक साथ लाने का काम करता है। यूरोपीय संघ भी समूह में भाग लेता है। 1973 के ऊर्जा संकट के जवाब में आर्थिक और आर्थिक सहयोग के लिए एक मंच के रूप में जी-7 बनाया गया था।

पहला शिखर सम्मेलन 1975 में फ्रांस के रैम्बोइलेट में आयोजित किया गया था जिसमें फ्रांस, अमेरिका, यूके, जर्मनी, जापान और इटली शामिल थे। हालांकि, 1976 में समूह में कनाडा भी शामिल हो गया जोकि जी-7 का वर्तमान स्वरूप भी है। 1997 से 2013 के बीच जी-7 का विस्तार जी-8 में हुआ, जिसमें रूस भी शामिल हो गया। हालांकि, 2014 में क्रीमिया के नियंत्रण में लेने के बाद रूस की भागीदारी निलंबित कर दी गई थी।हर साल 1 जनवरी से शुरू होकर कोई एक सदस्य देश बारी-बारी से समूह का नेतृत्व संभालता है। 1 जनवरी, 2024 को इटली ने जापान के बाद अध्यक्षता संभाली थी। इटली 31 दिसंबर, 2024 को अध्यक्षता कनाडा को सौंप देगा। शिखर सम्मेलन में सात सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्ष और सरकार के प्रमुख, यूरोपीय संघ के प्रतिनिधि और अध्यक्ष द्वारा आमंत्रित देश और अंतर्राष्ट्रीय संगठन भाग लेते हैं।

समूह का कहना है कि पिछले कुछ वर्षों में इसने अपने फोकस को लगातार बढ़ाया है। यह प्रमुख वैश्विक मुद्दों को हल करने के लिए एक अधिक औपचारिक और प्रमुख केंद्र बन गया है। जी-7 ने जटिल आर्थिक मुद्दों पर अधिक तकनीकी और विस्तृत चर्चा की आवश्यकता को पहचाना है। नतीजतन, इसने खास विषयों पर गहराई से विचार करने और जी-7 के विचार-विमर्श में विषयगत मंत्रिस्तरीय बैठकें शुरू कीं। जी-7 का कहना है कि यह एक ऐसा समूह है जो साझा मूल्यों और सिद्धांतों से जुड़ा है और स्वतंत्रता, लोकतंत्र और मानवाधिकारों को बनाए रखने में विश्व में एक अमूल्य भूमिका निभाता है।

उभरती अर्थव्यवस्थाओं और विकासशील देशों के साथ जी-7 का जुड़ाव और उनका समावेश समूह के एजेंडे में शामिल रहा है। जी-7 के अनुसार, इसका फोकस लगातार विस्तारित होता रहा। इसने जलवायु-ऊर्जा संबंध और खाद्य सुरक्षा सहित वैश्विक मुद्दों की एक विस्तृत श्रृंखला पर ध्यान केंद्रित किया है।

दुनिया में भारत का प्रभाव और जिम्मेदारी बढ़ रही है और जी-7 भारत की राय को नजरअंदाज नहीं कर सकता। अभी तक जी-7 देशों का सबसे प्रभावशाली समूह है। यह खास तौर पर तब महत्वपूर्ण है जब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) का प्रभाव कम हो रहा है। अमेरिका और चीन-रूस के बीच रिश्ते खराब होने की वजह से यूएनएससी अब मजबूत फैसले नहीं ले पा रही है।रक्षा व्यय के मामले में भारत दुनिया में चौथे स्थान पर है। भारत की जीडीपी ब्रिटेन, फ्रांस, इटली और कनाडा से ज्यादा है। साथ ही भारत एक लोकतांत्रिक देश है, इसलिए जी-7 हर साल भारत को आमंत्रित करता है और उससे संवाद करना चाहता है। दुनिया को चीन की जगह भारत जैसी जिम्मेदार शक्ति की जरूरत है। चीन और भारत के बढ़ते कद के बावजूद दोनों देशों के रवैये में बिल्कुल अंतर है। दक्षिण चीन सागर में चीन फिलीपींस समेत कई देशों के साथ अपने क्षेत्रीय दावे के लिए होड़ कर रहा है।जानकारों का मानना है कि जी-7 देश नहीं चाहते कि चीन एक महान शक्ति बने क्योंकि वह जिम्मेदार नहीं है। तीसरा, जी-7 में भारत का शामिल होना जी-7 के लिए ग्लोबल साउथ के महत्व को दर्शाता है। जी-7 ग्लोबल साउथ पर ध्यान केंद्रित करता है क्योंकि अमेरिका और चीन ग्लोबल साउथ देशों में अपने प्रभाव के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

महत्वपूर्ण और....

निगरानी, चेकपॉइंट और सघन गश्त किए जा रहे हैं। संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखने के लिए शहर में विशेष अभियान समूह (एसओजी) के जवान तैनात किए जाएंगे। साथ ही सीआरपीएफ कर्मियों के साथ जम्मू कश्मीर पुलिस के कमांडो को एसकेआईसीसी के आसपास तैनात किया गया है।

उन्होंने कहा कि किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए एहतियात के तौर पर घाटी में प्रमुख राजमार्गों पर नाके और चेकिंग प्वाइंट चालू रहेंगे। काजीगुंड में कश्मीर में प्रवेश करने वाले वाहनों की तलाशी ली जा रही है। किसी भी घटना को रोकने के लिए महत्वपूर्ण चौराहों पर विशेष टीमें तैनात की गई हैं। हम अलर्ट पर हैं। श्रीनगर में पुलिस और अर्धसैनिक बलों ने वाहनों की तलाशी के लिए कई स्थानों और अन्य प्रमुख शहरों में बैरिकेड्स लगाए हैं।पीएम के दौरे के लिए सुरक्षा उपायों के तहत डल झील के किनारे एसकेआईसीसी के आसपास कड़ी सुरक्षा तैनात की गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 जून को श्रीनगर का दौरा करेंगे और 21 जून को योग दिवस कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। पीएम 20 जून को कश्मीर पहुंचेंगे और रात वहीं रुकेंगे। अगली सुबह वे योग में हिस्सा लेंगे।प्रधानमंत्री के दौरे की तैयारी के लिए उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के नेतृत्व में जम्मू कश्मीर प्रशासन को हाई अलर्ट पर रखा गया है। जम्मू-कश्मीर खेल परिषद को योग दिवस कार्यक्रम की व्यवस्थाओं की देखरेख करने का निर्देश दिया गया है। जेकेएससी के एक अधिकारी ने बताया कि यात्रा की तैयारियां शुरू हो गई हैं। हमने योग टीमों और प्रशिक्षकों से इस बड़े आयोजन की तैयारी करने को कहा है। हम पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने बताया कि हमने विभिन्न खेल विंगों को इस बड़े आयोजन में भाग लेने के लिए 3,000 खिलाड़ियों को इकट्ठा करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि श्रीनगर में एथलीटों को प्रशिक्षित करने के लिए विशेष सत्र आयोजित किए जा रहे हैं।

पुरानी पेंशन....

अखिल भारतीय रक्षा कर्मचारी महासंघ (एआईडीईएफ) के महासचिव सी. श्रीकुमार ने भी 11 जून को ही केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह को 21 मांगों वाला एक पत्र भेजा है। इसमें भी ओपीएस, कोविड के दौरान रोके गए 18 माह के डीए का एरियर, सीजीएचएस और एलटीसी सहित दूसरी कई मांगें शामिल हैं।

शिवगोपाल मिश्रा ने प्रधानमंत्री मोदी को लिखा, आप अपनी सोच के अनुसार, भारत के विकास के अपने संकल्प को अवश्य पूरा करेंगे। ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन के करीब 9 लाख सदस्य, सरकार की योजनाओं में अवश्य सहभागी रहेंगे। बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी ने एआईआरएफ के 24 अप्रैल को नई दिल्ली में आयोजित शताब्दी महोत्सव के अवसर पर प्रेरणादायक संदेश भेजा था। उसके जवाब में अब शिव गोपाल मिश्रा ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखा है। इसी में उन्होंने पुरानी पेंशन बहाली और आठवें वेतन आयोग के गठन की बात कही है।

डीओपीटी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह को लिखे अपने पत्र में एआईडीईएफ के महासचिव सी. श्रीकुमार ने कहा, रक्षा सहित सभी केंद्रीय मंत्रालयों में विभागीय काउंसिल जेसीएम और नेशनल काउंसिल जेसीएम की बैठकें, नियमित तौर पर होनी चाहिए। प्रभावी कामकाज के लिए समय पर बैठकों का होना बहुत जरूरी है। सातवें सीपीसी पे स्केल के अनुसार, रक्षा विभाग के सिविल कर्मियों के नाइट ड्यूटी अलाउंस की पेमेंट का आदेश जारी किया जाए।ऐसे कर्मचारियों का वेतन बढ़ाया जाए, जिन्हें 31 दिसंबर 2015 तक पदोन्नति मिल गई थी, लेकिन उनका वेतन एक जनवरी 2016 को पदोन्नति पाए जूनियरों से कम है। कोविड 19 के दौरान केंद्र सरकार ने 18 माह के डीए/डीआर का एरियर फ्रीज कर दिया था, अब उसे जारी किया जाए। केंद्र सरकार में ऐसे कर्मचारी, जो सेवा के दौरान मारे जाते हैं, उनके बच्चों को सहानुभूतिशील आधार पर नियुक्ति देने के लिए पांच फीसदी की अधिकतम सीमा को खत्म किया जाए। कोविड-19 के दौरान मारे गए कर्मियों के परिजनों को सहानुभूतिशील आधार पर नियुक्ति दी जाए। नेशनल पेंशन सिस्टम को खत्म किया जाए। उन कर्मियों को काल्पनिक वेतन वृद्धि दी जाए, जिनका इंक्रीमेंट पहली जुलाई या पहली जनवरी को देय होता है, लेकिन वे जून और दिसंबर के आखिरी दिन रिटायर हो जाते हैं। इस बारे में विभिन्न अदालतों द्वारा आदेश भी जारी किए गए हैं। जीपीएफ के तहत डिपॉजिट लिंक इंश्योरेंस स्कीम को छह लाख रुपए तक बढ़ाया जाए।

केंद्र सरकार में पेंशनर के लिए पेंशन का परिवर्तित भाग 15 साल के बजाए, 12 वर्ष में किया जाए। संसदीय स्थायी समिति की सिफारिशों के मुताबिक, हर जिले में सीजीएचएस वेलनेस सेंटर स्थापित किया जाए। बिना किसी देरी के आठवें वेतन आयोग का गठन हो। उन केंद्रीय कर्मियों को, जो एलटीसी 80 की सुविधा लेते हैं और अंडमान एंड निकोबार आइलैंड जाने के लिए एयर टिकट, अधिकृत एजेंट की बजाए, उत्तर पूर्व व जेएंडके की तर्ज पर किसी दूसरे एजेंट से लेते हैं, एकबारगी छूट प्रदान की जाए। रक्षा क्षेत्र के कर्मियों को संचित 300 प्लस 30 दिन की ईएल की इजाजत, नॉन इंडस्ट्रियल कर्मियों की तर्ज पर दी जाए। एआईडीईएफ महासचिव ने उक्त मांगों को लेकर डीओपीटी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह से मुलाकात का समय मांगा है।

लोकसभा अध्यक्ष...

लेकर दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं। भाजपा के 7 बार के सांसद राधा मोहन सिंह का नाम भी अध्यक्ष पद के लिए चल रहा है। वहीं पिछले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का नाम भी सुर्खियों में है। बिरला दोबारा अध्यक्ष बन सकते हैं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2014 में एनडीए ने सुमित्रा महाजन को अध्यक्ष चुना था। 2019 से 2024 तक लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला रहे। 2014 और 2019 दोनों ही चुनाव में भाजपा को अकेले दम पर पूर्ण बहुमत मिला था। इस बार भाजपा को पूर्ण बहुमत नहीं मिला है।

हिन्द प्रशांत क्षेत्र...

बातचीत करते हुए श्री सिंह ने हमेशा संचालन के लिए तैयार रहने और हिंद महासागर क्षेत्र में पहली प्रतिक्रिया करने वाली सेना के रूप में उभरने के लिए नौसेना की सराहना की। उन्होंने कहा, हमारी नौसेना यह सुनिश्चित करती है कि कोई भी देश हिंद-प्रशांत क्षेत्र में दूसरे देश को न दबाए या आर्थिक ताकत अथवा सैन्य शक्ति के आधार पर किसी की रणनीतिक

स्वायत्तता को खतरे में न डाले। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास (सागर) के दृष्टिकोण के अनुरूप है, जिसमें क्षेत्र में हमारे मित्र देश सुरक्षित रहते हैं और पारस्परिक प्रगति के पथ पर एक साथ आगे बढ़ते हैं।

रक्षा मंत्री ने देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने और अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश की हैसियत बढाने में नौसेना के योगदान को भी श्रेय दिया। उन्होंने इस वर्ष मार्च में अरब सागर में नौसेना के साहसी बचाव अभियान का विशेष उल्लेख किया, जब उसने 23 पाकिस्तानी नागरिकों को सोमाली समुद्री डाकुओं से मुक्त कराया था। उन्होंने कहा, यह ऑपरेशन मानवता के साथ-साथ नौसेना कर्मियों में निहित मूल्यों का प्रदर्शन था, जो राष्ट्रीयता की परवाह किए बिना हर किसी की सहायता के लिए आते हैं।

श्री सिंह ने कहा, यह बहुत गर्व की बात है कि हमारी नौसेना सुरक्षित व्यापार सुनिश्चित कर रही है और हिन्द महासागर क्षेत्र में शांति तथा समृद्धि को बढ़ावा दे रही है। मुक्त नेविगेशन, नियम-आधारित विश्व व्यवस्था, समुद्री डकैती रोधी और क्षेत्र में शांति तथा स्थिरता सुनिश्चित करना हमारा सबसे बड़ा उद्देश्य है। इन्हें पूरा करने में नौसेना अहम भूमिका निभा रही है। भारत, अपनी बढ़ती शक्ति के साथ, इस क्षेत्र के साथ-साथ पूरे विश्व को शांतिपूर्ण और समृद्ध बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

रक्षा मंत्री ने नौसेना की बढ़ती ताकत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह भारत की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत के वाणिज्यिक हित इस क्षेत्र से जुड़े हुए हैं, और नौसेना व्यापक राष्ट्रीय उद्देश्यों को प्राप्त करते हुए समुद्री सीमाओं को सुरक्षित करने का एक माध्यम है। उन्होंने कहा कि सरकार के लिए राष्ट्रीय हित सर्वोपरि है, उन्होंने आश्वासन दिया कि उनकी सुरक्षा के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे। श्री सिंह ने कहा कि कार्यभार संभालने के बाद पहला दौरा हमेशा विशेष महत्व रखता है क्योंकि यह सरकार के भविष्य के दृष्टिकोण को दर्शाता है। उन्होंने कहा, जून 2019 में रक्षा मंत्री के रूप में अपने पहले कार्यकाल की शुरुआत में मैंने सियाचिन ग्लेशियर का दौरा किया। मैंने अप्रैल 2024 में फिर से दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र का दौरा किया। हमारा उद्देश्य उत्तरी सीमाओं पर ध्यान केंद्रित करने के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करना था। चाहे वह बुनियादी ढांचे का विकास हो या दूर-दराज के इलाकों को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ना हो या सीमाओं पर शांति और स्थिरता सुनिश्चित करना हो, हमने इन सभी उद्देश्यों को हासिल किया है। हालाँकि, इसका मतलब यह नहीं है कि हमने अपने पिछले कार्यकाल में हिन्द महासागर पर ध्यान नहीं दिया। हमने अपनी नौसेना और समुद्री सुरक्षा पर पूरा ध्यान दिया।

रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि उनके दूसरे कार्यकाल में, समुद्री सुरक्षा को और मजबूत करने और हिन्द महासगर क्षेत्र में भारत की नौसैनिक शक्ति की मौजूदगी को और अधिक प्रभावी तथा मजबूत बनाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। उन्होंने कहा, बढ़ते औद्योगिक बुनियादी ढांचे के कारण भारतीय नौसेना लगातार मजबूत हो रही है। हमारे शिपयार्ड का विस्तार हो रहा है, विमानवाहक पोत बढ़ रहे हैं और हमारी नौसेना एक नई शक्ति के रूप में उभर रही है। हम दूसरे कार्यकाल में भी अपने प्रयासों को गति देंगे। चाहे हिमालय हो या हिंद महासागर, हमारी प्राथमिकता सीमाओं पर सुरक्षा को लगातार मजबूत करने की होगी। श्री सिंह ने कहा कि सीमाओं और समुद्री सुरक्षा पर सरकार के फोकस का एक व्यापक दृष्टिकोण देश के उत्तरी और दक्षिणी हिस्सों को एक सूत्र में बांधना है। समुद्र में एक दिन कार्यक्रम का समापन सनराइज फ्लीट के दल के साथ पारंपरिक बड़ाखाना के साथ हुआ। इससे पहले, विशाखापत्तनम में आईएनएस डेगा पहुंचने पर रक्षा मंत्री का गार्ड ऑफ ऑनर के साथ औपचारिक स्वागत किया गया।

370 हटा पर ...

भवानी आने वाले सैंकड़ों कश्मीरी विस्थापित हिंदुओं ने एक बार फिर अपनी कश्मीर वापसी के लिए दुआ भी मांगी।

इस मौके पर जम्मू सहित देश के दूसरे राज्यों से मां राघेन्या के दरबार में हाजरी देने के लिए पहुंचे कश्मीरी हिंदुओं का फूलों से स्वागत किया गया। मंदिर के मुख्य द्वार में स्वागत के लिए पहुंचे स्थानीय मुस्लिमों ने कश्मीरी हिंदुओं का स्वागत करते हुए कहा कि कश्मीरी हिंदू हमारे जीवन का हिस्सा हैं, दुर्भाग्य से, कट्टरवाद-आतंकवाद ने समुदायों के बीच एक कील पैदा कर दिया है लेकिन उन्हें बता देना चाहते हैं कि हम एक दूसरे के बिना अधूरे हैं। हमें केवल कश्मीर में शांति बनाए रखने के लिए प्रशासन पर भरोसा नहीं करना चाहिए। हमें कश्मीर में हालात बेहतर के साथ आपसी भाईचारा मजबूत करने के लिए खुद से भी योगदान देना होगा।

ज्येष्ठा अष्टमी को कश्मीर में तुलमुला तथा मझगांव स्थित मां क्षीर भवानी मेले में मां रागन्या को आस्था के फूल अर्पित करने के लिए इस बार करीब 5000 कश्मीरी हिंदू जम्मू से रवाना हुए थे। अंतिम समय पर डर के कारण कुछ कश्मीरी हिंदू परिवारों ने अपना कार्यक्रम टाल दिया था। इस बार के मेले की खास बात यह थी कि क्षीर भवानी आने वाले कश्मीरी हिंदुओं ने इस बार अपनी कश्मीर वापसी की चर्चा स्थानीय मुस्लिमों के साथ की थी। उन्होंने विश्वास जताया कि वे जल्द ही कश्मीर लौट सकते हैं। पुणे में रह रहे कश्मीरी हिंदू बीएल रैना का कहना था कि उन्हें कश्मीर की बहुत याद सताती है और वे वापस आने का खतरा मोल लेने को तैयार हैं।

कश्मीर में आतंकवाद के दौरान विकट परिस्थितियों में भी क्षीर भवानी मंदिर पहुंचने वाले हिंदुओं और मुस्लिम भाइयों ने आपसी प्रेम को कायम रखा है। इसमें बड़ी संख्या में मुस्लिम भाई लंगरों में भक्तों की सेवा करते रहे हैं। मेले के लिए को पूजा में प्रयोग लाए जाने वाले दूध, फूलों सहित अन्य जरूरी सामग्री को उपलब्ध करवाया गया था। इसके अलावा यात्रियों के ठहरने, पानी, बिजली, चिकित्सा आदि के उचित इंतजाम किए गए थे।

यह मेला कश्मीर में हिन्दू-मुस्लिम भाईचारे का प्रतीक भी है। इस मेले में घाटी की हिंदू आबादी के साथ ही स्थानीय मुसलमान भी बढ़-चढ़ कर शामिल होते है। यहां तक कि पूजा सामग्री से लेकर श्रद्धालुओं की सुविधा का पूरा इंतजाम भी यही लोग करते हैं। दंत कथाओं के अनुसार क्षीर भवानी माता जिसे शामा नाम से जाना जाता था, श्रीलंका में विराजमान थी। वह वैष्णवी प्रवृति की थी, लेकिन राक्षसों की प्रवृति से माता नाराज हो गई और वहां भगवान श्रीराम के आगमन पर मां ने हनुमान को आदेश दिया कि वह उन्हें सतीसर (जिसे कश्मीर भूमि कहा जाता है) में ले जाए। इस पर हनुमान मां को 360 नागों के साथ श्रीनगर ले आए। इस दौरान मां जहां जहां रुकी वहां उनकी स्थापना हुई। कश्मीर में गंदरबल जिला के तुलमुला क्षेत्र में मां क्षीर भवानी का प्रमुख मंदिर स्थापित है। इस मंदिर की महाराजा प्रताप सिंह ने स्थापना की। मंदिर के कुंड के पानी की खासियत है कि संसार में जब भी कुछ घटता है कुंड के पानी का रंग बदल जाता है। यहां कई दिन मां के मेले का आयोजन होता है।

माता वैष्णो देवी मंदिर की ये पौराणिक कथा है बेहद रोचक

मान्यताओं के अनुसार पंडित श्रीधर ने आज से लगभग 900 साल पहले माता वैष्णो देवी मंदिर का निर्माण करवाया था। माता ने उन्हें कैसे दर्शन दिए, वो कहां रहते थे और उनकी कौन सी मनोकामना पूर्ण हुई ये कहानी भी बेहद रोचक है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार माता वैष्णो देवी मंदिर का निर्माण करीब 900 वर्ष पहले पंडित श्रीधर के द्वारा करवाया गया था। कटरा से 2 किलोमीटर दूर हंसाली गांव में श्रीधर पंडित जी की कुटिया है, जो आज भी मौजूद है। यहां भी लोग उनके दर्शन करने जाते हैं। मान्यता है कि ये वही घर है जहां माता वैष्णो देवी ने पंडित श्रीधर की भक्ति से प्रसन्न होकर उन्हे साक्षात दर्शन दिए थे।

कहा जाता है कि पंडित श्रीधर हंसाली गांव में रहते थे और माता वैष्णो देवी के प्रबल भक्त थे। वे माता की पूजा-अर्चना नियमित रूप से करते थे और उनसे सदैव अपनी भक्ति और प्रेम व्यक्त करते थे। एक बार, उन्हें माता वैष्णो देवी ने स्वप्न में दर्शन दिए और उन्हें त्रिकुटा पर्वत पर गुफा में उनकी पिंडी खोजने का आदेश दिया। श्रीधर ने माता के आदेश का पालन करते हुए त्रिकुटा पर्वत पर यात्रा की और कठिन परिश्रम के बाद माता की गुफा का पता लगाया। उन्होंने गुफा में माता की पिंडी की स्थापना की और उनकी पूजा-अर्चना शुरू कर दी। धीरे-धीरे, श्रीधर की भक्ति और माता की कृपा से, इस स्थान पर लोगों का आना-जाना शुरू हो गया और यह एक प्रसिद्ध तीर्थस्थल बन गया।

पंडित श्रीधर की भक्ति से प्रसन्न होकर ही देवी माँ ने उन्हें छोटी बच्ची के रूप में दर्शन दिए थे और उसी वक्त इस मंदिर का निर्माण हुआ था। कहा जाता है कि जिस गुफा में माता का निवास स्थान है। उसी गुफा में माता वैष्णो देवी (चरींर तरळीहपे ऊर्शींळ) ने नौ महीने बिताए थे। जिस तरह कोई भी शिशु माता के गर्भ में नौ महीने रहता है उसी तरह मां भी इस गुफा में रहीं।इसी कारण इस गुफा को गर्भ गुफा के नाम से जाना जाता है। मान्यताओं के अनुसार पंडित श्रीधर को सपने में माता रानी ने दर्शन दिए थे और स्वयं इस गुफा के बारे में बताया था। इसके बाद ही इस मंदिर का निर्माण किया गया था।

कटरा से 2 किलोमीटर दूर हंसाली गांव में श्रीधर पंडित जी की कुटिया है जहां माता ने पंडित को साक्षात दर्शन दिए थे। उनका 900 साल पुराना घर आज भी है। इसी घर में वो भक्ति तपस्या करते थे, उनके घर में संतान नहीं होती थी तो वो मां की भक्ति करते थे कि मेरे घर में कोई संतान हो जाए। गांव की कन्या को बुलाते थे की मेरे घर में कन्या पूजन के लिए आएंगी तो मेरा व्रत पूरा होगा। नवरात्रों के समय उनके गांव के लोग उनके घर में अपनी कन्या नहीं भेजते थे। हर नवरात्र में उनकी पत्नी का रो-रोकर, दुखी होकर निराश हो जाती थी। इसी तरह ये कहानी बहुत समय तक चलती रही। एक बार मां वैष्णो देवी उनकी भक्ति से प्रसन्न हो गई। जब माता ने देखा कि गांव वालों ने श्रीधर पंडित के यहां अपनी कन्या नहीं भेजी, मेरा भक्त बहुत दुखी है तो उनसे रहा नहीं गया। तब मां वैष्णो देवी ने खुद ही कन्या का रूप धारण किया और नव माताओं का कन्या के रूप में आह्वान किया और नौ कन्याओं को लेकर कमरे में आई। जहां पर पंडित श्रीधर जी ने उनका फिर कन्या पूजन किया। इस तरह से उनका व्रत पूरा हुआ। जब उनको भोजन कराया, उनका पूजन किया, उनको प्रसाद वगैरह दिया, आशीर्वाद दिया उनमें जो मां वैष्णो की कन्या रूप में है, उन्होंने कहा था पंडित जी हमारे भोजन और हमारे पूजन से आपकी मनोकामना पूरी नहीं होगी, आप सारे गांव को भंडारा करके भोजन कराएं तभी आपकी सभी मनोकामना पूर्ण होगी और आपके घर में संतान होगी। ये आशीर्वाद देकर माता यहां से चली गयी

उनकी पत्नी ने कहा कि माता ने कहा है कि भंडारे के लिए तो हम सारे गांव को निमंत्रण दे देते हैं तो उन्हें सब गांव को निमंत्रण दिया। पूरे कटरा शहर को निमंत्रण दे दिया। भैरवनाथ को भी निमंत्रण दिया तब जो है दूसरे दिन जो यहां सारा गांव जमा हुआ वो चिंतित हो गए की अब क्या करूँ? ये तो सारा गांव आ गया, मेरे पास न भोजन है न पानी है, बैठने को जगह नहीं है। लेकिन माता के आशीर्वाद से पंडित श्रीधर सबको भोजन करवा पाए और उनकी मनोकामना पूर्ण भी हुई। इस समय मंदिर में पूजा कर रहे पंडित जी के अनुसार जो अष्टधातु की माता की मूर्ति है वो 900 वर्ष पुरानी है। इसी मूर्ति की वो पूजा करते थे और जब आसपास किसी गांव में जाते तो माता को हमेशा अपने साथ लेकर जाते थे।

तो आप अगर मां वैष्णो देवी के दर्शन करने जा रहे हैं तो कटरा से 2 किलोमीटर दूर पंडित श्रीधर की कुटिया भी जरूर देख आएं। क्या पता किस रूप में आपको भी यहां माता के दर्शन हो जाएं और आपके मन की मुराद पूरी हो जाए।

दिन के इस समय आप जो भी सोचते हैं वो आपके साथ होता है

जानें क्या है ये चमत्कारी समय

सूर्योदय से ठीक 1 घंटा 36 मिनट पहले ब्रह्म मुहूर्त का समय शुरू होता है। इस समय को ब्रह्मांड की शक्तियों से भरा माना जाता है। यह समय ध्यान और वेदों के अध्ययन के लिए उत्तम माना गया है। 18 निमेश एक काष्टा के बराबर होती है। 30 काष्टाएं एक कला के बराबर होती हैं। 30 कलाओं का एक मुहूर्त होता है और 30 मुहूर्त के मेल से 1 दिन और रात बनता है। इस 30 मुहूर्त का सबसे चमत्कारिक मुहूर्त ब्रह्म मुहूर्त होता है, जिसे चमत्कारिक पल या फिर अमृत बेला माना गया है। सूर्योदय से ठीक 1 घंटा 36 मिनट पहले का वो रहस्यमय और चमत्कारिक समय अगर आपने इस्तेमाल करना सीख लिया तो कुछ ही समय में अपने जीवन में आए ऐसे ऐसे बदलाव को देखेंगे जिसे देख आप खुद दंग हो जाओगे। मनु स्मृति में महार्षि मनु ने भी कहा है कि ब्रह्म मुहूर्त में उठकर हमें ध्यान और वेदों का अध्ययन करना चाहिए। पूरा दिन और रात मिलाकर 30 मुहूर्त होते हैं और सभी मुहूर्त 48 मिनट तक चलते हैं। सूर्योदय के ठीक पहले दो मुहूर्त होते हैं ब्रह्म मुहूर्त उसके बाद समुद्रमुहूर्त। ब्रह्म मुहूर्त यानि कि ब्रह्मांड का समय या फिर ब्रह्मा का समय, इस समय पूरे युनिवर्स में ऐसी रहस्यमय और चमत्कारिक शक्ति फैली होती है जिसे आप अपने तरीके से यूज़ कर अपनी हर इच्छा को पूरा कर सकते हैं। अब हम जानते हैं कि ऐसा कौन सी चीज़ है जो 30 मुहूर्तों में से ब्रह्म मुहूर्त को इतना शक्तिशाली बनाती है।

हमारे बॉडी में टोटल 72,000 नाडिया होती है और सीप सविता में ये नंबर बढ़कर साढ़े 3,00,000 नाड़ियों की बात होती है। पर इसमें से सबसे इम्पोर्टेन्ट नाडिया पिंगला और सुषमा, नाडिया और एक सामान्य मनुष्य में सिर्फ इड़ा नाड़ी और पिंगला नाड़ी अक्टिवेट होती है। सबसे पहले आप अपनी ऊंगली लेकर अपने नाक के नीचे रखिए और इस नॉनस्ट्रिल से आप सांस ज्यादा छोड़ रहे हैं। 99% से भी ज्यादा लोग अपने किसी एक से सांस ज्यादा छोड़ रहे हैं। या तो लेफ्ट या तो राइट। बहुत कम टाइम ऐसा होता जिसमें आपका दोनों नॉस्ट्रिल अक्टिवेट होते हैं। लेकिन ब्रह्म मुहूर्त के दौरान आपके दोनों इड़ा और पिंगला तोड़ो नाड़ी अक्टिवेट हो जाती और ये हमारे कुंडलीनी शक्ति को जागृत करने के लिए इम्पोर्टेन्ट रोल प्ले करती हैं। और जब आप ब्रह्म मुहूर्त में मेडिटेशन यानी कि ध्यान करते हैं तो आपका सुषमा नारी भी अक्टिवेट हो जाती है और ये हमारे मूलाधार चक्र से होते हुए सहस्त्र चक्र तक पहना स्टार्ट कर देती है। इसलिए साधु और योगी ब्रह्म मुहूर्त में उठ कर ध्यान करते हैं।

जैविक लय

सर्कैडियन रिदम हमारे लिए पूरे पृथ्वी और हमारा शरीर पंच महाभुत के मेल से बने आकाश, वायु, जल, अग्नि और पृथ्वी। इन्हीं पांच तत्वों के मेल से हमारे बॉडी के तीन मुख्य दोषों का निर्माण होता हैं, जिसे त्रिदोष भी कहते हैं। वात, पित और कफ और इन दोषों में सबसे इम्पोर्टेन्ट दोष हैं वात दोष। हमारे बॉडी में अगर वात दोष असंतुलित हो जाता हैं तो हम किसी काम में कॉन्सेंट्रेटेड या फिर फोकस नहीं कर पाते। हमें एन्क्साइटी, डर या अकेलापन महसूस होता हैं। आयुर्वेदा के अनुसार, हमारे बॉडी में सुबह दो बजे से लेकर छह बजे तक वात दोष का लेवल सबसे ज्यादा होती हैं। इसलिए इस समय हमारे क्रियेटिविटी, कॉन्सेन्ट्रेशन और फोकस करने की क्षमता सबसे ज्यादा होती हैं। इसलिए हमें इस समय पर ज्यादा से ज्यादा क्रियेटिव वर्क करना चाहिए और इससे हमारा ये दोष भी बैलेंस होने लगता है।

आकर्षण का नियम

जिस तरह से हम और हमारा ब्रेन एक दूसरे से इंटर कनेक्टेड हैं। उसी तरह से हम और ब्रह्मांड एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। अगर आप प्राकृतिक के नियम के अकॉर्डिंग चलोगे ये ब्रह्मांड आपको वो हर एक चीज़ देगी जो आप चाहोगे। अगर आप ब्रह्म मुहूर्त के समय अपने कोई भी विचार ब्रह्मांड को दोगे तो ये ब्रह्मांड उस थॉट को रियल लाइफ में मैनिफेस्ट करने में उतना ही कम समय लेंगे। इसके अलावा भी बहुत सारी चीज़े हैं जो इस अड़तालीस मिनट के मुहूर्त को और ज्यादा पावरफुल बनाती हैं। जैसे कॉस्मिक एनर्जी, आपको पता है कि हमारी रातें चार कालों में विभाजित होती है।

उदाहरण के लिए।

अगर सूर्यास्त 6:00 बजे होता है तो छह से नौ रुद्रकाल इस समय में कभी भी सोना नहीं चाहिए।

09:00 से 12:00 राक्षस काल इस समय में कभी भी जगे हुए नहीं रहना चाहिए।

रात 12:00 से 03:00 गंधर्व काल जब हम सबसे गहरी नींद में होते हैं।

देर रात 03:00 से 06:00 मनोहर काल जिस समय हमें हर हालत में बिस्तर छोड़ देना चाहिए क्योंकि मनोहर काल के दौरान सबसे ज्यादा कॉस्मिक एनर्जी यानि विश्व शक्ति होती है और ये वो ही एनर्जी है जो इस ब्रह्माण को सुचारु रूप से चलने में मदद करती है। लेकिन जब हम सोए होते हैं तब हमारे बॉडी में बहुत कम मात्रा में कॉस्मिक एनर्जी एंटर कर पाती हैं।

क्यों मनाई जाती हैं धूमावती जयंती? जानिए तिथि, इस दिन का महत्व

पंचांग के अनुसार ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि पर धूमावती जयंती मनाई जाती है। मां धूमावती 10 महाविद्याओं में से एक हैं। ऋषि दुर्वासा, भृगु, परशुराम की मूल शक्ति धूमावती माता ही हैं।

पापियों के नाश के लिए मां धूमावती अवतरित हुई थीं। शत्रु पर विजय प्राप्ति के लिए मां धूमावती की उपासना की जाती है। आइए जानें धूमावती जयंती 2024 की डेट, पूजा मुहूर्त और महत्व।

धूमावती जयंती 14 जून 2024 शुक्रवार को है। देवी पार्वती के इस स्वरूप को लेकर एक मान्यता है कि इस दिन सुहागिन महिलाएं मां धूमावती का पूजन नहीं करती हैं, बस दूर से ही देवी के दर्शन करती हैं।

मां धूमावती का स्वरूप

मां धूमावती पार्वती माता का उग्र स्वरूप माना जाता है। उनका स्वरूप बड़ा मलिन और भयंकर है। वह कौए पर सवार होती हैं। देवी पुराने एवं मलिन वस्त्र धारण करती हैं और उनके केश पूर्णतः अव्यवस्थित रहते हैं।

उनकी पूजा विधवा के रूप में की जाती है क्योंकि माता ने भूख से आतुर होकर शिव जी को ही निगल लिया था। इस घटना से क्रोधित होकर भगवान शिव ने देवी का परित्याग कर दिया तथा उन्हें विधवा रूप धारण करने का श्राप दे दिया।

क्यों मनाई जाती है धूमावती जयंती ?

घनघोर दरिद्रता से मुक्ति प्राप्त करने हेतु देवी धूमावती की पूजा की जाती है। समस्त प्रकार के रोगों से मुक्ति हेतु भी देवी की आराधना की जाती है।

धूमावती जयंती के उपाय

जिन व्यक्तियों के जीवन में कर्ज की समस्या है या फिर आर्थिक परेशानियां लगातार बनी हुई हो उन्हें धूमावती जयंती के दिन नीम की पत्तियों और घी के साथ हवन करना चाहिए।

दरिद्रता से मुक्ति पाने के लिए धूमावती जयंती के दिन गुड़ और गन्ने से हवन करने की सलाह दी जाती है।

जीवन में दुख, कष्ट और परेशानियां बहुत बढ़ गई है तो शनिवार के दिन मां धूमावती को काले कपड़े में काले रंग के तिल बांधकर चढ़ाना चाहिए।

सावन का पहला मंगला गौरी व्रत कब है

जानिए सही तिथि और महत्व

सावन का महीना जल्द ही शुरू होने वाला है। यह माह भगवान शिव को समर्पित होता है। इस माह में पड़ने वाले सोमवार का बहुत महत्व होता है। भगवान शिव के निमित्त सावन सोमवार का व्रत रखा जाता है। इसी तरह सावन के महीने में पड़ने वाले मंगलवार माता पार्वती को समर्पित होते हैं। इस दिन देवी पार्वती की विशेष पूजा की जाती है। इन्हें मंगला गौरी व्रत के नाम से जाना जाता है।

मुख्य रूप से विवाहित महिलाएं और कुंवारी लड़कियां इस व्रत को रखती हैं। आइए, जानते हैं कि साल 2024 में सावन का पहला मंगला गौरी व्रत किस दिन रखा जाएगा।

इस बार सावन का महीना 22 जुलाई, सोमवार से शुरू होगा। ऐसे में सावन का पहला मंगला गौरी व्रत 23 जुलाई 2024, मंगलवार को रखा जाएगा। मंगला गौरी व्रत के दिन कुछ विशेष उपाय किए जाएं, तो मंगल ग्रह से जुड़े दोषों से मुक्ति मिलती है।

क्यों किया जाता है मंगला गौरी व्रत?

मान्यता है कि मंगला गौरी व्रत अखंड सौभाग्य की प्राप्ति के लिए किया जाता है। इस व्रत के प्रभाव से पति को लंबी उम्र का आशीर्वाद मिलता है। साथ ही घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। कहा जाता है कि यदि कुंवारी कन्याएं इस व्रत को करती हैं, तो उन्हें अच्छे वर की प्राप्ति होती है। इतना ही नहीं, मंगला गौरी व्रत के प्रभाव से विवाह से जुड़ी सभी प्रकार की परेशानियां दूर हो जाती हैं।

मंगला गौरी व्रत पर करें ये उपाय

अगर किसी व्यक्ति की शादी में देरी हो रही है, तो मंगला गौरी व्रत के दिन मां गौरी को 16 श्रृंगार की वस्तुएं चढ़ाएं। इससे मां गौरी प्रसन्न होकर अपनी कृपा जातक पर बरसाती हैं। इसके अलावा व्रत के दिन बहती नदी में मिट्टी का घड़ा प्रवाहित करने से भी विवाह से जुड़ी सभी समस्याएं खत्म हो जाती हैं।

माना जाता है कि मंगला गौरी व्रत के दिन पूजा के समय ओम गौरी शंकराय नमः मंत्र का 21 बार जाप करना चाहिए। ऐसा करने से मंगल दोष से छुटकारा मिलता है।

29 जून को वक्री होंगे शनि देव, इस राशि के जातकों पर पड़ेगा बुरा प्रभाव, इन्हें होगा फायदा

हिंदू धर्म में शनि देव को न्याय का देवता माना गया है। वे लोगों को उनके कर्मों के अनुसार फल प्रदान करते हैं, इसलिए उन्हें दंडाधिकारी भी कहा गया है। उनकी चाल विभिन्न राशियों के जातकों को प्रभावित करती है। यानी जब शनि राशि परिवर्तन करते हैं अथवा वक्री या मार्गी होते हैं, तो कई राशियों के जातकों पर इसका प्रभाव पड़ता है। ज्योतिष के मुताबिक शनि फिलहाल कुंभ राशि में विराजमान है और 29 जून को इसी राशि में वक्री होने जा रहे हैं। शनि के वक्री होने का मतलब है उनके द्वारा उल्टी चाल चलना। ऐसे में शनि की उल्टी चाल अच्छी नहीं मानी जाती है और इसके प्रभाव में आने वाले व्यक्ति को आर्थिक परेशानी सहित अन्य दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

हालांकि शनि की वक्री चाल का असर कुछ राशि के जातकों के लिए सकारात्मक परिणाम भी लेकर आता है। आपको बताते हैं कि शनि की वक्री चाल से किन राशि के जातकों को फायदा होगा और किन्हें इससे सावधान रहने की जरूरत है।

इन्हें होगा लाभ

धनु राशि – शनि की वक्री चाल से धनु राशि के जातकों को सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे। उन्हें प्रत्येक स्थान पर सफलता मिलेगी। साथ ही कार्यालय में भी सहकर्मियों का साथ मिलेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और व्यापार के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। पारिवारिक स्नेह में वृद्धि होगी। इस दौरान रुके हुए काम भी बन जाएंगे और आपकी मेहनत का उचित परिणाम मिलेगा।

सिंह राशि– इस राशि के जातकों को शनि की वक्री चाल से करियर में तरक्की मिलने के योग बन रहे हैं। साथ ही व्यापार में भी वृद्धि होगी और रुके हुए काम पूरे होंगे। इसके साथ ही दांपत्य जीवन भी सुखमय बना रहेगा। लंबी यात्रा पर जाने के योग भी बना रहे हैं, लेकिन सावधानी बरतें। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे जातकों को भी सफलता मिलने के योग हैं।

यह राशि वाले रखें सावधानी

मेष राशि के जातकों को शनि की वक्री चाल से आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही दांपत्य जीवन में भी मतभेद हो सकते हैं। अगर आपने नौकरी की तलाश कर रहे हैं तो आपको इसमें दिक्कतों के सामना करना पड़ सकता है। आर्थिक नुकसान की भी आशंका है।

वृषभ राशि– वृषभ राशि की जातकों को कार्यक्षेत्र में समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। व्यापारियों को भी भारी नुकसान हो सकता है।

मकर राशि– इस राशि के जातकों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ सकता है। आपको स्वास्थ्य पर भी ध्यान देने की जरूरत है।

कुंभ राशि– शनि की वक्री चाल कुंभ राशि वालों को शारीरिक और मानसिक रूप से नुकसान पहुंचा सकती है। बने काम भी बिगाड़ सकते हैं।

जूनियर एनटीआर की देवरा को मिली नई रिलीज तारीख

जूनियर एनटीआर अभिनीत देवरा साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। प्रशंसक इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसी बीच निर्माताओं ने प्रशंसकों को बड़ा तोहफा दिया है। देवरा समय से पहले सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है। फिल्म पहले 10 अक्तूबर, 2024 को रिलीज होने वाली थी। देवरा फिल्म के निर्माताओं ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट कर बताया कि फिल्म समय से पहले सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है। देवरा 27 सितंबर को रिलीज हो रही है। निर्माताओं ने इसे पहले 10 अक्तूबर, 2024 को रिलीज करने की योजना बनाई थी। देवरा तटीय भूमि के विरुद्ध स्थापित है और कोराताला शिवा द्वारा संचालित है। इसमें जान्हवी कपूर भी हैं और यह साउथ में उनकी पहली फिल्म है।देवरा जूनियर एनटीआर और जान्हवी कपूर का पहला सहयोग भी है। फिल्म में सैफ अली खान भी अहम भूमिका निभाएंगे।

इसमें राम्या कृष्णा भी होंगी। इसके अलावा, कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि अभिनेत्री चैत्रा राय स्टारकास्ट में शामिल होंगी। हालांकि, अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।आरआरआर की तरह, इस तेलुगु फिल्म में कथित तौर पर हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस होंगे जो दर्शकों के होश उड़ा देंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, देवरा को भारी भरकम बजट में बनाया जा रहा है। कथित तौर पर निर्माता इसके वीएफएक्स पर 140 करोड़ रुपये खर्च कर रहे हैं। देवरा जूनियर एनटीआर की 30वीं फिल्म भी है। कथित तौर पर, अभिनेता इस फिल्म में पिता और पुत्र दोनों का किरदार पर्दे पर निभाएंगे।

सोनाक्षी सिन्हा-जहीर इकबाल की शादी का ऑडियो कार्ड हुआ लीक

23 जून को पार्टी से पहले होगी रजिस्टर्ड मैरिज

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की शादी को लेकर सोशल मीडिया पर लगातार अटकलें लगाई जा रही थीं। रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा था कि शत्रुघ्न सिन्हा की बेटी अपने लॉन्ग टर्म बॉयफ्रेंड जहीर इकबाल के साथ 23 जून को शादी के बंधन में बंधेंगी। हालांकि इन खबरों पर शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा था कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है और

वह अपनी बेटी के फोन का इंतजार कर रहे हैं। लेकिन इसी बीच सोनाक्षी सिन्हा ने जहीर इकबाल संग अपनी शादी को कंफर्म कर दिया है। दरअसल सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल का एक ऑडियो एंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस शादी के ऑडियो कार्ड में सोनाक्षी और जहीर लोगों को इंवाइट करते नजर आ रहे हैं।

सोनाक्षी और जहीर ने ऑडियो कार्ड के जरिए लोगों को भेजा शादी का न्यौता

शादी के इस ऑडियो कार्ड में सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल अपने दोस्तों और रिश्तेदारों को बड़े ही मजेदार अंदाज में इंवाइट कर रहे हैं। इस ऑडियो में सोनाक्षी कह रहा हैं, हमारे प्रतिभाशाली, जासूस मित्रों और परिवार को, जो इस पेज पर आने में कामयाब रहे। हेलो। इस ऑडियो कार्ड में जहीर आगे कह रहे हैं, हम पिछले सात सालों से एक साथ हैं। इन सालों में इतनी सारी खुशियां, प्यार, हंसी और रोमांच, हमें इस पल तक ले आए हैं।

गर्लफ्रेंड और बॉयफ्रेंड से बनने जा रहे हैं पति-पत्नी: सोनाक्षी सिन्हा

इस ऑडियो में सोनाक्षी सिन्हा आगे कह रही हैं, यह वो क्षण हैं, जब हम रूमर्ड गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंस से एक-दूसरे के पति-पत्नी बनने जा रहे हैं। आखिरकार और यह सेलिब्रेशन आप लोगों के बिना अधूरा है। तो 23 जून को आप जो भी कर रहे हैं, उसे छोड़कर हमारे साथ आकर पार्टी करें। आप लोगों से वहां पर मिलते हैं। बता दें कि सोशल मीडिया पर लीक हुए इस ऑडियो कार्ड का फ्रंट पेज मैगजीन कवर जैसा है, जिसमें सोनाक्षी-जहीर की शादी से जुड़ी सभी डिटेल्स दी गई हैं। इस कार्ड पर लिखा है कि हम इसे ऑफिशियल कर रहे हैं, आखिरकार। कार्ड पर आगे लिखा है, 'रूमर्स सच हैं।' इसके साथ ही उन्होंने पार्टी का ड्रेस कोड फॉर्मल और फेस्टिव रखा है और इसके साथ ही लोगों को कहा है कि कोई भी रेड कलर ना पहनकर आए। पार्टी का वेन्यू और टाइम भी कार्ड पर लिखा हुआ है। इस कार्ड पर लिखा है, तो आइए हमारे साथ सेलिब्रेट करिे, बेस्टियन एट द टॉप में। शाम 8 बजे के बाद सोनाक्षी और जहीर के इस वेडिंग कार्ड को देखकर लग रहा है कि पहले ये कपल रजिस्टर मैरिज करेगा, उसके बाद शाम को पार्टी होगी।

स्टाइलिश रेड साड़ी पहने साउथ की हसीना श्रद्धा दास ने ढाया कहर

बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा दास हमेशा अपने बोल्ड और स्टाइलिश फैशन सेंस को लेकर चर्चाओं में रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो अक्सर फैंस के बीच छा जाती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ ग्लैमरस तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अवतार देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं।साउथ की खूबसूरत हसीना श्रद्धा दास ने अपनी दमदार एक्टिंग से लोगों के बीच अपनी अच्छी पहचान बनाई है। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं।हाल ही में एक्ट्रेस श्रद्धा दास ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ बेहद ग्लैमरस तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं, जिसमें उनका स्टनिंग अवतार देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं।फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस श्रद्धा दास ने रेड कलर की स्टाइलिश साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो काफी ज्यादा हॉट और बोल्ड नजर आ रही हैं।

एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हुए नहीं थकते हैं।हाई बन बनाकर, गले में प्यारा सा नेकलेस और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस श्रद्धा दास ने अपने इस आउटलुक को शानदार तरीके से कंप्लीट किया है।एक्ट्रेस अपने इस लुक में काफी ज्यादा डेशिंग नजर आ रही हैं। हालांकि फैंस भी उनकी इन तस्वीरों पर जमकर अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।एक यूजर ने उनकी इन फोटोज पर कॉमेंट्स करते हुए लिखा है- टू मच हॉट, वहीं दूसरे यूजर ने लिखा है- सो ग्लैमरस, फिर तीसरे यूजर ने हार्ट इमोजी रिएक्शंस देते हुए लिखा है- यू लुक ब्यूटिफुल।

कल्कि 2898 एडी से दिशा पाटनी का लुक जारी

एक्ट्रेस दिशा पाटनी आज अपना 32वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं। इस खास दिन पर अपकमिंग साइंस फिक्शन एक्शन फिल्म कल्कि 2898 एडी के मेकर्स ने उन्हें खास गिफ्ट दिया है। दरअसल, टीम ने फिल्म से उनके लुक को जारी किया है।मेकर्स ने सोशल मीडिया पर दिशा का एक शानदार पोस्टर जारी किया, जिसमें उनके लुक को देख गैंगस्टर वाइब्स आ रही हैं। फिल्म में दिशा रॉक्सी के किरदार में हैं। उन्होंने क्रॉप टॉप के साथ क्रॉप जैकेट और मैचिंग ट्राउजर पहने हुए हैं।उन्होंने अपने लुक को ग्लव्स और बूट के साथ पूरा किया।पोस्टर पर बैकग्राउंड में टैगलाइन लिखा हुआ है, हैप्पी बर्थडे रॉक्सी।पोस्ट को शेयर करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा, हमारी रॉक्सी यानी दिशा पाटनी को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। हैशटैग कल्कि 2898 एडी...कल्कि 2898 एडी तेलुगु इंडस्ट्री की सबसे महंगी बजट वाली फिल्म है। इसका निर्देशन नाग अश्विन ने किया है। यह नाग अश्विन द्वारा लिखित और वैजयंती मूवीज द्वारा निर्मित है। इसमें अमिताभ बच्चन, कमल हासन, दीपिका पादुकोण, प्रभास समेत कई अन्य कलाकार अहम रोल में हैं।यह फिल्म 27 जून को रिलीज होने वाली है।वर्कफ्रंट की बात करें तो दिशा को पिछली बार एक्शन थ्रिलर फिल्म योद्धा में देखा गया था। इसमें सिद्धार्थ मल्होत्रा और राशि खन्ना लीड रोल में थे।वह जल्द ही फिल्म कंगुवा और वेलकम टू द जंगल में नजर आएंगी।दिशा ने अपनी एक्टिंग करियर की शुरुआत तेलुगु फिल्म लोफर से की, वहीं बॉलीवुड डेब्यू सुशांत सिंह राजपूत स्टारर एम.एस. धोनी: द अनटोल्ड स्टोरी से किया। इस फिल्म में दिशा ने प्रियंका झा का किरदार निभाया। उनका गाना कौन तुझे यूं प्यार करेगा दर्शकों की जुबां पर आज भी है।इसके बाद वह बागी 2 में टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आई। यह फिल्म सुपरहिट साबित हुई। वह 2019 में रिलीज हुई सलमान खान और कैटरीना कैफ की फिल्म भारत में भी नजर आई। उन्होंने एक्शन थ्रिलर फिल्म मलंग में अनिल कपूर, आदित्य रॉय कपूर और कुणाल खेमू के साथ स्क्रीन शेयर किया।

डायरेक्टर नागराज मंजुले के साथ काम करना मेरी विश लिस्ट में था : सई ताम्हणकर

मराठी और बॉलीवुड एक्ट्रेस सई ताम्हणकर इन दिनों विजय वर्मा स्टारर मटका किंग को लेकर काफी चर्चाओं में है। इसे नागराज मंजुले डायरेक्ट कर रहे हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि नागराज के साथ काम करना उनकी विश लिस्ट में था, जिसके चलते वह काफी एक्साइटेड हैं।सई ने कहा, नागराज मंजुले के साथ काम करना मेरी विश लिस्ट में था। मैंने कई इंटरव्यू और सोशल मीडिया पर इस बारे में भी कई बार बात की है। मैं उनके साथ काम करने के लिए बहुत एक्साइटेड और नर्वस हूं।सई ने कहा, यह अमेजन प्राइम की एक वेब सीरीज है, जिसमें विजय भी शामिल हैं। मुझे इसमें उनके जैसे बेहतरीन एक्टर के साथ काम करने का मौका मिलेगा। अभी, मैं अपने किरदार के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बता सकती, लेकिन कुल मिलाकर यह मेरी जिंदगी का सबसे रोमांचक किरदार होगा।मटका किंग में कृतिका कामरा, गुलशन ग्रोवर और सिद्धार्थ जाधव जैसे कलाकार अहम रोल में हैं।मटका किंग की कहानी 1960 के दशक की है, जिसमें एक कपास व्यापारी मटका नामक एक नया जुआ खेल शुरू करता है। यह खेल शहर में तूफान मचा देता है। यह खेल पहले सिर्फ अमीरों और अभिजात वर्ग के लिए आरक्षित था, लेकिन अब हर वर्ग के लोग जुड़ जाते हैं।रॉय कपूर फिल्म्स के बैनर तले सिद्धार्थ रॉय कपूर और नागराज मंजुले के साथ गार्गी कुलकर्णी, आशीष आर्यन और अश्विनी सिदवानी द्वारा निर्मित इस सीरीज का निर्देशन नागराज ने किया है और मंजुले के साथ अभय कोरानने ने इसे लिखा है।फिलहाल यह फिल्म प्रोडक्शन स्टेज में है और इसे प्राइम वीडियो पर रिलीज किया जाएगा।वर्कफ्रंट की बात करें तो सई की झोली में ग्राउंड जीरो, अग्नि और डब्बा कार्टेल जैसी फिल्में हैं।उन्होंने कई अवॉर्ड्स अपने नाम किए। वह कबड्डी प्लेयर रह चुकी हैं। वह दुनियादारी, सौ शशि देवधर, पोस्टकार्ड और क्लासमेट्स जैसी शानदार फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। उन्होंने हंटर, लव सोनिया, गजनी, वेक अप इंडिया, मिमी, इंडिया लॉकडाउन, तेंदुलकर आउट और हाल ही में भक्षक जैसी हिंदी फिल्मों में भी काम किया हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन अगर बहतर बनाना हैं तो सुबह सूर्य नमस्कार से दिन की शुरुआत करें। मित्रों के साथ रिश्ते पहले से बेहतर बनेंगे. घर में किसी धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन करवा सकते हैं. संतान की खुशी बनी रहेगी. संतान को करियर में कोई बड़ी सफलता मिल सकती है. आपको किसी काम से अच्छा लाभ मिल सकता है. अगर आप नई नौकरी की तलाश में हैं, तो बड़े भाई–बहनों की मदद से आपको नौकरी मिल सकती है. आप दूसरों की खुशी के लिए हमेशा काम करने वाले रहेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

नया कारोबार चालू करना लाभदायक रहेगा परन्तु महनत करनी पडेगी

किन्तु आने वाले समय में आर्थिक लाभ रहेगा. अगर प्रेम–संबंध की बात हो तो परिजनों की सलाह लेने में संकोच न करें। पारिवारिक जीवन संतोषप्रद रहेगा. प्रेम विषयों की स्थिति गंभीर हो सकती है. वैवाहिक सम्बन्ध को आगे बढाने के लिए समय अनुकूल हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज सूर्य अष्टक का पाठ करके ही कार्य आरंभ करें दिल का भय दूर होगा इसलिए इससे परेशान ना हों और खुद को शांत रखें. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी.
भेंट व उपहार की प्राप्ति हो सकती है. सुख के साधन जुटेंगे. प्रसन्नता रहेगी. मित्रों और परिवारजनों का भी भरपूर सहयोग आज आपको मिलने वाला है. आज मित्रों से आपको मदद मिलने वाली है. पैतृक संपत्ति मिलने के आसार हैं. गाय को गेहूँ का भूसा खिलाए पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज सूर्य द्वादश नाम का जप करके सूर्य को प्रणाम करें आपको उचित समय की पहचान होगी. सही समय पर किया कार्य आपको सफलता दिला सकता है. परिवार में भी स्थिति ठीक बनी रहेगी. बच्चों की किसी जरूरत को पूरा करने के लिये आपको अधिक पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं. आपका दोस्त आपको कोई काम करने के लिये कह सकता है. प्राइवेट नौकरी करने वालों को अपनी वाणी पर थोड़ा ध्यान रखने की जरूरत है. सीनियर से बात करते समय आपकी जुबान फिसल सकती है. गाय और नंदी की तन–मन–धन से सेवा करें।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिन अच्छा हैं आमदनी बढेगी आय अच्छी रहेगी किन्तु बेकार के खर्चों पर अंकुश लगाना श्रेयकर रहेगा. आपको अपने करियर में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है. अथक परिश्रम उपरांत आप स्थितियों पर काबू पा पायेंगे. भावनाओं को अपने निर्णयों को निर्धारित न करने दें, निष्पक्षता बनाये रखें. व्यावसायिक एवं आर्थिक सन्दर्भ में यात्रा आपको नवीन अवसर प्रदान कर सकती है. आज आप किसी पुराने परिचित से अचानक ही मिल सकते हैं. शरीर से सम्भव है तो सूर्यास्त के बाद दूध का आहार करें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपका पारिवारिक जीवन सुखी रहेगा. दिन आपके लिए बहुत ही लाभदायक है.
जल्दबाजी में लेन–देन न करें. किसी छोटी सी भूल से हानि हो सकती है. अपरिचित व्यक्ति की बातों पर भरोसा न करें. कड़ी मेहनत और पर्याप्त कोशिश अच्छा फल देगी. संतान के प्रति भी चिंताएं कम होंगी. जो कार्य आप करने की योजना बना रहे थे आज उनमें गति आएगी. दोपहर के बाद आप बच्चों के साथ सैर सपाटे पर निकल जाए पूरा समय मनोरंजन मे बीतेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप अपने रोजगार में नई संभावनाओं को तलाश करने की कोशिश करेंगे. किसी काम के लिये कई दिनों से की जा रही मेहनत का फल आपको मिल सकता है. आपको अपने बच्चों से काम में सपोर्ट मिलेगा. आपको कोई भी मौका हाथ से नहीं गंवाना चाहिए. बदलते मौसम में आपको अपने ऊपर थोड़ा ध्यान देने की जरूरत है. बहतर स्वास्थ्य के लिए आप को आपको अपने खान–पान में भी बदलाव करना चाहिए. और सुबह शाम के समय टहलना भी चाहिए।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपने कार्यक्षेत्र पर काम करने वाले व्यक्तियो कुछ साथ अपने सम्बन्ध अच्छे रखने होंगे। व्यर्थ की यात्राओं से बचने का प्रयास करें. हांलाकि आर्थिक रूप से समय को अनुकूल कहा जाएगा. फिर भी खर्चे पर नियंत्रण रखना श्रेयकर रहेगा. समय–समय पर परिजनों का सहयोग मिलता रहेगा. कार्य क्षेत्र पर आपके समक्ष कुछ समस्याएं आ सकती हैं अपने हाथ से गाय माता को गुड खिलाए।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आप की झूठ बोलने की आदत आप को हरेक समय अपने सहकर्मियों के बीच लज्जित करती हैं झूठ बोलने से बचें, और यह आपके प्रेम–संबंध को भी बिगाड़ सकता है. तनाव का तबियत पर ख़राब असर हो सकता है. धन संबंधी मामलों में बुद्धि व विवेक से फैसले लें. दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा. बच्चे को रोमांचक समाचार ला सकते हैं. आज आप ख़रीदारी के लिए निकल सकते हैं, यह समय पैसे और वित्त संबंधी मामलों में अच्छा रहेगा कुछ पैसा अपने उज्जवल भविष्य के लिए जमीन मे निवेश करदे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज सूर्य की सात प्रदक्षिणा करके निकलना चाहिए आप कोई बड़ी बिजनेस डील करने जा रहे हैं, तो आपको बहुत ही सोच–समझकर फैसले करने की जरुरत है. आपको किसी अनुभवी व्यक्ति की मदद जरूर लेनी चाहिए. आज आपको किसी सरकारी काम को पूरा करने में परेशानी आ सकती है. आपका कोई कागज पूरा न होने पर काम अटक भी सकता है. जो छात्र उच्च शिक्षा में दाखिला लेने के लिये परीक्षाएं दे रहे हैं, उन्हें मन–मुताबिक परिणाम के लिये कड़ी मेहनत करनी चाहिए. आप को अपने दोस्तों के साथ बाहर घूमने–फिरने पर अधिक पैसा खर्च करने से बचना चाहिए।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

सुबह ओंकार का उच्चारण करके ध्यान करें। व्यवसायी संदर्भ में आज आप अच्छा महसूस कर सकते हैं कि आपके पास बहुत अधिक काम है. किन्तु उसे पूरा करने के लिए समय बहुत कम है. व्यावसायिक, आर्थिक और सामाजिक प्रतिबद्धता का आपके आदेशों पर एक मजबूत प्रभाव पड़ेगा. भाई–बहनों की सामाजिक स्थिति में अप्रत्याशित और अचानक वृद्धि होगी.दिन की कोई अप्रिय घटना आपके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है.आप प्रेमी के साथ कहीं घूमने पर जाने से बचना चाहिए।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज सूर्य को जल , सूर्य को नमस्कार सूर्य जप करने से शरीर मे जबरदस्त र ऊर्जा और उत्साह रहेगा सकारात्मक परिणाम आंएगे और घरेलू तनाव दूर होने में मददगार मिलेगी कोई भी क़दम उठाने से पहले विशेषज्ञ की सलाह ज़रूर ले लें. अगर आप अपनी घरेलू ज़िम्मेदारियों को अनदेखा करेंगे, तो कुछ ऐसे लोग नाराज़ हो सकते हैं जो आपके साथ रहते हैं. पैसों के मामलों में सावधानी रखनी होगी. हल्का भोजन करें सेहत अनुकूल रहेगी।

शनिवार का पंचांग

दिनांक : 15 जून 2024 , शनिवार
विक्रम संवत : 2081
मास : ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : नवमी रात्रि 02:34 तक
नक्षत्र : उत्तराफाल्गुनी प्रातः 08:14 तक
योग : व्यतिपात रात्रि 08:09 तक
करण : बालव दोपहर 01:21 तक
चन्द्रराशि : कन्या
सूर्योदय : 05:41 , सूर्यास्त 06:51 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:53 , सूर्यास्त 06:46 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:45 , सूर्यास्त 06:40 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34 , सूर्यास्त 06:41 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : मिथुन संक्रांति पुण्यकाल सूर्योदय तक , श्री महेश नवमी

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सांसद मन्ना लाल को कंगना जैसा सबक सिखाने की धमकी देने वाला गिरफ्तार

बोला– मजाक था इमोजी लगाई थी

उदयपुर,14 जून (एजेंसियां)।
नवनिर्वाचित सांसद डॉ. मन्ना लाल रावत को अभिनेत्री कंगना रनौत की तरह सबक सिखाने की धमकी देने वाला सिरफिरे को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने अभियुक्त को सलूम्बर जिला के धरियावद कस्बे में दबिश देकर गिरफ्तार किया। शहर की गोवर्धन विलास पुलिस ने सांसद को सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए धमकी देने के आरोपी कांति लाल भगोरा को बीती रात हिरासत में लिया। आरोपी धरियावद तहसील के चारपोटिया गांव का निवासी है।

आरोपी कांति लाल भगोरा धरियावद विधायक सावर चंद मीणा का समर्थक बताया गया है। सावर चंद बाप पार्टी के टिकट पर विधायक बने। पकड़े जाने के बाद कांतिलाल ने पुलिस की पूछताछ में कबूल किया कि सांसद मन्ना लाल रावत को कंगना रनौत की तरह सबक सिखाने की धमकी उसी ने दी थी।

उसने ये भी बताया कि उसका किसी विध्वंसकारी संगठन से संबंध नहीं है। आरोपी कांतिलाल ने पुलिस के आईओ से माफी मांगी और खेद प्रकट किया। उसने सुर बदलते हुए कहा कि उसने मजाक में धमकी पोस्ट कर दी थी। कांतिलाल ने आईओ को बताया कि उसने पोस्ट के साथ लाफिंग ईमोजी भी लगाई थी।गोवर्धन विलास पुलिस ने आरोपी कांति लाल को गुरुवार को अदालत में पेश कर रिमांड आदेश प्राप्त किया है।

'मैं जैसी लड़की चाह रहा हूं, वैसी नहीं मिल रही', बेटे की इसी बात से आहत होकर बाप ने की आत्महत्या

अलवर,14 जून (एजेंसियां)।
अलवर शहर के एनईबी थाना अंतर्गत 53 वर्षीय बुजुर्ग व्यक्ति ने जहर खाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। मृतक के भाई धनीराम ने बताया, मृतक विजय पिता किशनलाल जाति जाटव निवासी रणजीत नगर थाना एनईबी का रहने वाला था। बता दें कि 11 मई (मंगलवार) को अपने बेटे से बोला कि बेटे शादी कर ले तो सचिन ने अपने पिता को बोला कि ऐसी लड़की नहीं मिलती, जैसी मैं चाह रहा हूं, इसलिए अभी शादी नहीं करूंगा। इसी बात को लेकर विजय जाटव ने शराब के नशे में जहर खा लिया, जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। परिजन 11 जून को अलवर के जिला अस्पताल में लेकर आए, जहां उसका इलाज किया जा रहा था।

शुक्रवार 14 जून को इलाज के दौरान विजय की मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमॉर्टम करवा कर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया। पुलिस अब पूरे मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

टाटा 407 और ब्रेजा कार की आमने–सामने टक्कर

हादसे में दो लोगों की मौत एक की हालत गंभीर

बीकानेर,14 जून (एजेंसियां)।
बीछवाल थाना इलाके में देर रात बड़ा सड़क हादसा हुआ। हादसे में टाटा 407–ब्रेजा गाड़ी की आमने–सामने की भिड़ंत में दो युवकों की मौत हो गई। वहीं एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को पीबीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे की सूचना के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने इस घटना की जानकारी मृतकों के परिवार वालों को दी।

जानकारी के अनुसार जयपुर–जोधपुर बाईपास के पास श्री गंगानगर रोड पर तेज रफ्तार टाटा 407–ब्रेजा गाड़ी की टक्कर हो गई। फिलहाल हादसे में घायल युवक का इलाज चल रहा है। सड़क हादसे में मृतकों की पहचान बासी बरसिंहसर निवासी रामस्वरूप सिहाग, फरीदकोट के कोहारवाला निवासी बेअंत सिंह के रूप में हुई। वही घायल गुरूमेल सिंह पुत्र जगसीर सिंह फरीदकोट का बताया जा रहा है।

शराब ठेके के पास मिला युवक का शव

बीकानेर,14 जून (एजेंसियां)।
बीकानेर जिले के नाल थाना क्षेत्र में शव मिलने से सनसनी फैल गई। थाना इलाके के करमीसर के वार्ड 23 में शराब के ठेके के पास मदनलाल का शव मिला था, जिसकी सूचना पर नाल थाने के एसआई अमित कुमार मय पुलिस जाब्ते मौके पर पहुंचे और शव को पीबीएम लेकर आए। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एसआई अमित कुमार के अनुसार, प्रथम दृष्टया धारदार हथियार से मदनलाल की हत्या की गई है। हालांकि, अभी तक हत्या के कारणों का तो पता नहीं चल पाया है। परिजनों का आरोप है कि मदनलाल की हत्या कर दारू के ठेके के पास फेंका गया है।

पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा कर आगे की कार्रवाई कर रही है। बताया जा रहा है कि मृतक के परिजन मोर्चरी के आगे इकट्ठे हो गए हैं। फिलहाल, पुलिस शराब की दुकान के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। इस मामले को लेकर पुलिस ने तीन युवकों को दबोचा है।

शरारती तत्वों ने की भारत रत्न भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा से छेड़छाड़

बीकानेर,14 जून (एजेंसियां)।
भारतीय संविधान के शिल्पकार भारत रत्न बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बच्चा अस्पताल के पास स्थापित बाबा साहब की प्रतिमा का चश्मा कोई शर–ारती तत्व उतारकर ले गया। शुक्रवार सुबह जब अम्बेडकर संरक्षण समिति के कार्यकर्ता सर्किल की साफ–सफाई करने पहुंचे तो उन्हें बाबा साहब की मूर्ति का चश्मा गायब मिला, जिसके बाद बाबा साहब के अनुयायियों ने सदर थाने पहुंचकर बाबा साहब की मूर्ति के साथ छेड़छाड़ करने वाले शरारती तत्वों के खिलाफ थाने में प्रार्थना पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग की।

वहीं, घटना की सूचना मिलने पर पुलिस के आलाधिकारी मौके पर पहुंचे और आश्वासन दिया कि बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा के साथ छेड़छाड़ करने वाले आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर उनके ऊपर कठोर से कठोर कार्रवाई की जाएगी। पीबीएम अस्पताल के बच्चा अस्पताल के पास अम्बेडकर सर्किल पर स्थापित भीमराव अम्बेडकर की मूर्ति के साथ कुछ शरारती तत्वों ने छेड़छाड़ करने और क्षति पहुंचाने की कोशिश की। इसकी सूचना मिलने पर वाल्मीकि समाज के लोग बड़ी संख्या में अम्बेडकर सर्किल पर एकत्रित हुए और सदर थाने पहुंचकर बाबा साहब की मूर्ति के साथ छेड़छाड़ के मामले में शरारती तत्वों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

प्रशासनिक सेवा परीक्षा पास करने वाली आशा कंडारा घूस लेते ट्रैप

कर्मियों की भर्ती में ले रही थी पैसे

जोधपुर,14 जून (एजेंसियां)।
सफाई कर्मचारी होते हुए राजस्थान प्रशासनिक सेवा परीक्षा पास करने वाली राजस्थान की आशा कंडारा का नाम तीन साल पहले देश भर में चर्चा में आया था। आशा को राजस्थान प्रशासनिक सेवा परीक्षा 2018 पास करने पर वाहवाही मिली। अब एक बार फिर आशा का नाम सुर्खियों में है, लेकिन इस बार उनकी वाहवाही नहीं बल्कि बदनामी हो रही। गुरुवार को एसीबी ने आशा कंडारा को एक लाख 75 हजार रुपये घूस लेते पकड़ा है। एसीबी को जानकारी मिली थी कि वह सफाईकर्मी भर्ती के लिए लोगों से पैसे ले रही थी। एसीबी की कार्रवाई के दौरान आशा कंडारा का बेटा और एक अन्य शख्स भी मौजूद था। मंगलवार की रात आशा जयपुर से पाली के लिए निकली थी। जैतारण में उसका बेटा रुपये लेकर पहुंचा। उसके साथ कथित

रूप से एक दलाल योगेंद्र चौधरी भी मौजूद था।

जानकारी के मुताबिक सफाईकर्मी की नौकरी का सौदा तीन लाख रुपये में हुआ था। राजस्थान के जोधपुर में सड़कों पर झाड़ू लगाने वाली आशा कंडरा ने 2021 में डिप्टी कलेक्टर बनकर खूब सुर्खियां बटोरी थीं। उनके राजस्थान प्रशासनिक सेवा परीक्षा 2018 परीक्षा पास करने को खूब सराहा गया। आशा कंडरा ने 1997 में 12वीं पास किया था।

पानीपत में दिनदहाड़े चार लाख की लूट

पंजाब नेशनल बैंक की मित्र शाखा में घुसे बदमाश, धूप सिंह नगर की है घटना

पानीपत,14 जून (एजेंसियां)।
पानीपत के धूप सिंह नगर में मोटरसाइकिल पर सवार होकर आए चार नकाबपोश बदमाशों ने पंजाब नेशनल बैंक की मित्र शाखा में लूटपाट की। बदमाश पहले कार्यालय में घुसे और पिस्तौल के बल पर कर्मचारियों को बंधक बना लिया। फिर यहां एक फायर भी किया और एक बैग में 4 लाख भरकर यहां से फरार हो गए। इससे पहले शाखा के संचालक ने बदमाशों से संघर्ष भी किया। बदमाशों ने उसे पर हथियार से हमला कर दिया। बदमाश यहां अपनी मोटरसाइकिल छोड़कर फरार हो गए। आगे जाकर बदमाशों ने पिस्तौल के बल पर दो मोटरसाइकिल लूटी और उन पर सवार होकर फरार हो गए।

धूप सिंह नगर निवासी प्रदीप कुमार ने बताया कि वह अपने भाई हरीश के साथ कॉलोनी में ही पंजाब नेशनल बैंक की मित्र सखा चलता है। उसने शुक्रवार सुबह 10:00 बजे शाखा खोली थी। वह कार्यालय में अपना काम कर रहे थे। बाहर कर्मचारी काम कर रहे थे इसी वक्त चार नकाबपोश युवक कार्यालय में आए आते ही इन्होंने उन पर पिस्टल दान दी और उनको चुपचाप बैठने को कहा। सभी चार बदमाश उनके कार्यालय को कंगाल ने लगे एक बदमाश ने फर्श पर फायर किया।

वह फायर चलते ही डर गया फिर बदमाशों ने कार्यालय में रखा 4 लाख कैश अपने बैग में पैक किया और बाहर निकल आए। उसने कार्यालय के बाहर बदमाशों को पकड़ने की कोशिश की लेकिन एक बदमाश ने उसके हाथ पर तेजधार हथियार से हमला कर दिया। फिर यह चारों यहां पर मोटरसाइकिल छोड़कर फरार हो गए। बाद में पता चला के इन बदमाशों ने आगे जाकर दो युवकों से मोटरसाइकिल लूटी है।

उन्होंने इसकी सूचना पुलिस कंट्रोल रूम में दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। डीएसपी सुरेश सैनी ने घटनास्थल का जायजा लिया। पीड़ितों के बयान पर अज्ञात पर केस दर्ज कर लिया गया है पुलिस पूरे क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरा की मदद से बदमाशों तक पहुंचाने का प्रयास कर रही है। इस घटना से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है।

बदमाशों को पहले ही मित्र शाखा के बारे में पूरी जानकारी थी। बदमाशों ने वारदात को अंजाम देने से पहले पूरे क्षेत्र की रेकी भी की थी। उनको कार्यालय की पूरी जानकारी थी अब पुलिस इस कार्यालय में काम कर चुके पहले वाले कर्मचारी को भी ट्रेस कर रही है।आसपास समथिंग दो पर नजर रख रही है।

बहन को धक्का देकर युवती को उठा ले गए बदमाश

झुंझुनू,14 जून (एजेंसियां)।
राजस्थान के झुंझुनू में इन दिनों बदमाश बेखौफ हैं। बढ़ती आपराधिक वारदात से आमजन में भय का माहौल है। झुंझुनू के सिंघाना कस्बे के मुख्य बाजार से युवती का अपहरण करने का मामला सामने आया है। युवती की बड़ी बहन ने उसे बचाने का प्रयास भी किया, लेकिन बाइक पर सवार होकर आए दो युवक उसे धक्का देकर युवती को जबरन उठाकर ले गए। बाद में डूमोली के पास बणी में मारपीट कर गलत काम करने का प्रयास भी किया। पीड़िता के शोर मचाने पर पकड़े जाने के डर से बदमाश उसे छोड़कर फरार हो गए। युवती के अपहरण की इस घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है।

जानकारी के अनुसार तातीजा निवासी पीड़िता बुधवार को अपनी बड़ी बहन के साथ बच्चों के कपड़े लेने के लिए सिंघाना के बाजार में आई थी। जब वह एसबीआई बैंक के सामने बहन व बच्चों के साथ खड़ी थी तभी एक बाइक पर दो युक्क आए और उसे जबरन उठाकर बाइक पर ले गए। उसकी बहन ने बदमाशों से उसे छुड़ाने का प्रयास भी किया, लेकिन बदमाश उसके धक्का देकर फरार हो गए। दोनों युवक उसे बाइक पर डूमोली की बणी में ले गए। वहां पर दो अन्य युवक भी आ गए और उसके साथ मारपीट कर गलत काम करने का प्रयास किया।इस दौरान छीना झपटी में युवकों के मुंह पर बंधा कपड़ा उतर गया। आरोपी युवकों की पहचान इश्कपुरा निवासी हंसराज और मिंटू के रूप में हुई।

प्रेम विवाह करने वाले युवक ने जहरीला पदार्थ खाकर दी जान

दो पेज का लिखा सुसाइड नोट, इन पर लगाए आरोप

फतेहाबाद,14 जून (एजेंसियां)।
फतेहाबाद के भट्टू क्षेत्र के गांव ढिंगसरा में एक युवक ने जहरीला पदार्थ खाकर अपनी जान दे दी। मामले में दो पेज का सुसाइड नोट मृतक की जेब से बरामद हुआ है। युवक ने सुसाइड नोट में आरोप लगाया है कि उसने अप्रैल महीने में गांव भोडियाखेड़ा निवासी युवती से प्रेम विवाह किया था। उसकी पत्नी को उसके मायका पक्ष के लोगों ने मार डाला है।

इस संबंध में उसने फतेहाबाद पुलिस को 7 जून को शिकायत दी थी, लेकिन पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। इससे परे–शान होकर उसने अपनी जान दे दी है। उधर, युवक की मौत के बाद अब उसके भाई ने पुलिस को लिखित शिकायत देकर युवती के परिजनों पर उसके भाई को टॉर्चर करने के आरोप जड़े हैं। भाई ने पुलिस को भी सुनवाई नहीं करने पर आरोपी बताया और मामले में डीएसपी रैंक से जांच करवाने, पोस्टमार्टम की वीडियोग्राफी करवाने की मांग की है।

पुलिस ने फिलहाल इस मामले में युवक के भाई के बयान पर युवती के पिता सतपाल, मां शानो देवी, चाचा राजेंद्र, भाई सुनील व भोडियाखेड़ा के सरपंच प्रतिनिधि अनिल के खिलाफ आत्महत्या के लिए मजबूर करने के आरोप में आईपीसी की धारा 306, 34 के तहत केस दर्ज कर लिया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार

जानकारी के अनुसार गांव ढिंगसरा निवासी 24 वर्षीय प्रवीण पंजाब के नाभा में पीवीसी वॉल पैनल कंपनी में काम करता था। वीरवार को उसने जहरीला पदार्थ गटक लिया। कल दोपहर को वह लड़खड़ाता हुआ घर पहुंचा और आंगन में गिर गया और बाद में उसने दम तोड़ दिया। युवक के भाई पवन के अनुसार उसकी जेब से दो पेज का सुसाइड नोट मिला है। सुसाइड नोट में प्रवीण ने बताया है कि उसने भोडियाखेड़ा निवासी शाइना से 26 अप्रैल को हिसार में शादी कर ली थी। इसके बाद वह नीट की तैयारी के लिए उसे सीकर छोड़ आया और खुद अपनी नौकरी पर पंजाब लौट गया। उसकी गैरमौजूदगी में शाइना को उसका भाई सुनील, चाचा राजेंद्र अपने घर ले गए। कुछ दिनों बाद शाइना ने उसे फोन कर बताया कि उसके पापा, भाई, चाचा, मां जान से मारने की धमकी देते हैं व मारपीट करते हैं। उसकी मां ने भी उसको फोन करके बताया कि वे शाइना को सल्फास की गोली दे रहे हैं। इसके बाद उसे सोशल मीडिया से पता चला कि शाइना की मौत हो गई है।

भजन गायिका के हत्यारे ने जेल में फांसी लगाकर की आत्महत्या

जींद,14 जून (एजेंसियां)।
जींद के जगराते में भजन गाने वाली नाबालिग युवती के हत्यारे ने शुक्रवार दोपहर को जिला कारागार में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने अदालत की निगरानी में उसे शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया। हत्यारे को 2020 में उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार

न्यू शिवपुरी कॉलोनी निवासी शालू 15 जून 2017 को अचानक घर से गायब हो गई थी। उसके भाई ने पुलिस को दी शिकायत में 20 जून को बताया था कि उसकी बहन शालू जागरण व शोभायात्रा आदि में भजन गाने में हिस्सा लेती थी। 15 जून रात को डूमरखां कलां गांव में जागरण की बात बोलकर संत नगर निवासी शुभम व दीपक उसकी बहन को घर से ले गए थे। उसके बाद उसकी बहन वापस नहीं लौटी। पुलिस ने शुभम व दीपक को संदेह के आधार पर गिरफ्तार कर लिया था। शुभम ने पुलिस पूछताछ में बताया कि उसने शालू की हत्या कर शव को जलालपुर खुर्द गांव के पास दबा दिया है। पुलिस ने शुभम की निशानदेही पर शव को बरामद किया था। उसके बाद से मामला अदालत में विचाराधीन था। 2020 में अदालत ने शुभम को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। शुक्रवार दोपहर को शुभम ने जेल में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने अदालत की निगरानी में उसे शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया।

नीतीश कुमार की पार्टी फिर चुनाव में उतरी

विधायक के इस्तीफे से खाली रूपौली सीट पर उतारा प्रत्याशी

पटना (एजेंसियां)।

रुपौली विधानसभा सीट सीएम नीतीश कुमार की पार्टी ने अपने प्रत्याशी के नाम का एलान कर दिया है। जनता दल यूनाईटेड ने कलाधर प्रसाद मंडल को उम्मीदवार बनाया है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने इसकी घोषणा कर दी। जदयू पार्टी ऑफिस में जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा, मंत्री लेसी सिंह और पूर्व सांसद संतोष कुशवाहा भी शामिल हुए। बैठक के बाद कलाधर प्रसाद मण्डल के नाम की घोषणा की गई। प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने कलाधार मंडल को उम्मीद्वार घोषित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इनपर भरोसा जताया है और उनकी जीत निश्चित है। कलाधार प्रसाद मंडल ने कहा कि लोकसभा चुनाव मे जनता ने एनडीए के पक्ष में वोट दिया है। सच सच होता है झूठ की हार हुई है। इस उपचुनाव में भी हमारी जीत होगी।

इधर, इंडी गठबंधन की ओर से यह सीट सीपीआई के खाते में गई है। यहां से विकास चंद्र मंडल उम्मीदवार हो सकते हैं। इधर, लोकसभा में जमानत जब्त होने के बाद पूर्व विधायक बीमा भारती ने उपचुनाव लड़ने से इनकार कर दिया है। इस बार उनके पति अवधेश मंडल निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे। राजनीतिक पंडित कह रहे हैं कि बीमा अवधेश मंडल का मुकाबला महागठबंधन से उझख के विकास चंद्र मंडल से हो सकता है।

बता दें कि विधानसभा चुनाव 2020 में बीमा भारती जदयू के टिकट पर चुनाव मैदान में उतरी थीं और उन्हें जीत मिली थी। लेकिन, वो लोकसभा चुनाव से पहले जदयू विधायक पद से इस्तीफा देने के बाद राजद से लोकसभा चुनावी मैदान में उतरीं। तब से रूपौली विधानसभा सीट खाली थी। 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन से छह सीटें भाकपा को मिली थीं, जिनमें रूपौली विधानसभा क्षेत्र भी था।

बता दें कि रूपौली उपचुनाव के लिए 14 जून यानी आज से 21 जून तक नामांकन की तिथि है। 24 जून को स्क्रूटनी और 26 जून को नाम वापसी की तिथि है. वहीं, 10 जुलाई को मतदान यानी उपचुनाव होगा, जबकि 13 जुलाई को मतगणना होना है।रूपौली विधानसभा में कुल मतदाताओं की संख्या 313599 है जिसमें महिला मतदाता 151895 और पुरुष मतदाता 161688 हैं. अन्य मतदाता 16 हैं। यह भी बता दें कि रूपौली विधानसभा क्षेत्र में कुल तीन प्रखंड-रूपौली, भवानीपुर और बड़हरा कोठी पड़ता है। कुल मतदान केद्रों की संख्या 321 है, जबकि कुल भवन जहां मतदान होना है 162 है। इनमें रूपौली में 72 भवन में 152 बूथ बनाए गए हैं। वहीं, भवानीपुर में 57 भवन में 111 बूथ और बडहरा कोठी में 33 भवन में 58 बूथ बनाए गए हैं।

तेजस्वी यादव बोले- बिहार में इंसान की जान की कोई कीमत नहीं

सरकारी अपराधी किसी को भी गोली मार रहे

पटना (एजेंसियां)।

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एक बार फिर नीतीश सरकार पर हमला बोला है। सोशल मीडिया पर उन्होंने आपराधिक वारदातों का जिक्र कर एनडीए सरकार को घेरने की कोशिश की है। तेजस्वी ने लिखा कि बिहार में डबल इंजन सरकार के बनावटी मंगलराज में चंद घंटों की डरावनी झलकियाँ। बिहार में इंसान की जान की कोई क़ीमत नहीं। जब चाहे जहां चाहे सरकारी अपराधी किसी को भी गोली मार रहे है। मुख्यमंत्री सहित सरकार को कोई सत्ता संरक्षित आपराधिक घटनाओं पर कोई लेना-देना नहीं।

तेजस्वी यादव ने 10 वारदातों का जिक्र किया। इसके जरिए उन्होंने विधि व्यवस्था पर सवाल उठाया था। नेता प्रतिपक्ष ने लिखा कि बेगूसराय में सरकारी अपराधियों का तांडव- बलात्कार के बाद युवती की हत्या। मुजफ्फरपुर में सरकारी अपराधी बेलगाम- युवक को दिनदहाड़े गोली मारी। पूर्णिया में बमबाजी और डकैती की बड़ी वारदात- सत्ता संरक्षित बदमाशों ने बमबारी एवं ताबड़तोड़ फायरिंग कर एक साथ चार घरों में डाका डाल लाखों की लूट। अरवल जिले में छुट्टी पर घर आए 555 जवान की पीट-पीटकर हत्या। सीवान में बीच सड़क गुंडों ने छात्र की गोली मारकर हत्या की। नवादा में बेखौफ सरकारी अपराधियों ने गोली मार मुखिया का मर्डर किया। मधेपुरा में छात्रा से छेड़खानी रोकने पर बदमाशों ने राजद नेता को गोली मारी। बख़्तियारपुर में गोली मार युवक की हत्या। शाहपुर में युवक की बदमाशों ने गोली मारकर हत्या की। पटना में कारोबारी से लूट और महिला से चैन छिनतई।

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी ने लिखा कि इन वारदातों से स्पष्ट पता चलता है कि राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह फेल हो चुकी है। बिहार में डबल इंजन सरकार के चंद घंटों के मंगलराज का ये अद्भुत आपराधिक नजारा है। लेकिन, मुख्यमंत्री से लेकर दो-दो उपमुख्यमंत्री सहित समूचा अमला आपराधिक घटनाओं को लेकर आपराधिक चुप्पी ओढ़े हुए है।

दिल्ली में होगी जदयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक, सीएम नीतीश कुमार समेत रहेंगे मौजूद

पटना (एजेंसियां)।

जनता दल यूनाईटेड की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक 29 जून को होने वाली है। यह बैठक दिल्ली में होगी।

इसमें सीएम नीतीश कुमार समेत पार्टी के सभी दिग्गज नेता शामिल होंगे। इसके लिए जदयू ने तैयारी शुरू कर दी है। लोकसभा चुनाव के बाद यह पहली बैठक होगी। इससे पहले दिसंबर 2023 में हुई जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक हुई थी। इस बैठक में ललन सिंह ने राष्ट्रीय अध्यक्ष पद छोड़ा था। इसके बाद पार्टी के नेताओं ने नीतीश कुमार की राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर दुबारा बैठाया था।

सूत्रों की मानें तो जदयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक की अध्यक्षता नीतीश कुमार करेंगे। बैठक में लोकसभा चुनाव के रिजल्ट पर भी चर्चा होगी। इस बार जदयू ने 16 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे और 12 सीटें जीती है। इसके अलावा दो साल बाद जदयू की केंद्रीय मंत्रिमंडल में इंट्री हुई है।

सीएम नीतीश कुमार और उनकी पार्टी एक बार फिर से सुर्खियों में हैं। 12 लोकसभा सीटें जीतकर जदयू राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में तीसरा सबसे बड़ा दल बन गया। जदयू की ओर से इनके दो सांसद इस बार मोदी कैबिनेट के सदस्य हैं। ललन सिंह को केंद्रीय मंत्री और रामनाथ ठाकुर को केंद्रीय राज्य मंत्री बनाया गया है। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के बाद यह पहली बार हुआ जब सीएम नीतीश कुमार की पार्टी के दो नेता केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल हैं। इससे पहले 2021 में आरसीपी सिंह अकेले ही मंत्रिमंडल में शामिल हुए थे। अभी ललन सिंह और रामनाथ ठाकुर मंत्री बनाए गए हैं।

बिहार के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल में हुई स्पाइन की दो सर्जरी

दोनों मरीज स्थिर और बैठने में सक्षम

पटना (एजेंसियां)।

बिहार की राजधानी पटना में पीएमसीएच के हड्डी रोग विभाग के अंतर्गत गुरुवार को दो मरीजों की टूटी हुई स्पाइन (डोरसल स्पाइन) की सर्जरी हुई। सर्जरी डॉ. महेश प्रसाद ने की। इस सर्जरी में डेढ़-डेढ़ घंटे का समय लगा। टूटे हुए हिस्सों को रॉड से जोड़ा गया और स्पाइनल कॉर्ड पर से दबाव को खत्म किया गया। दोनों मरीजों को होश आ गया है। मरीज स्थिर हैं, वे बैठ सकते हैं। यहां जिन मरीजों की सर्जरी हुई उनमें राम प्रकाश यादव और सुरेंद्र कुमार शामिल हैं।

जानकारी के मुताबिक, सुरेंद्र कुमार सीतामढ़ी के रहने वाले हैं। सुरेंद्र कुमार ऊंचाई से गिर गए थे, जिससे उनकी रीढ़ की हड्डी टूट गई थी। इसी तरह राम प्रकाश यादव की भी दुर्घटना में ही रीढ़ की हड्डी टूट गई थी। दोनों चलने-फिरने और बैठने में असमर्थ हो गए थे। शौच पर से भी नियंत्रण खत्म हो गया था।

ऑपरेशन करने वाले स्पाइन सर्जन प्रो. महेश प्रसाद ने बताया कि अब इनकी फिजियोथेरेपी चलेगी। उम्मीद है कि छह से आठ माह में पैर में ताकत आ जाएगी। डॉ. महेश प्रसाद ने पीएमसीएच में लगातार स्पाइन सर्जरी होने पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यहां पूरी तरह मुफ्त में इस तरह की महंगी सर्जरी सुगमता से हो रही है। लगभग हर बार एक बार में हम लोग दो सर्जरी कर रहे हैं। इस तरह की संवेदनशील सर्जरी होने से स्नातकोत्तर विद्यार्थियों और जूनियर डॉक्टरों को सीखने का मौका मिलता है। इस सर्जरी में डॉ. अनिरूद्ध, डॉ. सौरव, डॉ. अमन, डॉ. सुभाष और डॉ. विवेक सहायक रहे। एनेस्थिसिया में डॉ. सफकत आफरीन की टीम रही।

शिक्षकों के बाद केके पाठक अब बालू माफियाओं पर कसेंगे नकेल, मचा हड़कंप

पटना (एजेंसियां)।

बिहार के शिक्षक अब राहत की सांस लेंगे, लेकिन बालू माफियाओं की खैर नहीं। केके पाठक शिक्षकों को सुधारने के बाद अब बालू माफियाओं पर नकेल कसेंगे, क्योंकि बिहार सरकार ने केके पाठक को शिक्षा विभाग से हटा कर राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की जिम्मेदारी सौंप दी है। बिहार सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने अधिसूचना जारी करते हुए केके पाठक को राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग का प्रमुख सचिव बनाया है। साथ ही वह बिपार्ड के महानिदेशक का अतिरिक्त प्रभार भी संभालेंगे।

केके पाठक की छुट्टी पर जाने के बाद इस बात की आशंका की जा रही थी कि बिहार सरकार उन्हें शिक्षा विभाग से ट्रांसफर करेगी लेकिन इस बात की तनिक भी आशंका नहीं थी कि उनका तबादला राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग में होगा। हालांकि राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग में उनका तबादला होने के बाद बालू माफियाओं में हड़कंप मच गया है। इस संबंध में लोगों का कहना है कि सरकार ने केके पाठक पर कार्रवाई करते हुए उनका विभाग बदला है लेकिन जो भी हो केके पाठक को अब एक बड़े विभाग की कमान सौंपी गई है। केके पाठक फिलहाल छुट्टी पर हैं और उनकी जगह डॉक्टर एस सिद्धार्थ को शिक्षा विभाग का अपर सचिव बनाया गया है।

गंगा नहाने गए नाबलिग की डूबने से मौत, परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल

मुंगेर (एजेंसियां)।

बिहार के मुंगेर जिले के सफियासराय थाना क्षेत्र अंतर्गत सिंधिया इंग्लिश ग्राम में गंगा स्नान करने के दौरान एक 14 वर्षीय बालक की डूबने से मौत हो गई। घटना की जानकारी स्थानीय ग्रामीणों द्वारा सफियासराय थाना पुलिस को दी गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई। वहीं, स्थानीय गोताख-ोरों की मदद से शव की खोजबीन की जा रही है।

जानकारी के मुताबिक, मृतक की पहचान सिंघिया इंग्लिश निवासी अनुज यादव के बेटे आर्यन कुमार के रूप में की गई है, जो मध्य विद्यालय सिंघिया में आठवीं कक्षा का छात्र था। आर्यन शुक्रवार को अपने कुछ दोस्तों के साथ गंगा स्नान करने के लिए गया हुआ था। जहां गहरे पानी में चले जाने के कारण वह डूबने लगा। शोर करने के बाद स्थानीय ग्रामीण मौके पहुंचे तब तक वह डूब चुका था। आर्यन दो भाइयों में छोटा था। वहीं, घटना के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ लग गई। इधर, घटना की खबर मिलने के बाद से मृतक के परिजन का रो-रो कर बुरा हाल है।

वहीं, दो घंटे बीत जाने के बाद भी स्थानीय गोताखोर टीम न पहुंचने को लेकर गुस्साए ग्रामीणों और परिजनों ने मुंगेर लखीसराय पटना मुख्य मार्ग को सिंघिया के पास जाम कर दिया। जाम की सूचना मिलने के बाद जमालपुर अंचल अधिकारी और सफियासराय थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के परिजनों को समझा-बूझाकर जाम हटवाया। वहीं, जाम लगने के कारण मुंगेर और लखीसराय मुख्य मार्ग पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। चिलचिलाती धूप और उमस भरी गर्मी से आने जाने वाले राहगीर तथा यात्री काफी परेशान दिखे। घटना के बाद मौके पर स्थानीय ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गई।

कुवैत अग्निकांड के बाद दरभंगा का कालू खान है लापता

दरभंगा (एजेंसियां)।

कुवैत में हुए भीषण अग्निकांड में दरभंगा भी नही बच सका। दरभंगा जिला के सदर प्रखंड अंतर्गत नैनाघाट गांव के कालू खान का कोई अता पता नहीं चल पा रहा है। उससे कोई संपर्क भी नहीं हो पा रहा है, जिससे परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। परिजनों का कहना है कि कालू खान उसी बिल्डिंग में काम करता था, जिसमें आग लगी थी। इस बात को लेकर परिवार वाले चिंतित हैं।

घटना के संबंध में परिजनों का कहना है कि बुधवार की रात 11बजे तक कालू खान से बातचीत हुई थी। उसके बाद आग लगने की घटना की जानकारी मिली। उसके बाद से उससे कोई संपर्क नहीं हो पा रहा है। साथ ही वहां पर रहने वाले अन्य किसी भी लोगों से कोई जानकारी नहीं मिल रही है। दूतावास से संपर्क किया गया तो अधिकारियो ने पासपोर्ट की कॉपी मंगाई, जिसे भेज दिया गया है, लेकिन उनसे भी कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। उन अधिकारियों का कहना है कि घटना के घटना को लेकर कालू खान के मिलने का कोई इनपुट उपलब्ध होते ही परिजनों को जानकारी दी जाएगी। फिलहाल कालू खान की खोजबीन की जा रही है।

इधर कालू खान की मां मदीना खातून का कहना है कि दो साल पहले वह कुवैत गया था। उससे अक्सर फोन पर बातचीत होती थी। उससे अंतिम बार बात बुधवार की रात को हुई थीं। मदीना खातून ने बताया कि कालू खान ने कहा था कि रुपया भेज देंगे, जिससे घर में बिजली लगा लेना। उन्होंने कहा कि कालू खान की शादी होनी थी, जिसके लिए वह अगले महीने के पांच तारीख को आने वाला था। तीन बेटो में सबसे बड़ा बेटा कालू खान ही था। अब घर वाले उसके आने की राह ताक रहे हैं।

नक्सलियों ने युवक को घर घुसकर मार डाला

गोली मारने के बाद एमसीसी जिंदाबाद की नारेबाजी कर हुए फरार

पटना (एजेंसियां)।

बिहार के गया जिले के कोंच थाना क्षेत्र के कमल विगहा गांव में गुरुवार की देर रात नक्सलियों ने सशस्त्र से लैस होकर दालान में सो रहे एक युवक को गोली मारकर हत्या कर दी। हत्या के बाद नक्सलियों ने जिंदाबाद के नारे लगाते हुए फायरिंग करते निकल गया। घटना के बाद गांवों में सनसनी फैला हुआ है। साथ ही पुलिस ने शव को कब्जा में लेकर मगध मेडिकल कॉलेज में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बताया जा रहा है ग्राम कमल बिगहा के हीरा यादव (45) अपने दालान में रात्रि के समय सोने की तैयारी कर रहे थे। तभी करीब 10 की संख्या में आए हथियार से लैस नक्सलियों ने उनके घर को घेर लिया। तीन-चार लोग घर के अंदर घुस गए और दो गोली दाग दी। गोली शरीर के कनपटी एवं पंजरा में मारी गई है। जिससे मौके पर ही हीरा यादव की मौत हो गई।

नक्सलियों ने फायरिंग करते हुए और इंकलाब जिंदाबाद, एमसीसी जिंदावाद का नारा देते हुए फरार हो गए। घटना की सुचना मिलने पर कोंच पुलिस दल बल के साथ घटना स्थल पर कुछ ही देर बाद रात्रि में पहुंची। और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने के लिए मेडिकल कॉलेज गया भेज दिया।

मालूम हो कि कमल विगहा के हीरा यादव उर्फ जितेन्द्र यादव पूर्व में नक्सली के हार्डकोर कमेटी के सदस्य थे। पार्टी ने किसी कारणवश इसे निकालकर सजा देने का फरमान जारी कर दिया था। कुरमावां टोला मुसहरी विगहा के पास किसी किसान की नक्सलियों द्वारा प्रतिबंधित जमीन को एग्रीमेंट कराकर बेच रहे थे। जिसे नक्सलियों के द्वारा कोंच के ढेर सारी प्रतिबंधित जमीन के बिक्री पर पूर्व में भी पर्चा साटकर रोक लगाया गया था। इसके बावजूद भी हीरा यादव के द्वारा प्रतिबंधित जमीन को बेचे जाने की बात चर्चा में है। जिस कारण से नक्सलियों के द्वारा उक्त घटना का अंजाम दिये जाने की बात कही जा रही है। वहीं, मृतक की पत्नी का रो रो कर बुरा हाल है। मृतक के तीन पुत्र एवं एक पुत्री है। सभी के रो रो कर बुरा हाल है। कोंच थानाध्यक्ष धनंजय कुमार सिंह ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि हत्या का कारण का पता लगाया जा रहा है। फिलहाल परिजनों द्वारा प्राथमिकी के लिए आवेदन नहीं दिया गया है। आगे की कार्रवाई चल रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com